नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 37

सोमवार, 26 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

साइबर ठगी के शिकार सुनील गुप्ता को पुलिस ने वापस कराए... 03

ईरान खुलेआम वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बना रहा है, वैश्विक... 08

NCR समाचार

BY C.R.O. TEAM

हायलो ओपन : सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे 10

स्वस्थ रहने के आसान उपाय 11



इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

अभिनेत्री पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा 12

इंडी गठबंधन की महारैली में विपक्ष का सरकार पर हमला

मोदी, शाह, ज्ञानेश वोट चोरी के जिम्मेदार, सबको मिलेगी सजा : राहुल



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वोट चोरी करने वाले बच नहीं सकते और उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और उनके किए की उन्हें जरूर सजा मिलेगी। श्री गांधी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली को यहां रविवार को रामलीला मैदान में संबोधित करते हुए कहा कि श्री कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाना विपक्ष का पहला लक्ष्य है और वह पद से हटेंगे तथा जेल जाएंगे। उन्होंने कहा, आप संविधान से बड़े नहीं हैं। लंबे समय से वोट चोरी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के चुनावों में धांधली की गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद करीब साढ़े तीन करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। करीब 60 मतदाताओं में से एक मतदाता का नाम सूची से हटा और इस तरह करीब 15 प्रतिशत वोटरों को सूची से हटाया गया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और विपक्ष के बीच मतों का अंतर केवल तीन प्रतिशत था। मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया और यह देश के नागरिकों की आवाज छीनने जैसा है। श्री गांधी ने कहा कि यह सामान्य चोरी नहीं बल्कि देश के हर नागरिक की आवाज और अभिव्यक्ति के अधिकार की भी चोरी है।

उनका कहना था कि मुख्य चुनाव आयुक्त यदि वोटो की हेरा फेरी नहीं करते, वोट चोरी नहीं करते तो श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री और श्री अमित शाह गृह मंत्री नहीं बन सकते थे। उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), न्यायपालिका और नौकरशाही जैसी संस्थाओं पर कब्जा किए जाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन संस्थाओं का उद्देश्य देश के लोगों के हितों की रक्षा करना है लेकिन मोदी सरकार का इन संस्थाओं पर कब्जा है और इन पर नियंत्रण के कारण युवाओं, गरीबों, किसानों और श्रमिकों को उनका हक नहीं मिल रहा है, जबकि अडानी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को ऐसा भारत नहीं चाहिए, जहां गरीबों के पैसे का इस्तेमाल कुछ चुनिंदा लोगों के फायदे के लिए हो और आम नागरिकों को सम्मान न मिले। उनका कहना था कि एक गरीब आदमी अगर बैंकों से लोन लेता है और लौटने की स्थिति में नगीन है तो उसे दंडित किया जाता है लेकिन उद्योगपति पैसा डकार रहे और उनका कुछ नहीं हो रहा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि किसान मेहनत करता है और अपने खून-पसीने से देश को सींचता है, तो उसे उसका फल मिलना चाहिए। इसी तरह विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और पढ़ाई का उचित परिणाम मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा और देश की जनता को न्याय मिलना चाहिए। श्री गांधी ने कहा कि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन के लोग किसी से नफरत नहीं करते हैं और ना ही किसी को अपना दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग नफरत नहीं मोहब्बत की दुकान चलाने वाले लोग हैं, हिंसा के बजाय अहिंसा में विश्वास करने वाले लोग हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी, श्री शाह और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने देश में नफरत फैलाई है, जिससे देश को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के संविधान और उसकी आत्मा पर हमला हुआ है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। देश के लोग नफरत और दुश्मनी नहीं भाईचारा, प्यार और मोहब्बत चाहते हैं। उन्होंने दावा किया कि देश में मोहब्बत की दुकान खुलने जा रही है और इस मोहब्बत के बल पर अब भारत सही रास्ते पर आगे बढ़ेगा।

वोटरों और कथित वोट चोरों के बीच लड़ाई : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा कि मौजूदा लड़ाई देश के मतदाताओं और कथित वोट चोरों के बीच है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें देश और ज्ञानेश कुमार में से किसी एक को चुनना होगा। बिहार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वह बिहार की धरती से आते हैं और वहां के लोग लोकतंत्र के मुद्दे पर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए विपक्षी कार्यकर्ताओं से भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए एकजुट होने की अपील की।

अखिलेश यादव ने भी सरकार पर साधा निशाना

महारैली को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मतदाता सूची में कथित तौर पर नाम काटे जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काटे जाने की बात सामने आई है। उनके अनुसार, प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में औसतन 31 हजार मतदाताओं के नाम कम हुए हैं। अखिलेश ने भाजपा नेताओं के 'अंगद का पैर' वाले बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब जमीन ही नहीं बचेगी तो पैर कहां रखेंगे। उन्होंने वाराणसी का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की जनता ने दोहरी इंजन वाली सरकार को दोहरा शून्य दिया है। महारैली में विपक्षी गठबंधन के कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। सभी नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा उठाया।

मोदी सरकार की विदाई नजदीक, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा : खरगे



नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की विदाई के दिन नजदीक हैं और देश में वोट चोरी की साजिश में भूमिका निभाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा तथा उनके खिलाफ जांच भी होगी। श्री खरगे ने रविवार को यहां रामलीला मैदान में विपक्षी इंडिया गठबंधन की वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त जनता की आवाज समझ लें, क्योंकि वे लोगों का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा कि यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और विपक्ष इसे जीतकर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करीब 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि हटाए गए नामों में कितने विदेशी नागरिक थे। उन्होंने दावा किया कि छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले हैं, जिनमें अधिकतर नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के नाम पर झूठ बोल रही है और मतदाता सूची में बदलाव का इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है। श्री खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की समस्याओं की चिंता नहीं है बल्कि उसे अपनी कुर्सी की चिंता है।

उन्होंने कहा कि चुनिंदा पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण से रोजगार और आरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा पूरा नहीं होने का मुद्दा भी उठाया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं लेकिन मोदी सरकार अपनी पसंद के मतदाता चुनने में लगी है। उन्होंने सवाल किया कि क्या युवाओं, किसानों और कमजोर तबकों के वोट इसलिए काटे जाएंगे कि वे सरकार से सवाल पूछते हैं और अपने अधिकारों की मांग करते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में कोई सरकार स्थायी नहीं होती और जनता ही तय करती है कि कौन सत्ता में रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अहंकार में यह कहना बंद करें कि भाजपा 30 या 40 साल तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार संविधान से मिला है, कोई खैरात नहीं, और इसे कोई छीन नहीं सकता।

दिल्ली में बीएस-6 से नीचे के वाहनों की एंट्री पर रोक, बॉर्डर पर बढ़ी सख्ती, कई वाहन लौटाए गए



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ते वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 1 नवंबर से वाहनों के प्रवेश को लेकर नए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। नए नियमों के तहत दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-6 मानक से नीचे के पेट्रोल और डीजल वाहनों को राजधानी में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह प्रतिबंध 1 नवंबर से 31 जनवरी तक लागू रहेगा। नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के विभिन्न बॉर्डर पॉइंट्स पर जांच अभियान तेज कर दिया गया है।

दिल्ली-हरियाणा सीमा पर आया नगर बॉर्डर, अफसरा बॉर्डर और सीमापुरी समेत कई प्रमुख प्रवेश मार्गों पर दिल्ली ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट की टीमें तैनात हैं। आया नगर बॉर्डर पर गुरुग्राम की ओर से दिल्ली आने वाले वाहनों की विशेष रूप से जांच की जा रही है। वाहनों की नंबर प्लेट और उनके उत्सर्जन मानकों की जांच के बाद ही उन्हें आगे जाने दिया जा रहा है। बीएस-6 से नीचे के मानकों वाले प्रतिबंधित वाहनों को बॉर्डर से ही वापस लौटाया जा रहा है।

आया नगर बॉर्डर पर फतेहपुर बेरी थाना पुलिस का स्थानीय स्टाफ और दिल्ली ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट की टीम संयुक्त रूप से जांच अभियान चला रही है। भारी वाहनों की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा, दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित बड़ी रैली को देखते हुए भी बॉर्डर पर सुरक्षा और निगरानी बढ़ाई गई है।

वहीं, बॉर्डर पर जांच के दौरान वापस लौटाए जा रहे वाहन चालकों का कहना है कि इस फैसले से रोजाना दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। उनका तर्क है कि राजधानी में प्रदूषण के लिए केवल वाहन जिम्मेदार नहीं हैं। निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, औद्योगिक गतिविधियां और अन्य प्रदूषणकारी स्रोत भी खराब हवा के लिए जिम्मेदार हैं।

बता दें कि दिल्ली सरकार ने प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए विंटर एक्शन प्लान 2026-27 लागू किया है। दिल्ली सीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रदूषण के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

नवंबर की शुरूआत में महंगाई का झटका

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 10 रुपए महंगा, एटीएफ 1.37 रुपए बढ़ी



नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर की शुरूआत के साथ ही कमर्शियल एलपीजी (एलपीजी) और विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। तेल विपणन कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 10 रुपए की बढ़ोतरी की है, जिसके बाद इसकी कीमत 2,810 रुपए से बढ़कर 2,820 रुपए हो गई है।

यह लगातार दूसरा महीना है जब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़ाए गए हैं। इससे पहले 1 अक्टूबर को इसकी कीमत में 62.50 रुपए प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई थी। वहीं सितंबर में भी 9.50 रुपए प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी हुई थी।

हालांकि इससे पहले जुलाई और अगस्त में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में क्रमशः 183.50 रुपए और 192 रुपए की बड़ी कटौती की गई थी। इसके बावजूद फरवरी से जून के बीच कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कुल 1,373 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी, जिससे कीमत 1,740.50 रुपए से बढ़कर रिकॉर्ड 3,113.50 रुपए प्रति सिलेंडर तक पहुंच गई थी।

संशोधित दरों के अनुसार, 5 किलोग्राम के फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर के नए कनेक्शन की कीमत 1,903 रुपए निर्धारित की गई है, जबकि इसके रिफिल की कीमत 782 रुपए रहेगी। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इसकी कीमत 942 रुपए प्रति सिलेंडर पर बरकरार रखी गई है। इसी तरह मई में बढ़ोतरी के बाद पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके साथ ही, विमानन क्षेत्र के लिए एक और झटका देते हुए एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। 1 नवंबर से एटीएफ की कीमत 1.37 रुपए प्रति लीटर बढ़कर 138.50 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जो पहले 137.12 रुपए प्रति लीटर थी।

दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक विकसित होगा आधुनिक कॉरिडोर : रेखा गुप्ता



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार राजधानी के नेताजी सुभाष मार्ग को नए स्वरूप में विकसित करने की योजना तैयार कर रही है। इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की इस पुनर्विकास परियोजना में दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक (करीब 3.3 किलोमीटर) आधुनिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। योजना में सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

मुख्यमंत्री व इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की चेयरमैन रेखा गुप्ता ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए यह मार्ग आवागमन के साधन के साथ-साथ दिल्ली के इतिहास, विरासत, स्थापत्य, संस्कृति और आधुनिक शहरी जीवन के बीच एक जीवंत सेतु के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली गेट से शुरू होकर कश्मीरी गेट तक जाएगा। सौंदर्यीकरण को सड़क की उपलब्ध चौड़ाई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहले हिस्से में कश्मीरी गेट से जीपीओ चौक तक रखा गया है। यह इस कॉरिडोर की सबसे व्यस्त सड़क है और इसकी चौड़ाई 12 से 24 मीटर है। दूसरे हिस्से में जीपीओ से ब्रिज मोहन चौक (जामा मस्जिद की ओर जाने वाला चौराहा) की सड़क को रखा गया है। इसकी औसत चौड़ाई 45 मीटर है। तीसरे हिस्से में ब्रिज मोहन चौक से दिल्ली गेट चौराहे की सड़क रखी गई है। इसकी औसत चौड़ाई 16.8 से 26 मीटर है।

इस कॉरिडोर के इन तीनों हिस्सों में सड़क की चौड़ाई व अन्य उपलब्धताओं को ध्यान में रखते हुए। यातायात के साथ पैदल और गैर-मोटर चालित परिवहन को भी पर्याप्त स्थान देने की व्यवस्था की गई है। इनमें फुटपाथ, बस लेन और मोटर वाहन लेन के अलावा पार्किंग व्यवस्था, पैदल प्लाजा, साइकिल ट्रैक आदि शामिल है। इसके अलावा इस सड़क के दोनों ओर आधुनिक शौचालयों का निर्माण होगा और बस स्टॉप्स को अपग्रेड किया जाएगा। इन व्यवस्थाओं का आधार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से मौजूदा स्ट्रीटस्केप परियोजना के लिए साझा किए गए डिजाइन दिशा-निर्देश शामिल हैं।

परियोजना की प्रमुख विशेषता नेताजी सुभाष मार्ग के आसपास मौजूद ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक महत्व के स्थलों को एक समग्र स्वरूप में विकसित करना है। इसके अंतर्गत लाल किला, जामा मस्जिद, सेंट जेम्स चर्च, कश्मीरी गेट का क्षेत्र, लालकिला से जुड़ा चांदनी चौक का चौराहा, सुभाष पार्क, हिंदी पार्क, आईजीटी यूनिवर्सिटी, अग्रसेन पार्क, सुनहरी मस्जिद जैसे प्रमुख स्थलों को कॉरिडोर की योजना में शामिल किया गया है।

साथ ही अग्रसेन पार्क, लोथियान कब्रिस्तान, पुराना रेलवे स्टेशन चौक, लाल किला ग्रीन पॉकेट, लाल किले का दशहरा मेला स्थल, चांदनी चौक-लालकिला चौक, सुनहरी मस्जिद बाग, सुभाष पार्क, ब्रिज मोहन चौक, दिल्ली गेट चौक, एकता स्थल और हिंदी पार्क सहित 12 प्रमुख स्थानों और हरित क्षेत्रों के एकीकरण का प्रस्ताव है। इससे मार्ग के आसपास उपलब्ध हरित स्थानों को बेहतर ढंग से विकसित करने और शहर के इस ऐतिहासिक हिस्से को अधिक आकर्षक बनाने की परिकल्पना की गई है।

योजना में दिल्ली गेट के आसपास के क्षेत्र को विशेष रूप से विकसित करने का प्रस्ताव है। यहां विरासत परिचय उद्यान (हेरिटेज इंटरप्रिटेशन पार्क) विकसित करने की परिकल्पना की गई है। यहां प्रतिमा, आकर्षक मंडप (पैवेलियन), हरित क्षेत्र, पैदल आवागमन और पार्किंग की व्यवस्था रखी गई है। पार्क के डिजाइन में हरियाली, सजावटी पौधों, वृक्षों और विरासत से जुड़े स्थापत्य तत्वों को प्रमुखता दी गई है। सुभाष मार्ग के सौंदर्यीकरण के प्रस्तावित सौंदर्यीकरण में सड़क के दोनों ओर पेड़-पौधे, फूलों की क्यारियां, हरित डिवाइडर और आकर्षक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके अलावा सजावटी दीवारें, बैठने के लिए व्यवस्थित स्थान तथा विरासत की पहचान दर्शाने वाले डिजाइन शामिल किए गए हैं।

एनसीआर समाचार,
साप्ताहिक समाचार पत्र में
विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
9210761111

एनसीआर समाचार पत्र
के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कथित गिरफ्तारी पर उठे सवाल, पुलिस से 24 घंटे में मांगा जवाब

2

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: दिल्ली में विरोध प्रदर्शन में शामिल होने गए मुरैना जिले के कांग्रेस कार्यकताओं की कथित गिरफ्तारी और मुरैना में कांग्रेस कार्यालय, निजी निवासों तथा रास्ते से कार्यकताओं को उठाए जाने की सूचनाओं को लेकर जिला पिछड़ा वर्ग कांग्रेस ने पुलिस प्रशासन से जवाब मांगा है। जिला अध्यक्ष राजेश राठौर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक के नाम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जानकारी देने और 24 घंटे के भीतर लिखित जवाब उपलब्ध कराने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से पूछा कि यदि कार्यकताओं को गिरफ्तार या



हिरासत में लिया गया है, तो किस कानूनी प्रावधान के तहत कार्रवाई की गई है। उनके विरुद्ध क्या आरोप हैं, उन्हें वर्तमान में किस थाने या स्थान पर रखा गया है और कार्रवाई किस अधिकारी के आदेश पर की गई है। साथ ही, प्रतिनिधिमंडल ने हिरासत के कारणों की जानकारी संबंधित व्यक्तियों और उनके परिजनों को दिए जाने के संबंध में भी स्पष्टीकरण मांगा।

जिला अध्यक्ष राजेश राठौर ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार की नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध करना नागरिकों के अधिकारों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पुलिस की वैधानिक कार्रवाई पर सवाल उठाना उद्देश्य नहीं है, बल्कि कार्रवाई के आधार, निर्धारित प्रक्रिया और पारदर्शिता की जानकारी प्राप्त करना जरूरी है। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि संबंधित कार्यकताओं की गिरफ्तारी या हिरासत की स्थिति स्पष्ट की जाए और उनके परिजनों को नियमानुसार सूचना दिए जाने की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा, कार्यकताओं को कानून के तहत उपलब्ध अधिकारों और अधिवक्ता से परामर्श की सुविधा सुनिश्चित करने की मांग भी की गई। प्रतिनिधिमंडल ने मुरैना में हुई कथित कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

ज्ञापन में पुलिस प्रशासन से 24 घंटे के भीतर सभी प्रमुख सवालों का लिखित जवाब देने की मांग की गई है। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर संवैधानिक और कानूनी उपाय अपनाए जाएंगे तथा मामले को लोकतांत्रिक तरीके से आगे उठाया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राजेश राठौर के साथ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष हिसाबीलाल प्रजापति, जिला महासचिव निरंजन राठौर, जिला मीडिया प्रभारी अजय प्रजापति और अनुसूचित जाति कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र खरे मौजूद रहे।

गंगोलीहाट के स्कूल में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

लिखित पंत

उत्तराखंड: सुरक्षित बचपन अभियानः गंगोलीहाट के गाइड लाइन पब्लिक स्कूल में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार, तहसील विधिक सेवा समिति गंगोलीहाट की ओर से आज दिनांक 30.10.2026 को 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत गाइड लाइन पब्लिक स्कूल, गंगोलीहाट में एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल जज रजनीश मोहन द्वारा की गई। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं श्रोताओं को सुरक्षित भविष्य, पोक्सो (POCSO) अधिनियम से संबंधित प्रावधानों तथा कक्षा नर्सरी से कक्षा 08 तक के बच्चों के लिए 'अपने अधिकार जानो' विषय पर



विस्तार से जानकारी दी। अभियान के मुख्य बिंदु।

शिविर में उपस्थित सभी लोगों को 'सुरक्षित बचपन अभियान' की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। तहसीलदार देवांश प्रताप, खण्ड शिक्षा अधिकारी नीरज अधिकारी, और प्रभारी निरीक्षक गंगोलीहाट नरेन्द्र पाठक ने बच्चों को उनके सुरक्षित भविष्य के प्रति महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम में इनकी रही उपस्थितिः इस अवसर पर अधिवक्ता बार संघ के सचिव मनोज सिंह रावल, अधिवक्ता कु. निशा, न्यायालय के पेशकार संजय कुमार पाठक, वरिष्ठ सहायक राजेन्द्र सिंह ऐर, आदेशिका वाहक प्रधुमन सिंह टोलिया, पी.आर.डी. जवान विनोद कुमार, तथा गाइड लाइन पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य/प्रबन्धक नितेश खाती, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित लगभग 120-150 स्कूली छात्र-छात्राएं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मक्का की फसल चोरी कराने में पुलिस की मिलीभगत का लगा आरोप, एसपी से की गई शिकायत

राजेश पाल

मध्य प्रदेश: बैतूल जिले की प्रभात पट्टन तहसील के हिवरखेड़ गांव में करीब एक लाख रुपये की मक्का की फसल चोरी होने का मामला सामने आया है। दो महिलाओं ने मासोद पुलिस चौकी प्रभारी दिनेश कुमरे और आरक्षक कमलेश डेहरिया पर आरोपियों से मिलीभगत कर फसल ले जाने में सहयोग करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिलाओं ने 27 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत दी और मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की। शिकायतकर्ता किसनीबाई (55), पत्नी लक्ष्मण नागले और लक्ष्मी नागले (33), पत्नी हेमंत हारोड़े, निवासी हिवरखेड़ के अनुसार, गांव में खसरा नंबर 150 की 0.809 हेक्टेयर कृषि भूमि उनके स्वामित्व और कब्जे में है। महिलाओं ने रमेश गव्हाड़े, उर्मिला गव्हाड़े, मीना गव्हाड़े और ऋषीकेश गव्हाड़े पर कथित फर्जी विक्रय पत्र के आधार पर जमीन पर कब्जा करने और खेत में लगी मक्का की फसल ले जाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

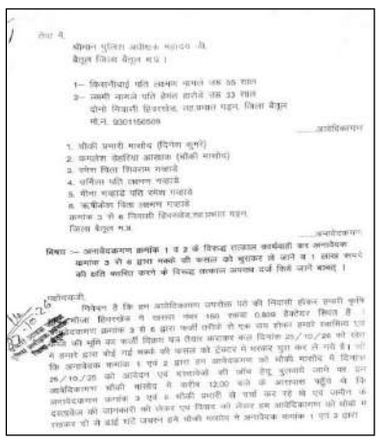

महिलाओं का आरोप है कि 25 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे आरक्षक कमलेश डेहरिया और चौकी प्रभारी दिनेश कुमरे ने दस्तावेजों की जांच के लिए उन्हें मासोद चौकी बुलाया था। वहां पहुंचने पर रमेश और ऋषीकेश गव्हाड़े पहले से मौजूद थे। शिकायत के मुताबिक, दोनों महिलाओं को करीब ढाई घंटे तक चौकी में बैठाए रखा गया। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि उनके खेत से मक्का की फसल निकाली जा रही है। महिलाओं के अनुसार, जब वे खेत पहुंचीं तो वहां दो ट्रैक्टर और एक जीप मौजूद थी। आरोप है कि मजदूरों की मदद से मक्का के भुट्टे वाहनों में भरे जा रहे थे। महिलाओं ने वाहनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वाहन फसल लेकर वहां से चले गए। शिकायतकताओं ने इससे करीब एक लाख रुपये का नुकसान होने की बात कही है।

पीड़ित महिलाओं ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद जब वे शिकायत दर्ज कराने मासोद चौकी पहुंचीं, तो उनकी शिकायत नहीं लिखी गई और उनके साथ डांट-फटकार की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आवेदन देकर चौकी प्रभारी, आरक्षक और चार अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। फिलहाल शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित पुलिसकर्मियों का पक्ष सामने आना बाकी है। मामले में निष्पक्ष जांच के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

विंध्याचल में टेंट हाउस से चार डीजे मशीनें चोरी, 2.60 लाख रुपये का नुकसान

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेश: जनपद मीरजापुर विंध्याचल थाना क्षेत्र के सेमरी गांव में छविनाथ टेंट हाउस से चार बड़ी डीजे मशीनें चोरी होने का मामला सामने आया है। टेंट हाउस संचालक रविंद्र कुमार बिंद के अनुसार, चोरी हुई मशीनों की कुल कीमत करीब 2 लाख 60 हजार रुपये है। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और मशीनों की बरामदगी की मांग की है।पीड़ित के मुताबिक, 19 अक्टूबर 2026 की रात सेमरी गांव स्थित दुर्गा पूजा पंडाल में डीजे मशीन खराब होने की सूचना मिली थी। इसके बाद राजकुमार बिंद, पुत्र गेंदालाल बिंद, और कैलाश बिंद पूजा पंडाल के लिए एक डीजे मशीन ले गए। इसके बाद रविंद्र कुमार अपने परिवार के

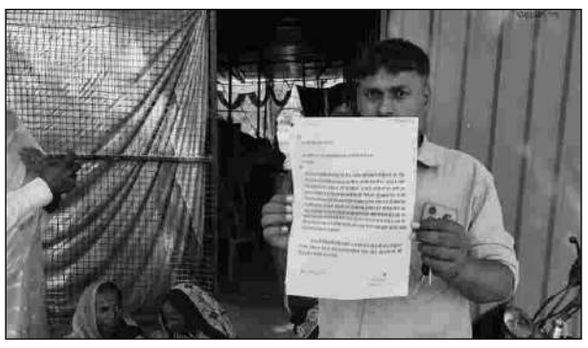

साथ घर में सो गए।पीड़ित का कहना है कि 20 अक्टूबर की सुबह जब वह सोकर उठे, तो कमांडर जीप पर लगी चार बड़ी डीजे मशीनें गायब मिलीं। उन्होंने घटनास्थल पर जूते के निशान और एक जूता मिलने की बात भी कही है। उनका संदेह है कि चोरी की वारदात को अंजाम देने से पहले सीसीटीवी कैमरे पर कपड़ा डाल दिया गया, जिससे घटना की रिकॉर्डिंग प्रभावित हुई। पीड़ित ने आशंका जताई कि घटना में आसपास के लोगों की भूमिका हो सकती है।

रेहान अली और राजकुमार समेत अन्य लोगों पर संदेह पीड़ित ने रेहान अली, राजकुमार बिंद समेत अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर पुलिस से जांच और कानूनी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, मामले में आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस शिकायत मिलने के बाद क्षेत्रीय दरोगा राघवेंद्र राय मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस की ओर से मामले में उचित कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है। अब जांच के आधार पर चोरी की घटना का खुलासा होने और गायब डीजे मशीनों की बरामदगी की उम्मीद जताई जा रही है।टेंट हाउस संचालक के लिए डीजे मशीनें आजीविका का प्रमुख साधन हैं। ऐसे में चार मशीनों के गायब होने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। फिलहाल मामले में पुलिस जांच और आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कैच-अप कराओ, निपुण बनाओ' अभियान के तहत 11 प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण, कमियां मिलने पर होगी कार्रवाई

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: विकासखंड भदौरा एवं रेवतीपुर स्थित प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण एसडीएम प्रशिक्षु श्रीमती सुषमा यादव एवं NIPUN Cell के सदस्यों द्वारा 'कैच-अप कराओ, निपुण बनाओ' अभियान के अंतर्गत किया गया। अभियान के दूसरे दिन कुल 11 प्राथमिक विद्यालयों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर, पठन-पाठन की गुणवत्ता तथा विद्यालयों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। विद्यार्थियों की अधिगम क्षमता का आकलन करते हुए उनके बुनियादी भाषा एवं गणितीय कौशल की स्थिति का परीक्षण किया गया तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस दौरान



संबंधित शिक्षकों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए विद्यार्थियों के बुनियादी भाषा एवं गणितीय कौशल को सुदृढ़ करने, शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने तथा निर्धारित अधिगम लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिन विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षण कार्य अथवा विद्यालयीय व्यवस्थाओं में गंभीर कमियाँ पाई गई हैं, वहाँ कमियों की प्रकृति एवं उत्तरदायित्व के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, संबंधित विद्यालयों में सुधार सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में अपेक्षित प्रगति लाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निरीक्षण का उद्देश्य विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करना तथा 'निपुण भारत मिशन' के लक्ष्यों के अनुरूप प्रत्येक विद्यार्थी के बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान के स्तर में सुधार लाना है। अभियान के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं विद्यार्थियों को निर्धारित निपुण लक्ष्यों तक पहुँचाने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं।

रघुनाथपुर में यूनियन बैंक ने लगाया जागरूकता शिविर, ग्रामीणों को बैंकिंग और सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः ग्राम पंचायत छावनी लाइन के गांव रघुनाथपुर जनपद गाजीपुर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के तत्वावधान में वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधाओं, बीमा योजनाओं एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्र प्रमुख (पश्चिमी क्षेत्र विनय शंकर, अग्रणी जिला प्रबंधक राजदेव कुमार, आरएलपी से रितेश, आरसेटी निदेशक संजय सिंह एवं एमएलपी हेड कमल, विजलेंस हेड रितेश की उपस्थिति रही। शिविर में ग्रामीण महिलाओं एवं



अन्य उपस्थित लोगों को वित्तीय समावेशन के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

इस दौरान बैंक खाते, बचत, ऋण सुविधा, सामाजिक सुरक्षा बीमा योजनाओं तथा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ने और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि वित्तीय समावेशन का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं से जोड़ना है, ताकि ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के लोग भी सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इस प्रकार के अभियान से लोगों में वित्तीय साक्षरता बढ़ेगी तथा वे बचत, बीमा और अन्य वित्तीय सुविधाओं के प्रति जागरूक होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में वित्तीय जागरूकता बढ़ाने तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं से आच्छादित करने का संदेश दिया गया।

गंगोलीहाट में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत जागरूकता शिविर आयोजित, बच्चों को बताए कानूनी अधिकार

लिखित पंत

उत्तराखंड: राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार, तहसील विधिक सेवा समिति गंगोलीहाट की ओर से विवेकानंद इण्टर कॉलेज, गंगोलीहाट में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के चतुर्थ दिवस के अवसर पर एक भव्य विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल जज रजनीश मोहन ने की। पॉक्सो अधिनियम और अधिकारों पर विशेष जोर

शिविर के दौरान सिविल जज रजनीश मोहन ने छात्र-छात्राओं और उपस्थित लोगों को सुरक्षित भविष्य तथा पॉक्सो (ढडउरड) अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बच्चों के बौद्धिक विकास और जागरूकता को ध्यान में रखते हुए, कक्षा 06 से 08 तक के विद्यार्थियों के लिए "अपने अधिकार जानो" तथा कक्षा 09 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए "कानून को जानो, अपने भविष्य को सुरक्षित बनाओ" विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

यातायात नियमों की दी गई जानकारी



कार्यक्रम में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाया गया। इस दौरान गंगोलीहाट के प्रभारी निरीक्षक अखिल सिददकी ने स्कूली बच्चों को यातायात नियमों (ट्रैफिक रूल्स) की बारीकियों से अवगत कराया और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इनकी रही विशेष उपस्थिति

कार्यक्रम में बार संघ के सचिव एवं अधिवक्ता मनोज सिंह रावल, अधिवक्ता कु० निशा, न्यायालय के पेशकार संजय कुमार पाठक, वरिष्ठ सहायक राजेन्द्र सिंह ऐर, कोर्ट मोहरिर मनोज कुमार भट्ट, और पी०आर०डी० जवान विनोद कुमार ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इसके अलावा विवेकानंद इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, लगभग 250 से 300 छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण व संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे।

हिवरखेड़ में विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने किया विकास कार्यों का भूमिपूजन, स्कूल और अस्पताल का भी किया निरीक्षण

राजेश पाल

मध्य प्रदेश: ग्राम हिवरखेड में विधायक श्री चंद्रशेखर देशमुख जी द्वारा रामपुर नगर कॉलोनी में पाँच लाख की लागत " "का सांस्कृतिक मंच एवं जनपद निधि से तीन लाख दस हजार की लागत से बाउंड्री-फेंसिंग कार्य का भूमिपूजन " "किया गया। साथ ही शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षिक व्यवस्थाओं का जायजा " "भी लिया। शाला में विधायक निधि से निर्मित लाइब्रेरी का अवलोकन कर शिक्षकों को सुचारू क्रियान्वयन हेतु " "निर्देशित भी किया गया। मध्याह्न भोजन के साथ ही शाला परिसर की स्वच्छता व वृक्षारोपण कार्य पर भी संतोष " "प्रकट किया। शासकीय आयुर्वेदिक हॉस्पिटल का दौरा कर डॉ. प्रगति पंडोल से भी जानकारी लेते हुए जरूरी स्टाफ " "की पदस्थापना हेतु आश्वस्त किया गया।

अपने संबोधन में विधायक महोदय द्वारा ग्रामवासियों को एकता, अखंडता एवं सामाजिक समरसता के साथ विकास " "के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे विकास-



कार्यों की " "सराहना करते हुए हाल ही में ग्राम पंचायत हिवरखेड को टी.बी. मुक्त पंचायत का गोल्ड मेडल व प्रशस्ति पत्र " "प्राप्त करने पर बधाई भी दी।

उन्होंने पंचायत द्वारा किए गए जल संरक्षण व बोरी बंधानों का भी अवलोकन किया " "एवं 45 लाख से बन रहे विशाल मंगल भवन के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर सरपंच " "विश्वनाथ घोटे, जन. सद. प्रकाश पाल, पंच उर्मिला सूर्यवंशी, कविता मगरदे, आशा वागदरे , भोजू कुमार, " "सुभाष गीद , राजेश पाल प्रफुल पाल भगवान पंडाग्रे, पुरुषोत्तम देशमुख, दीनू मरागे, गुलाबराव घोटे, केशवराव घोटे, पांडू वागदरे , " भगवान कुंभार, महादेवगायकवाड़ , रामेश्वर मगरदे सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार सुनील गुप्ता को पुलिस ने वापस कराए 1.09 लाख रुपये, खाते से उड़ाए गए थे 3.98 लाख रुपये

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः साइबर ठगी के शिकार मेंहदावल निवासी सुनील कुमार गुप्ता को पुलिस की पहल से राहत मिली है। मेंहदावल पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने तकनीकी जांच और संबंधित बैंक से समन्वय कर पीड़ित के खाते में 1,09,555.76 रुपये वापस कराए हैं। पीड़ित के मोबाइल को हैक कर अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैंक खाते से करीब 3.98 लाख रुपये की धोखाधड़ी की थी। रकम का एक हिस्सा वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस के अनुसार, मेंहदावल निवासी सुनील कुमार गुप्ता पुत्र रामदेव प्रसाद का मोबाइल फोन हैक कर अज्ञात व्यक्ति ने उनके बैंक खाते से



3,98,000 रुपये निकाल लिए थे। घटना की जानकारी होने पर पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत संख्या 33106260127934 के आधार पर मेंहदावल पुलिस की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने मामले में कार्रवाई शुरू की।

बैंक से संपर्क कर धनराशि कराई होल्ड पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में साइबर हेल्प डेस्क टीम ने मामले की जांच की। टीम में शामिल आरक्षी संदीप कुमार गौतम, सौरभ कुमार और अमित कुमार ने संबंधित बैंक से संपर्क कर तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से ठगी की धनराशि में से उपलब्ध रकम को होल्ड कराया। इसके बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर 1,09,555.76 रुपये पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराए गए। 3.98 लाख की ठगी में आंशिक रकम वापस पीड़ित के खाते से कुल 3,98,000 रुपये की धोखाधड़ी हुई थी, जबकि पुलिस की कार्रवाई के बाद 1,09,555.76 रुपये वापस कराए जा सके। इस तरह पीड़ित को ठगी की रकम का एक हिस्सा वापस मिला है। अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा वापस मिलने पर सुनील कुमार गुप्ता ने पुलिस प्रशासन और साइबर हेल्प डेस्क टीम के प्रति आभार जताया।

साइबर ठगी होने पर तुरंत करें शिकायत पुलिस ने आमजन से अपील की है कि साइबर ठगी का शिकार होने पर बिना देरी किए राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। इसके अलावा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी शिकायत की जा सकती है। पुलिस ने लोगों को अनजान व्यक्तियों के साथ ओटीपी, यूपीआई पिन, एटीएम पिन और सीवीवी साझा न करने की सलाह दी है। साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने और अनजान स्रोत से आए ऐप डाउनलोड करने से बचने की अपील की है।

क्षतिग्रस्त नाली और सड़क किनारे लगी डीपी से हादसे का खतरा, राहगीर परेशान

तारिक अली



मध्य प्रदेशः नगर के वार्ड 11 में हजारी मोहल्ला-काजीपाठा चिरगांव चुंगी संपर्क मार्ग पर डीपी के पास नाली क्षतिग्रस्त है। यहां नाली का जो सुरक्षित हिस्सा है वह डीपी के नजदीक का है। ऐसे में यहां बाइक सवार और पैदल चलने वालों के लिए साइड से महज दो से ढाई फीट का ही रास्ता सुरक्षित बचता है और उस पर भी इसी साइड डीपी लगी है। ऐसे में मुख्य रूप से बाइक सवार लोगों का कहना है कि यहां स्थिति यह है कि सावधानी हटी और दुर्घटना घटी। वहीं, चार पहिया वाहनों को भी यहां से निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।

डीपी से हो सकता है कभी भी हादसा यहां टूटी नाली के पास लगी डीपी फिलहाल वर्तमान स्थिति को देखते हुए कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। खासकर रात में। क्योंकि रात में यहां अंधेरा पसरा रहता है। ऐसे में लोगों की मांग है कि यदि नाली सुधर भी जाती है तो भी डीपी को सड़क तरफ से सुरक्षित किया जाना आवश्यक है।

जोटई रोड बाईपास चौराहे पर नगर पालिका ने लगवाए प्लास्टिक के गति अवरोधक

अजय सिंह तोमर



मध्य प्रदेशः नगर पालिका द्वारा सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जोटई रोड स्थित बाईपास चौराहे के चारों मार्गों पर प्लास्टिक के गति अवरोधक लगवाए गए हैं। इन गति अवरोधकों को लगाने का मुख्य उद्देश्य तेज रफ्तार से चलने वाले वाहनों की गति को नियंत्रित करना और संभावित सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है। जोटई रोड बाईपास चौराहे पर अक्सर वाहन तेज गति से गुजरते हैं, जिससे दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इसी समस्या को देखते हुए नगर पालिका ने सुरक्षा की दिशा में यह कदम उठाया है।

गति अवरोधक लगने से वाहन चालकों को चौराहे पर अपनी रफ्तार कम करनी होगी, जिससे राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा में मदद मिलेगी। नगर पालिका की इस पहल से स्थानीय लोगों में संतोष है। चौराहे पर गति अवरोधक लगाए जाने से लोगों ने राहत महसूस करते हुए नगर पालिका के इस कदम की सराहना की और आभार व्यक्त किया। नगर पालिका की इस पहल को शहर में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

25 जनवरी से 28 फरवरी तक होगी आबादी की गिनती, चुनावी और बफीर्ले राज्यों को मिलेगी छूट

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेशः देश में लंबे समय से इंतजार की जा रही जनगणना को लेकर सरकार ने तारीखों का ऐलान कर दिया है। भारत में जनगणना 2027 की प्रक्रिया 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक कराई जाएगी। इस दौरान देशभर में आबादी की गिनती की जाएगी, लेकिन चुनाव वालेऔर बर्फ से प्रभावित राज्यों को इस प्रक्रिया से छूट दी गई है।

जनगणना किसी भी देश के लिए बेहद अहम प्रक्रिया होती है, क्योंकि इससे यह पता चलता है कि देश में कितने लोग रहते हैं और आबादी का स्वरूप कैसा है। भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। इसके बाद 2021 में प्रस्तावित जनगणना कोरोना महामारी के कारण टाल दी गई थी। जनगणना 2027 का आयोजन 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तब किया जाएगा। इस दौरान देश के अलग-अलग



हिस्सों में आबादी की गणना की जाएगी। हालांकि, इस प्रक्रिया में बर्फ से प्रभावित और चुनाव वाले राज्यों को शामिल नहीं किया जाएगा। ऐसे राज्यों को जनगणना की तय अवधि से छूट दी गई है।इसका मतलब है कि इन राज्यों में सामान्य कार्यक्रम के तहत इसी समय जनगणना नहीं कराई जाएगी। हालांकि, दिए गए कार्यक्रम में छूट प्राप्त राज्यों के लिए अलग तारीखों का उल्लेख नहीं किया गया है।

भारत में आखिरी जनगणना वर्ष 2011 में कराई गई थी। उस समय यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी हुई थी। इसके बाद सरकार ने 2021 में भी जनगणना कराने की योजना बनाई थी। इसके लिए भी दो चरण तय किए गए थे। पहले चरण अप्रैल से सितंबर 2020 के बीच होना था, जब कोई दूसरा चरण फरवरी 2021 में प्रस्तावित था। पहले चरण के लिए तैयारी पूरी कर ली गई थीं। कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 1 अप्रैल 2020 से जमीनी स्तर पर काम शुरू होना था। लेकिन इसी दौरान देशभर में कोरोना महामारी फैल गई। महामारी के कारण जनगणना का काम टालना पड़ा। इसके बाद देश में नई जनगणना नहीं हो सकी। जनगणना 2027 इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत में पिछली बार आबादी की गिनती 2011 में हुई थी। इसके बाद 2021 में होने वाली प्रक्रिया कोरोना महामारी के कारण पूरी नहीं हो सकी। ऐसे में नई जनगणना से देश की आबादी से जुड़ी जानकारी सामने आने का रास्ता खुलेगा।

सरकार को इन आंकड़ों से देश की आबादी की स्थिति समझने और भविष्य की योजनाओं के लिए आधार तैयार करने में मदद मिलेगी। फिलहाल घोषित कार्यक्रम के अनुसार, जनगणना 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी। चुनावी और बर्फ से प्रभावित राज्यों को इससे छूट दी गई है। हालांकि इन राज्यों में जनगणना की अलग तारीखों और पूरी प्रक्रिया को लेकर अभी भी दी गई जानकारी में कोई विस्तृत विवरण नहीं है।

गैस सिलेंडर में रिसाव से झोपड़ी में लगी आग, गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख

राजपूत रणजीत



उत्तर प्रदेशः देवरिया के बनकटा क्षेत्र के सोहनपुर गांव स्थित ताड़ी टोला में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर से रिसाव होने के कारण एक झोपड़ी में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरी झोपड़ी उसकी चपेट में आ गई। इस हादसे में परिवार का अनाज, कपड़े, बिस्तर, चौकी और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया। घर में रखी नकदी भी आग की भेंट चढ़ गई। जानकारी के अनुसार, इंद्रिश नट की बहन बुधवार सुबह गैस चूल्हे पर खाना बना रही थीं। इसी दौरान सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ और झोपड़ी में आग लग गई। आग की लपटें देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और पीआरवी टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक झोपड़ी और उसमें रखा गृहस्थी का सामान जल चुका था। हादसे के बाद कुछ लोगों ने पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद भी की। घटना के बाद परिवार के सामने घरेलू सामान और जरूरी चीजों की व्यवस्था करने की चुनौती खड़ी हो गई है।

एसपी ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की समस्याएं, शिकायतों के त्वरित और निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः आमजन की समस्याओं के समाधान और फरियादियों को पुलिस से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के लिए पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर ने जनसुनवाई की। इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने अपनी समस्याएं और शिकायतें पुलिस अधीक्षक के सामने रखीं। एसपी ने एक-एक कर उनकी बातें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने शिकायतों की प्रकृति के अनुसार संबंधित थाना और विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक देरी



नहीं होनी चाहिए। प्रत्येक मामले में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ितों को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

हर शिकायत पर गंभीरता से हो कार्रवाई एसपी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। शिकायतकर्ता की बात ध्यानपूर्वक सुनने के बाद मामले की वास्तविक स्थिति की जांच की जाए। किसी भी शिकायत को हल्के में न लिया जाए और न ही केवल कागजी कार्रवाई पूरी कर निस्तारण की औपचारिकता की जाए। शिकायत का समाधान ऐसा हो, जिससे फरियादी को वास्तविक राहत मिल सके। निष्पक्ष जांच और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में निष्पक्षता और पारदर्शिता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। दोनों पक्षों की बात और उपलब्ध साक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। जिन मामलों में मौके पर जांच की आवश्यकता है, उनमें संबंधित अधिकारी स्वयं स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने निर्देश दिया कि किसी भी व्यक्ति के साथ पक्षपात न हो और कानून के अनुसार सभी की शिकायतों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए।

समयबद्ध कार्रवाई से फरियादियों को मिले राहत एसपी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फरियादियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। शिकायत मिलने के बाद संबंधित अधिकारी उसकी प्रगति पर नजर रखें और यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित समय में प्रभावी कार्रवाई हो। पुलिस का प्रयास होना चाहिए कि पीड़ितों को समय पर न्याय मिले और आमजन की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर उचित समाधान हो सके।

जनसुनवाई को प्रभावी बनाने पर जोर जनसुनवाई पुलिस और आमजन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसके जरिए लोग सीधे अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रख सकते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाएं और पीड़ितों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें। शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता नहीं होनी चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने दोहराया कि जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है।

भांडेर में खुले नाले में गिरी गाय, गौसेवकों और नगर परिषद कर्मचारियों ने सुरक्षित निकाला

तारिक अली



मध्य प्रदेशः भांडेर नगर के पटेल चौराहा स्थित एसबीआई एटीएम के सामने बुधवार दोपहर करीब दो बजे एक गाय संकरे नाले में गिरकर फंस गई। गाय को नाले में फंसा देखकर आसपास मौजूद लोगों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद गौसेवकों और नगर परिषद भांडेर के कर्मचारियों ने संयुक्त प्रयास कर कड़ी मशक्कत के बाद गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने खुले नाले की समस्या को लेकर चिंता जताई।

लोगों के अनुसार, नाले के एक तरफ बाजार की ओर जाने वाला रास्ता है, जबकि दूसरी तरफ खानपान के काउंटर लगे हुए हैं। इस मार्ग से दिनभर बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। नाला खुला और संकरा होने के कारण यहां दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे पहले भी कई बार राहगीर और बाइक सवार फिसलकर नाले में गिर चुके हैं, जिससे लोगों को चोटें भी आई हैं। इसके बावजूद नाले को ढकने की समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। लोगों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि पटेल चौराहे पर स्थित इस खुले नाले को जल्द से जल्द कवर्ड कराया जाए, ताकि राहगीरों और वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचाया जा सके। बैंक, बाजार और चौपाटी के कारण इस क्षेत्र में लोगों की आवाजाही अधिक रहती है। ऐसे में नाले को ढकना जरूरी बताया जा रहा है।

मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने के नाम पर 4 लाख रुपये की ठगी का आरोप, कोर्ट के आदेश पर FIR दर्ज

राजपूत रणजीत



उत्तर प्रदेशः देवरिया में मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 4 लाख 1 हजार 500 रुपये लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर अदालत के आदेश के बाद सदर कोतवाली पुलिस ने भुजौली कॉलोनी निवासी पियूष शर्मा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायतकर्ता कपूर चंद्र मद्धेशिया के अनुसार, मार्च 2024 में उनकी मुलाकात पियूष शर्मा से हुई थी। आरोप है कि पियूष ने उनके भाई अभिषेक को मर्चेंट नेवी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया और नियुक्ति से जुड़े कुछ दस्तावेज भी दिखाए।

पीड़ित का आरोप है कि 19 मार्च से 3 सितंबर 2024 के बीच ऑनलाइन और बैंक खाते के माध्यम से 2 लाख 61 हजार 500 रुपये भेजे गए, जबकि 1 लाख 40 हजार रुपये नकद दिए गए। इस तरह कुल 4 लाख 1 हजार 500 रुपये देने के बावजूद नौकरी नहीं मिली। शिकायतकर्ता के मुताबिक, पैसे वापस करने के लिए दिसंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच सुलहनामा भी लिखा गया था, लेकिन कथित तौर पर रकम वापस नहीं की गई। पीड़ित ने पैसे मांगने पर धमकी देने का आरोप भी लगाया है। पुलिस ने अदालत के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, आरोपी पर लगाए गए आरोपों की जांच जारी है।

विजयपुर में महिला से दिनदहाड़े 18 हजार रुपये की छिनैती, अपाचे सवार नकाबपोश बदमाश फरार

सूरज मौर्य



उत्तर प्रदेशः विंध्याचल थाना क्षेत्र के विजयपुर अंतर्गत बनका में मंगलवार को दिनदहाड़े छिनैती की वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रही एक महिला से कथित तौर पर नकाबपोश बाइक सवार बदमाश 18 हजार रुपये छीनकर फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बैंक से रुपये निकालकर घर लौट रही थीं महिला मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता रमरज्जी देवी पत्नी इंद्रमणि बिंद, निवासी पियरी भीट, विजयपुर स्थित इंडियन बैंक से 18 हजार रुपये निकालकर टोटो से अपने घर जा रही थीं। इसी दौरान मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे बनका के पास अपाचे बाइक सवार दो नकाबपोश अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर उनसे रुपये छीन लिए और मौके से फरार हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस, सीसीटीवी फुटेज की जांच घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही विंध्याचल पुलिस मामले की जांच में जुट गई। बदमाशों की पहचान करने के लिए घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस आरोपियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

दिनदहाड़े वारदात से सुरक्षा पर सवाल दिनदहाड़े हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। बैंक से रुपये निकालकर लौटने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक कब पहुंचती है। फिलहाल मामले में पुलिस की जांच जारी है। बदमाशों की पहचान और गिरफ्तारी के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार है।

मुख्यमंत्री ने नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का किया उद्घाटन



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के हैदरपुर स्थित नेहरू कैंप में दो शिशु वाटिकाओं का उद्घाटन किया। यहां बच्चों के लिए झूले, टहलने के लिए फुटपाथ और बैठने के लिए बेंच जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हिए कहा कि वर्षों से मूलभूत सुविधाओं से वंचित रही बस्तियों तक विकास और जनसुविधाएं पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। हर मोहल्ले में सकारात्मक बदलाव आए और हर परिवार को बेहतर जीवन का अवसर मिले, यही सरकार का प्रयास है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने आज पीतमपुरा स्थित जीपी सेवा बस्ती में जन सुविधा परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर में स्वच्छ शौचालय एवं स्नानगृह की सुविधा से स्थानीय निवासियों को सहूलियत मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर निगम पार्षद अनिल नागपाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास कार्यों का किया उद्घाटन



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शुभारंभ किया। उन्होंने हैदरपुर के नेहरू कैंप में दो नवनिर्मित शिशु वाटिकाओं, पीतमपुरा की जीपी ब्लॉक की सेवा बस्ती में नवनिर्मित जन सुविधा परिसर और शालीमार बाग स्थित एओ ब्लॉक की सेवा बस्ती में नवीनीकृत जन सुविधा परिसर का उद्घाटन किया।

इसके साथ ही उन्होंने कस्तूरबा गांधी पॉलिटेक्निक, पीतमपुरा में अर्पण केंद्र का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने नेहरू कैंप स्थित दो शिशु वाटिकाओं उद्घाटन करते हुए कहा कि इन दोनों वाटिकाओं में मिट्टी भराई, घास एवं पौधारोपण, फुटपाथ निर्माण, बच्चों के लिए झूले, नए बेंच, ग्रिल और गेट पर पेंटिंग, पौधों की सिंचाई के लिए बोरवेल तथा बेहतर लाइट व्यवस्था जैसे कार्य किए गए हैं। इन वाटिकाओं के विकसित होने से क्षेत्र के बच्चों को खेलने-कूदने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध होगा।

दिल्ली में सुबह की ठंड बढ़ी, न्यूनतम तापमान लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज की गई तथा दिन की शुरूआत में शहर के कुछ इलाकों में हल्का कोहरा छाया रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ दिनों तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक और एक दिन पहले के मुकाबले एक डिग्री कम था। अन्य मौसम केंद्रों पर भी न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पालम में न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1.5 डिग्री कम और एक दिन पहले के मुकाबले 0.1 डिग्री कम था। लोधी रोड में न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री और आया नगर में 16.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन की शुरूआत में कहीं भी खास बारिश दर्ज नहीं की गई। हालांकि, शहर के कुछ इलाकों में हल्का कोहरा छाया रहा। आईएमडी के अनुसार, सफदरजंग में सुबह करीब साढ़े छह बजे हल्का कोहरा दर्ज किया गया और दृश्यता 500 मीटर रही। इसी दौरान पालम में दृश्यता 800 मीटर दर्ज की गई। आईएमडी के वर्गीकरण के अनुसार, 500 से 999 मीटर तक की दृश्यता को हल्का कोहरा, 200 से 499 मीटर तक को मध्यम कोहरा, 50 से 199 मीटर तक को घना कोहरा और 50 मीटर से कम दृश्यता को बहुत घना कोहरा माना जाता है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, ह्लअगले कुछ दिनों तक आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है। विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार, अधिकतम तापमान 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, शनिवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) संतोषजनक श्रेणी में रहा। सुबह नौ बजे एक्यूआई 95 दर्ज किया गया, जबकि शुक्रवार शाम चार बजे 24 घंटे का औसत एक्यूआई 60 रहा था, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 तक का एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 तक संतोषजनक, 101 से 200 तक मध्यम, 201 से 300 तक खराब, 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 तक गंभीर माना जाता है।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को सशक्त बनाने पर विजेंद्र गुप्ता ने दिया जोर



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आंगनवाड़ी को सशक्त बनाने की शुरूआत जमीनी स्तर पर कार्यरत महिलाओं को सशक्त करने से होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उन परिवारों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनके लिए ये योजनाएं बनाई गई हैं।

उनके योगदान को केवल शब्दों में स्वीकार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसा सार्थक सहयोग प्रदान करना आवश्यक है, जिससे उनकी दैनिक जिम्मेदारियां आसान हो सकें। यह बातें विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी के सेक्टर-8 स्थित अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही। यह कार्यक्रम 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकताओं को उनके क्षेत्रीय कार्यों एवं दैनिक जिम्मेदारियों को सुगम बनाने के लिए बैग और आवश्यक किट वितरित की गईं। 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, प्रारंभिक बाल विकास और परिवार कल्याण के सामुदायिक केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने समाज के सबसे कमजोर वर्गों तक आवश्यक पोषण एवं कल्याणकारी सेवाएं पहुंचाने में आंगनवाड़ी कार्यकताओं की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ये अग्रिम पंक्ति की कार्यकर्ता गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और पोषण संबंधी सहायता की आवश्यकता वाले परिवारों के लिए संपर्क का पहला माध्यम होती हैं। उन्होंने कहा कि फील्ड किट वितरण का उद्देश्य विशेष रूप से घर-घर जाकर किए जाने वाले संपर्क, सामुदायिक पहुंच और जागरूकता अभियानों सहित उनके दैनिक कार्यों को सुगम बनाना तथा सेवाओं को अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की उनकी क्षमता को सुदृढ़ करना है।

एक नजर

डॉ. निखिल टंडन छह महीने और संभालेंगे एम्स निदेशक की जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के निदेशक पद पर डॉ. निखिल टंडन छह महीने और बने रहेंगे। केंद्र सरकार ने उनका कार्यकाल 26 अप्रैल 2027 तक बढ़ा दिया है। नियमित नियुक्ति होने तक वह निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभालेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, डॉ. टंडन एम्स के एंडोक्राइनोलॉजी एवं मेटाबॉलिज्म विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख हैं। नियमित नियुक्ति के लिए मंजूरी लेने का प्रस्ताव कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजा गया है। पूर्णकालिक निदेशक पद के लिए आवेदन मांगे जा चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, 60 से अधिक उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की है। अंतिम नियुक्ति कैबिनेट की नियुक्ति समिति करेगी। नियमित निदेशक की नियुक्ति या सरकार के नए आदेश से उनका कार्यकाल पहले भी समाप्त हो सकता है। इस बीच, एम्स में फैकल्टी के रिक्त पद चिंता का विषय बने हुए हैं। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए 265 विज्ञापित पदों के मुकाबले 214 उम्मीदवारों का चयन हुआ है। संस्थान में 1,313 स्वीकृत फैकल्टी पदों में से 436 अब भी खाली हैं।

सुप्रीम कोर्ट प्रशासन से वाहनों पर प्रतिबंध मामले में हस्तक्षेप की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट प्रशासन से आग्रह किया कि वह दिल्ली में 1 नवंबर से बीएस-6 उत्सर्जन मानकों को पूरा न करने वाले वाहनों पर लगाई गई पाबंदियों के मामले में हस्तक्षेप करे। बार एसोसिएशन ने बताया कि इन प्रस्तावित पाबंदियों के कारण वकीलों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले कई वकील नोएडा और गाजियाबाद, तथा गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे पड़ोसी इलाकों से रोजाना सफर करके आते हैं। सुप्रीम कोर्ट के महासचिव को भेजे गए एक पत्र में, एससीबीए ने कहा कि इन पाबंदियों से वकीलों को भारी परेशानी होगी, जिससे न्याय प्रक्रिया के सुचारू संचालन में बाधा आ सकती है। पत्र में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस मामले में हस्तक्षेप करें। बार एसोसिएशन ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले आदेशों में, कुछ शर्तों के साथ, पुराने उत्सर्जन मानकों वाले वाहनों के इस्तेमाल की अनुमति दी थी।

दिल्ली पुलिस के साथ मुठभेड़ में हाशिम बाबा गिरोह का संदिग्ध शूटर घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के साथ शुक्रवार को दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में यूईआर-2 राजमार्ग के पास हुई मुठभेड़ में हाशिम बाबा गिरोह का एक संदिग्ध शूटर घायल हो गया। वह एक नाबालिग की हत्या समेत हत्या के दो मामलों में वांछित था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ उस समय हुई जब पुलिस ने आरोपी शिवम को रोकने की कोशिश की। वह कथित तौर पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस के अनुसार, रुकने के लिए कहे जाने पर शिवम ने पुलिस टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की। मुठभेड़ के दौरान दोनों पक्षों के बीच करीब सात गोलियां चलीं। पुलिस ने बताया कि शिवम के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और कारतूस बरामद किए गए हैं। शिवम डाबड़ी थाने में दर्ज हत्या के दो मामलों में वांछित था। इनमें एक मामला नाबालिग की हत्या से संबंधित है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अब अन्य आपराधिक गतिविधियों में उसकी कथित संलिप्तता की जांच कर रही है।

मंगोलपुरी आग: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार रात आग लगने से चार लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि राहत एवं बचाव कार्यों में कई एजेंसियां जुटी हुई हैं। गुप्ता ने इसके साथ ही प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पुलिस के अनुसार, आग लगने की घटना के बाद फैक्टरी से छह लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकालकर संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा, 'मंगोलपुरी में आग लगने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में लोगों की जान जाने की खबर बेहद दुखद और पीड़ादायक है। सभी संबंधित एजेंसियां राहत एवं बचाव कार्यों में जुटी हुई हैं।' उन्होंने बताया कि अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने, प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली की अदालत ने मानहानि मामले में यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ नए जमानती वारंट जारी किए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने 2018 के मानहानि मामले में यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ शनिवार को नए जमानती वारंट जारी किए। न्यायिक मजिस्ट्रेट राहुल जैन ने विकास सांकृत्यायन उर्फ विकास पांडेय की ओर से दायर मामले में राठी के खिलाफ नए वारंट जारी किए। पांडेय ने आरोप लगाया है कि राठी ने अपने चैनल पर एक वीडियो अपलोड कर उनकी मानहानि की थी। अदालत के विस्तृत आदेश की प्रतीक्षा है। अदालत ने 17 अक्टूबर को राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए थे। इससे पहले, नोटिस तामील कराने गए व्यक्ति ने बताया था कि राठी के घर पर ताला लगा हुआ था। अदालत ने हरियाणा के गुरुग्राम स्थित राठी के पते पर नए समन भी जारी किए थे। पांडेय की ओर से पेश हुए अधिवक्ता समक्ष शर्मा ने अदालत को बताया था कि राठी आमतौर पर ऑस्ट्रिया में रहते हैं और दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए भारत आए थे।

एकता दिवस पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन, युवाओं ने दिया एकता और नशामुक्ति का संदेश



नई दिल्ली, एजेंसी। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को डीएवी पब्लिक स्कूल वसंत कुंज नई दिल्ली में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। नशामुक्त युवा, विकसित भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित इस एकता दौड़ में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सामाजिक सद्भाव, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज का संदेश दिया गया। इस अवसर पर दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि यह दौड़ लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की एकता, अखंडता और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित किया। यह केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक संदेश और प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल एक ऐसे आदर्श व्यक्तित्व हैं, जो हमें देश की एकता और अखंडता के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। यही कारण है कि इस दौड़ का विशेष महत्व है। मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का अखंड भारत का संकल्प आज भी प्रत्येक पीढ़ी को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देता है। युवा पीढ़ी की ऊर्जा, अनुशासन और सकारात्मक सहभागिता एक सशक्त एवं विकसित भारत के निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। इस अवसर पर समाज कल्याण के व्यापक उद्देश्यों के संदर्भ में युवाओं के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक कल्याण के महत्व को भी रेखांकित किया गया। नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाना न केवल युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए जरूरी है, बल्कि एक स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नशामुक्त युवा, विकसित भारत का संदेश इसी दिशा में युवाओं को जागरूक और प्रेरित करने का प्रयास है।

त्योहारों पर घर जाने वालों के लिए रेलवे की खास तैयारी

नई दिल्ली स्टेशन पर स्थायी यात्री होल्डिंग एरिया शुरू, आनंद विहार में चार हजार यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था



नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली और छठ महापर्व पर घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उत्तर रेलवे ने दिल्ली के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर विशेष इंतजाम किए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर अजमेरी गेट की ओर प्रवेश द्वार के पास शेड लगाकर स्थायी यात्री होल्डिंग एरिया तैयार किया गया है। यहां यात्री ट्रेन के रवाना होने से पहले ठहर सकेंगे। आनंद विहार टर्मिनल और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर भी यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। रेलवे का उद्देश्य स्टेशन के प्रवेश द्वार, फुटओवर ब्रिज और प्लेटफॉर्म पर एक साथ भीड़ जमा होने से रोकना है। नई दिल्ली स्टेशन पर यात्रियों को सीधे प्लेटफॉर्म पर जाने के बजाय पहले निर्धारित होल्डिंग एरिया में रोका जा सकेगा। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचने और यात्रियों के चढ़ने की प्रक्रिया शुरू होने पर उन्हें व्यवस्थित तरीके से आगे भेजा जाएगा। इससे प्लेटफॉर्म पर भीड़ और धक्का-मुक्की की आशंका कम होगी। बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड जाने वाली ट्रेनों के समय सबसे अधिक भीड़ रहती है। इनमें सामान्य श्रेणी के यात्रियों की संख्या ज्यादा होती है। टिकट से लेकर सुरक्षा जांच तक की सुविधा होल्डिंग एरिया में यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर, स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन, उद्घोषणा प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक ट्रेन सूचना बोर्ड लगाए गए हैं। सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, सामान की जांच करने वाले स्कैनर और मेटल डिटेक्टर की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा यात्रियों के लिए पीने का पानी, बेहतर रोशनी और पंखों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुरुषों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों के लिए अलग शौचालय भी बनाए गए हैं। आनंद विहार : सामान्य और आरक्षित टिकट वाले यात्रियों के प्रवेश मार्ग अलग आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर करीब चार हजार यात्रियों के ठहरने की क्षमता वाला यात्री सुविधा शिविर तैयार किया गया है। यहां बैठने, पीने के पानी, शौचालय, खानपान और टिकट लेने की सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था है।

मंगोलपुरी में एक जूता फैक्ट्री में आग लगने से चार की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मंगोलपुरी औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में भीषण आग लगने से कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस घटना पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दुख जताया है। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार, प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता और राहत कार्यों में तेजी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 स्थित एक जूता फैक्ट्री में शुक्रवार रात करीब 9.30 बजे आग लगी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिसकर्मी व दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई टीमों ने घंटों तक मशक्कत की। इस दौरान कुल 6 लोगों को बाहर निकाला गया, जो फैक्ट्री के अंदर बेहोश पाए गए थे। इन सभी को इलाज के लिए तुरंत मंगोलपुरी के संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया। इन 6 लोगों में से 4 को मृत घोषित कर दिया गया है, जबकि बाकी 2 लोगों का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने कहा कि बचाव और तलाशी अभियान अभी भी जारी है। कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फेज-1 के डीसीपी (बाहरी जिला) विक्रम सिंह ने बताया कि कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

इंडिया गठबंधन की रामलीला मैदान में रैली के मद्देनजर दिल्ली में यातायात पाबंदी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि एक नवंबर को रामलीला मैदान में 'इंडिया' गठबंधन की रैली के मद्देनजर दिल्ली के कई इलाकों में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक यातायात पाबंदियां लागू रहेंगी। दिल्ली यातायात पुलिस के अनुसार, मध्य दिल्ली के प्रमुख चौराहों पर यातायात को स्थिति के अनुसार दूसरे मार्गों पर भेजा जाएगा। इनमें नेताजी सुभाष मार्ग टी-प्वाइंट, राजघाट, दिल्ली गेट, आईटीओ ए-प्वाइंट, अजमेरी गेट लालबत्ती, रणजीत सिंह फ्लाईओवर, झंडेवालान गोलचक्कर, तुर्कमान गेट और मीरदर्द चौक शामिल हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि आईटीओ से दिल्ली गेट के बीच बहादुर शाह जफर मार्ग, राजघाट से अजमेरी गेट के बीच जवाहरलाल नेहरू मार्ग, अरुणा आसफ अली रोड, मिंटो रोड, देशबंधु गुप्ता रोड और बाराखंभा रोड पर जाम लगने की आशंका है। उसने कहा कि कमला मार्केट और हमदर्द चौक के आसपास के मार्गों पर भी यातायात प्रभावित हो सकता है। रैली स्थल के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए मध्य रेंज में अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। वे वाहनों की आवाजाही नियंत्रित करने, यात्रियों को निर्धारित पार्किंग स्थलों तक पहुंचने में मार्गदर्शन देने और जाम रोकने का काम करेंगे।

पुलिस के अनुसार, लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल के पास आपातकालीन वाहनों के लिए अलग रास्ते की व्यवस्था की जाएगी। पार्किंग की व्यवस्था अस्पताल के सामने रेलवे पार्किंग क्षेत्र, दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) के पार्किंग स्थलों और राजघाट पर की गई है। यातायात पुलिस ने कहा कि बहादुर शाह जफर मार्ग, राजघाट-जेएलएन मार्ग, डीबीजी रोड और मिंटो रोड पर बसों की आवाजाही भी नियंत्रित की जा सकती है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाने की सलाह दी गई है। डीबीजी रोड की ओर से स्टेशन जाने वाले यात्री चेल्म्सफोर्ड रोड, कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल, मिंटो रोड और भवभूति मार्ग का इस्तेमाल कर सकते हैं। पूर्वी दिल्ली से आने वाले यात्री आईटीओ, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग और भवभूति मार्ग के रास्ते स्टेशन पहुंच सकते हैं। 'इंडिया' गठबंधन ने 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर रामलीला मैदान में एक बड़ी रैली आयोजित करने की योजना बनाई है।

सामाजिक बदलाव में गायत्री परिवार की अहम भूमिका : ओम बिरला



नई दिल्ली, एजेंसी। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में गायत्री परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस संगठन ने आध्यात्मिक जागरूकता के साथ लोगों को अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को नई दिल्ली में गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। ओम बिरला ने कहा कि गायत्री परिवार के प्रयासों से अनगिनत लोगों के जीवन में बदलाव आया है। संगठन ने चरित्र निर्माण, आध्यात्मिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा दिया है। उन्होंने माता भगवती देवी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने ऐसे समय में महिलाओं को शिक्षा हासिल करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया, जब समाज में महिलाओं पर कई तरह की बंदिशें थीं। उनके प्रयासों से महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक सशक्तीकरण को नई दिशा मिली। लोकसभा अध्यक्ष ने गायत्री परिवार से अपने अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता, चरित्र निर्माण और सामाजिक बदलाव का संदेश देश के हर गांव और समाज के हर वर्ग तक पहुंचना चाहिए। यह जानकारी लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान में दी गई है।

जिलाधिकारी और एसपी ने जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर यातायात माह का किया शुभारंभ

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जनपद में रविवार को यातायात माह 2026 का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी बृजेश कुमार और पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने यातायात नियमों के पालन के लिए अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, स्कूली बच्चों और एनसीसी कैडेट्स को शपथ दिलाई। इसके बाद खानपुर चौराहा स्थित यातायात सहायता केंद्र से यातायात जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वर्ष यातायात माह की थीम ह्यसीख से सुरक्षा, तकनीक से परिवर्तनह्ल रखी गई है। कार्यक्रम में



अपर पुलिस अधीक्षक आलोक मिश्रा, एआरटीओ एनसी शर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात, क्षेत्राधिकारी नगर सहित यातायात पुलिसकर्मी, स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट्स और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। जागरूकता वाहन के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हुए यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने कहा कि यातायात नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए लोगों को जागरूक करने के साथ नियमों का प्रभावी अनुपालन जरूरी है। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की अपील की। उन्होंने नशे की हालत में वाहन न चलाने पर भी जोर दिया। यातायात माह के दौरान स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, निबंध, चित्रकला और स्लोगन प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रमुख चौराहों, बाजारों, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक किया जाएगा। दुर्घटना संभावित स्थलों और ब्लैक स्पॉट पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा और नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ चेकिंग कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही गोल्डन ऑवर और सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले नेक मददगारों की भूमिका के प्रति भी लोगों को जागरूक किया जाएगा।

प्रसव के बाद महिला की मौत के मामले में एएनएम गिरफ्तार

बलिया, एजेंसी। बलिया जिले में प्रसव के बाद 25 वर्षीय महिला की कथित रूप से अत्यधिक रक्तस्राव के कारण मौत होने के मामले में पुलिस ने एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में मामला दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि बैरिया थाना क्षेत्र में शनिवार को रेवती थाना क्षेत्र के मुन छपरा गांव निवासी नसीम की तहरीर पर स्वास्थ्यकर्मी लक्ष्मी देवी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी के मुताबिक, नसीम अपनी गर्भवती पत्नी शबीना खातून (25) को प्रसव के लिए बीबी टोला गांव निवासी सहायक नर्सिंग मिडवाइफरी (एएनएम) लक्ष्मी देवी के घर ले गया था और आरोप है कि लक्ष्मी देवी ने घर पर ही प्रसव कराने का भरोसा देकर उससे 15 हजार रुपये लिये और 30 अक्टूबर की दोपहर शबीना को अपने यहां भर्ती कर लिया। सूत्रों के मुताबिक नसीम ने आरोप लगाया कि भर्ती के बाद पत्नी की हालत के बारे में पूछने पर उसे बताया गया कि प्रसव में अभी समय लगेगा। नसीम के अनुसार इस दौरान शबीना की खराब हालत देखकर नसीम ने उसे किसी अस्पताल ले जाने के लिए छुट्टी देने का अनुरोध किया, लेकिन एएनएम ने ऐसा नहीं किया। प्राथमिकी के अनुसार 31 अक्टूबर तड़के शबीना ने एक बेटे को जन्म दिया, लेकिन उसके बाद अत्यधिक रक्तस्राव होने से उसकी हालत बिगड़ गई और जब नसीम उसे लेकर बलिया जा रहा था, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। महिला की मौत की खबर मिलने पर परिजनों ने एएनएम के निजी आवास पर पहुंचकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत कराया। बैरिया थाना प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी एएनएम लक्ष्मी देवी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

यूपीएससी में चयन के बाद गांव पहुंचीं भूवैज्ञानिक आस्था, ग्रामीणों ने किया स्वागत

मीरजापुर, एजेंसी। यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर भूवैज्ञानिक पद पर चयनित जिगना क्षेत्र के बारी गांव की बेटी आस्था सिंह का रविवार को पैतृक गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। जिले की पश्चिमी सीमा पर पाली गांव के सामने मीरजापुर-प्रयागराज मार्ग पर सैकड़ों लोग उनकी अगवानी के लिए पहुंचे।



फूल-मालाओं से लादकर बेटी का अभिनंदन किया गया। स्वागत से अभिभूत आस्था सिंह ने बताया कि चार प्रयासों में असफलता मिलने के बाद भी उन्होंने मेहनत और धैर्य नहीं छोड़ा। शादी के बाद भी पति और परिवार का लगातार सहयोग व उत्साहवर्धन मिलता रहा। बीएचयू से भू-विज्ञान में स्नातकोत्तर आस्था की इस उपलब्धि पर परिवार और गांव के लोगों ने खुशी जताई। पिता अमित सिंह और मां मीरा सिंह ने लोगों का मुंह मीठा कराया। युवाओं ने कहा कि आस्था की सफलता उन्हें अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देगी। स्वागत करने वालों में ग्राम प्रशासक सुरेंद्र सिंह, पूर्व प्रधान राम सिंह, अमर बहादुर सिंह, पंच बहादुर सिंह, विनय सिंह, अनूप उपाध्याय, गोपाल जायसवाल और मानवेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे।

कबीर अमृतवाणी सत्संग में गूंजे कबीर के दोहे, 'जो कुछ किया साहिब किया, तोते भये कबीर...'

महोबा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद मुख्यालय में संत कबीर अमृतवाणी सत्संग समिति के तत्वावधान में कठकुलवा स्थित कबीर आश्रम में कबीर अमृतवाणी सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को कार्यक्रम का शुभारंभ सत्संग कबीर वंदना जय कबीर जय कबीर, जय गुरु कबीरा। दास तोरे द्वार खड़े, उनकी हरो पीरा से हुआ।



समिति के प्रमुख एवं साईं डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एल.सी. अनुरागी ने कहा कि आज का मानव कुछ परोपकार, दान-पुण्य, गरीबों के लिए कुछ धन खर्च करता है तो अहंकार वश ढिंढोरा पीटता है कि मैंने महान कार्य किया, परंतु परमात्मा की कृपा को भूल जाता है कि परमात्मा ने आपके ऊपर कृपा की, जब आप दान, पुण्य, गरीबों की सेवा कर पाये। लोग आपको जान पाये। अतः परमात्मा की कृपा कभी न भूलें। डॉ. अनुरागी ने साखी ना कछु किया न करि सका, न करने जोग शरीर। जो कुछ किया साहिब किया, तोते भये कबीर। की विस्तार से व्याख्या की।

पं. अवधेश ने सत्संग का महत्व बताया। उमराव सिंह उर्फ मुन्ना ने कबीर मन निर्मल भयो जैसे गंगा नीर की व्याख्या की। पं. हरिशंकर नायक ने कहा कि प्रेम की भक्ति से ईश्वर को प्राप्त किया जा सकता है। भजनों में वीरभूमि राजकीय डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. एस.एस. राजपूत ने साहब दुनिया में क्या हो रहा है, पाप हँसता, धर्म रो रहा है, प्रस्तुत किया। तो संगीत शिक्षक निलेश ने चदरिया हो गई पुरानी, अब तो सोच समझ अभिमानी, एवं पं. जगदीश रिछरिया ने ओ पापी मन कर लो भजन रचना प्रस्तुत की।अंत में निजाम मास्टर ने कुछ लेना न देना मगन रहना भजन सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। सत्संग में राधेश्याम कुशवाहा, रामेश्वर चौरसिया, मास्टर निजाम, भजन गायक इन्द्रजीत सिंह, कामता प्रसाद चौरसिया, विनोद, पं. आशाराम तिवारी, हरिश्चंद्र वर्मा, रामदीन अनुरागी, नन्दिनी अनुरागी आदि भक्त उपस्थित रहे।

नेगुरा में 30 शैय्या के आयुष चिकित्सालय का भूमि पूजन

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के जिगना क्षेत्र के नेगुरा गांव में रविवार को 30 शैय्यायुक्त एकीकृत आयुष चिकित्सालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। मंत्रोच्चार के बीच प्रयागराज उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान, एमएलसी विनीत सिंह और विधायक रिंकी कोल ने विधि-विधान से पूजन किया। क्षेत्र में आयुष चिकित्सालय की स्थापना से आसपास के गांवों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। चिकित्सालय की सुविधा उपलब्ध होने को लेकर ग्रामीणों ने प्रसन्नता जताई। उन्हें अब आयुष चिकित्सा सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. जयंत



कुमार ने अतिथियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में करमेश चंद्र तिवारी, प्रेम बहादुर सिंह, ओमप्रकाश उपाध्याय, जगदीश पाठक, सुजीत मोदनवाल और राजकुमार दुबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दो साल से टूटी पड़ी टंकी, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के राजगढ़ ब्लाक के डढ़िया गांव की आदिवासी बस्ती में दो साल से टूटी-फूटी पानी की टंकी नहीं बदले जाने से ग्रामीणों को पेयजल की परेशानी हो रही है। रविवार को नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर टंकी बदलवाने की मांग की। चेतावनी दी कि जल्द समस्या दूर नहीं हुई तो उच्चाधिकारियों से शिकायत करेंगे।



आदिवासी बस्ती में राजाराम कोल के घर के सामने सरकारी बोरिंग में समरसेबल पंप लगाया गया है। इससे पानी की आपूर्ति के लिए एक टंकी रखी गई थी, जिसमें पानी जमा कर बिजली न रहने पर भी ग्रामीण जरूरत पूरी करते थे। आरोप है कि करीब दो साल पहले टंकी फट गई। इससे पानी का भंडारण नहीं हो पा रहा है और बिजली कटौती के दौरान लोगों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। ग्रामीण शंभूलाल आदिवासी ने बताया कि टंकी बदलवाने के लिए कई बार ग्राम प्रधान और सचिव से शिकायत की गई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शन में शंभूलाल, राजाराम कोल, राजू आदिवासी, राधिका देवी और संजय कोल समेत अन्य ग्रामीण शामिल रहे। इस संबंध में एडीओ पंचायत श्रीकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि टंकी फटने की जानकारी मिली है। सचिव और ग्राम प्रधान से कहकर जल्द ही टंकी बदलवाई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को पेयजल की परेशानी न हो।

वन विभाग की निगरानी में आजमगढ़ भेजा गया हाथी

रामनगर की रामलीला में भड़क गया था गजराज, मालिक ने दोबारा इस्तेमाल न करने का दिया शपथपत्र

वाराणसी, एजेंसी। रामनगर की ऐतिहासिक रामलीला में गोसाईंगंज, आजमगढ़ से लाए गए गजराज को स्वस्थ होने के बाद गुरुवार देर रात वन विभाग की निगरानी में उसके घर भेज दिया गया। मौसम में बदलाव के बीच डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद हाथी को पूरी तरह स्वस्थ घोषित किया। इसके बाद उसे वापस भेजने की अनुमति दी गई। दरअसल, बीते 18 अक्टूबर की सुबह रामनगर के पंचवटी मैदान में भोजन खिलाने के दौरान गजराज अचानक बेकाबू हो गया था। इस दौरान उसने अपने महावत छप्पलू को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। आजमगढ़ में उपचार के दौरान 25 अक्टूबर को महावत की मौत हो गई थी। घटना के बाद हाथी का मानसिक संतुलन बिगड़ने की आशंका को देखते हुए उसे चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया था। डॉक्टरों की टीम लगातार उसके स्वास्थ्य की देखभाल कर रही थी। डीएफओ निधि चौहान ने बताया कि गुरुवार को हाथी के पूरी तरह स्वस्थ होने पर उसे आजमगढ़ वापस



भेज दिया गया। हाथी को नियंत्रित करने के लिए करीब 15 घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी थी। इसके बाद गोरखपुर और कानपुर चिड़ियाघर से बुलाए गए डॉक्टरों की निगरानी में उसे आंशिक रूप से बेहोश कर काबू में किया गया था। मालिक से लिया गया शपथपत्र महावत की मौत के बाद हाथी के मालिक से दोबारा उसका इस्तेमाल नहीं करने का शपथपत्र लिया गया है। वन विभाग की निगरानी में हाथी को उसके घर भेजने की प्रक्रिया पूरी की गई।

एनडीए नेताओं ने राहुल गांधी की रैली से व्यापारियों को नुकसान होने का लगाया आरोप

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रदेश सरकार के मंत्रियों और उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस तथा विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कई मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मंत्रियों ने राहुल गांधी की रैली, विपक्ष के बयानों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि देश में राष्ट्रविरोधी ताकतें लगी हुई हैं, कुछ ताकतें पर्दे के पीछे रहकर साजिश रच रही हैं और विपक्ष के नेताओं की ओर से बांग्लादेश जैसी घटनाओं को लेकर बयान दिया जा रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भारत में सभी लोगों को नियमों का पालन करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सभी लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा रखना चाहिए। भारत का लोकतंत्र मजबूत है और ऐसी ताकतें अपने मंसूबों में सफल नहीं होंगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा कि देश की जनता अलोकतांत्रिक हथकंडों को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाना विपक्ष की आदत बन गई है।

जरूरतमंदों के इलाज में कोई रुकावट नहीं आएगी: योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन में पति के इलाज के लिए मदद मांगने पहुंची एक महिला को आर्थिक सहायता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि उपचार में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से मदद उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने महिला से उसके पति के अब तक हुए इलाज और स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, घबराइए मत, आपके पति के उपचार में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में पहुंची एक अन्य बीमार महिला को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक रविवार को जनता दर्शन में आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान मुख्यमंत्री महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर कुर्सियों पर बैठे लोगों के बीच पहुंचे और उनके प्रार्थना पत्र लेकर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समाधान के निर्देश दिये। आदित्यनाथ

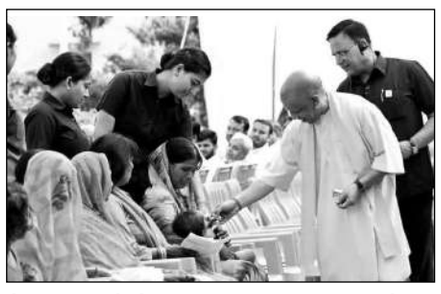

ने अधिकारियों से कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक तरीके से किया जाए। उन्होंने समस्याएं लेकर आने वाले लोगों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। अपराध और जमीन पर अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को अपराधियों और भू-माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाएगी।

एक नजर

वाहनों की टक्कर के बाद सड़क पर भिड़े दो पक्ष, जमकर चले लात-घूंसे, वीडियो वायरल

वाराणसी, एजेंसी। शहर के सिगरा थाना क्षेत्र में वाहनों की टक्कर के बाद दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से मारपीट शुरू हो गई। सड़क पर ही दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे पर टूट पड़े। इस दौरान जमकर लात-घूंसे चले। अचानक हुए हंगामे से आसपास के इलाके में अफरातफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच मारपीट होती रही। घटना के दौरान किसी ने मारपीट का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में दोनों पक्षों के लोग आपस में मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। सड़क पर हुए इस विवाद के कारण आसपास से गुजर रहे लोगों में भी दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर सिगरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। उनसे पूछताछ कर विवाद की वजह और मारपीट में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि वाहनों की टक्कर के बाद दोनों पक्षों में विवाद हुआ था। वायरल वीडियो के आधार पर भी घटना की जांच की जा रही है। मामले में तहरीर और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

अयोध्या के विकास को लेकर योगी ने पूर्ववर्ती सरकारों पर साधा निशाना

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या के विकास को लेकर पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से पहले राम नगरी उपेक्षा, अव्यवस्था और तुष्टीकरण का दंश झेलने को विवश थी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अयोध्या की पुरानी और मौजूदा तस्वीरों का उल्लेख करते हुए कहा कि अयोध्या सभ्यता की जन्मभूमि, संस्कृति की प्राणधारा और आस्था की शाश्वत ज्योति है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले इस दिव्य नगरी में श्रद्धालुओं की यात्रा कठिन थी, नगर की व्यवस्थाएं जर्जर थीं और स्थानीय परिवारों के लिए विकास की संभावनाएं सीमित थीं।

आदित्यनाथ ने कहा, "भव्य श्री राम जन्मभूमि मंदिर से लेकर राम पथ, धर्म पथ, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और आधुनिक रेलवे स्टेशन तक, हर निर्माण श्रद्धालुओं की सुविधा और राम नगरी के गौरव से जुड़ा है।" मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बदलाव का लाभ अयोध्या के लोगों तक पहुंच रहा है। बढ़ता पर्यटन व्यापार को मजबूती दे रहा है, नए अवसर युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे हैं और स्थानीय परिवार समृद्धि की नयी उम्मीदें संजो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "कभी विकास की प्रतीक्षा करती अयोध्या आज अपनी विरासत के साथ प्रगति का नया अध्याय लिख रही है। असंख्य सनातनियों की आस्था, अस्मिता और आराधना का यह केंद्र आज 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' के संकल्प को साकार करते हुए सांस्कृतिक चेतना और समृद्धि का उज्ज्वल प्रतीक बन गया है।"

शाहजहांपुर में शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म, आरोपी हिरासत में लिया गया

शाहजहांपुर, एजेंसी। शाहजहांपुर जिले में एक महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और मारपीट करने के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने रविवार को बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र की रहने वाली 32 वर्षीय शादीशुदा महिला का अपने पति से विवाद था और इसी दौरान उसकी मुलाकात विपनेश वाजपेयी से हुई, जिसने उससे जान-पहचान बढ़ाई और शादी का प्रस्ताव रखा।

कुमार के मुताबिक महिला ने आरोप लगाया है कि वाजपेयी उसे बरेली मोड़ से हरदोई जिले के पचदेवरा स्थित अपने गांव ले गया, जहां एक खाली मकान में उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी महिला को चार खंभा स्थित अपने मकान पर ले गया और वहां भी उसने शारीरिक संबंध बनाए। पुलिस अधिकारी के मुताबिक महिला ने आरोप लगाया है कि इसके बाद व्यक्ति ने उसके साथ मारपीट की और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत पर वाजपेयी के खिलाफ शनिवार को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप में मामला दर्ज कर उसे रविवार को हिरासत में ले लिया। उन्होंने बताया कि महिला को चिकित्सीय परीक्षण के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खराब मौसम के चलते दिल्ली से काठमांडू जा रहा एअर इंडिया का विमान लखनऊ डायवर्ट

लखनऊ, एजेंसी। काठमांडू में खराब मौसम के कारण दिल्ली से वहां जा रहे एअर इंडिया के एक और विमान को लखनऊ डायवर्ट करना पड़ा। रविवार सुबह विमान संख्या एआई-213 को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारा गया। इससे पहले भी दिल्ली से काठमांडू जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान खराब मौसम के कारण लखनऊ में उतारा जा चुका है। जानकारी के मुताबिक, एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-213 रविवार सुबह 7:04 बजे दिल्ली से काठमांडू के लिए रवाना हुई थी। काठमांडू के नजदीक पहुंचने पर वहां के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने मौसम खराब होने के कारण विमान को उतरने की अनुमति नहीं दी। इसके बाद विमान को लखनऊ डायवर्ट कर दिया गया। विमान सुबह 10:04 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा। यहां से विमान को 11:19 बजे वापस दिल्ली के लिए रवाना कर दिया गया। इससे पहले शनिवार रात भी दिल्ली से काठमांडू जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-223 को खराब मौसम के चलते लखनऊ डायवर्ट किया गया था। यह विमान रात 1:19 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा था। विमान को पार्किंग-वे पर खड़ा किया गया और यात्रियों को अंदर ही रहने दिया गया। काठमांडू में मौसम की स्थिति अनुकूल नहीं होने के कारण विमान तड़के 3:31 बजे लखनऊ से वापस दिल्ली के लिए रवाना हो गया। लगातार दो विमानों के डायवर्ट होने से काठमांडू में खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर देखने को मिला।

भूमि विवाद में दलित किसान पर जानलेवा हमले के मामले में चार को उम्रकैद

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की एक विशेष अदालत ने 16 साल पुराने भूमि विवाद में दलित किसान और उसके परिवार पर जान से मारने की नीयत से हमला करने के मामले में चार दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार ने रविवार को बताया कि विशेष न्यायाधीश विजय कुमार ने शनिवार को रामअवतार, उसके बेटे प्रदीप, कुंवरपाल और जावेश्वर को दोषी ठहराते हुए प्रत्येक पर एक लाख पांच हजार 500 रुपये का जुमार्ना भी लगाया। कुमार ने बताया कि घटना 28 मार्च 2010 को रामराज थाना क्षेत्र के हुसैनपुर गांव में हुई थी। उन्होंने बताया कि आरोपियों को दलित किसान विकास के जमीन पर कब्जे को लेकर आपत्ति थी और वे वहां खड़ी फसल काट रहे थे। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, विकास ने जब इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उस पर और उसके परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया और इस दौरान विकास को गोली लगी, जबकि परिवार के अन्य सदस्य भी घायल हुए।

संपादकीय

सत्ता की होड में हाशिये पर पहुंचता राष्ट्रहित

भारतीय लोकतंत्र आज एक ऐसे चौराहे पर आ खड़ा है, जहाँ राजनीति का मूल उद्देश्य जनसेवा और नीति-निर्माण से भटककर केवल सत्ता संघर्ष और वैमनस्य का पर्याय बनता जा रहा है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने जिस लोकतांत्रिक व्यवस्था की कल्पना की थी उसमें आम नागरिक केंद्र में था किंतु वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक तरफ सत्ता का अहंकार है तो दूसरी तरफ विपक्ष की हताशा और नकारात्मकता है। इन दोनों के इस अंतहीन टकराव के बीच आज देश का आम नागरिक पिसने को मजबूर है। सत्ता में आने के बाद राजनीतिक दलों में अहंकार घर कर जाता है। लोकतांत्रिक मयार्दाओं को ताक पर रखकर सत्ताधारी दल अक्सर यह भूल जाते हैं कि जनादेश एक जिम्मेदारी है किसी का अधिकार नहीं। हालिया चुनावों के परिणाम इस बात के सबसे बड़े गवाह हैं कि जब-जब राजनैतिक दलों ने जनता की आवाज को अनसुना किया तब-तब उन्हें करारा जवाब मिला है। पार्टियों द्वारा धरातल से जुड़े निष्ठावान और जमीन पर काम करने वाले क्षेत्रीय कार्यकताओं की भारी उपेक्षा की जाती है। उनके स्थान पर क्षेत्र से पूरी तरह अनजान आयातित नेताओं को चुनावी टिकट थमा दिए जाते हैं। वे पार्टी के टिकट को जीत की गारंटी मान बैठते हैं। सत्ता का यह अंध अहंकार हमेशा ही घातक होता है। लगभग सभी पार्टियां बरसों से निष्ठावान रहे क्षेत्रीय नेताओं को हाशिए पर धकेल कर रातों-रात दल बदलकर आने वाले अवसरवादी नेताओं को सर आंखों पर बिठा लेतीं है। सिक्के का दूसरा पहलू विपक्ष की गैर-जिम्मेदाराना और नकारात्मक राजनीति है। एक मजबूत लोकतंत्र के लिए रचनात्मक विपक्ष का होना उतना ही आवश्यक है जितना कि एक जवाबदेह सरकार का। इस सिद्धान्त की धज्जियां उडाते हुए विपक्ष ने सदन के अंदर की बहस और नीतियों के स्तर पर मुकाबला करने के स्थान पर मनगढ़ंत आरोप गढने, अराजकता फैलाने तथा भीड बल पैदा करके तोडफोड करने जैसी आपराधिक घटनायें करने की नीतियां बना लीं हैं ताकि देश में हर तरफ अफरातफरी का माहौल पैदा हो और सत्ता को व्यवस्था कायम रखे हेतु कडे कदम उठाने पडें। संसद से लेकर सड़क तक विपक्षी दलों द्वारा अब राष्ट्रीय विकास, देश की साख और वैश्विक छवि की कीमत पर भी अपने राजनीतिक हित साधने की पहल शुरू कर दी है। बिना ठोस आधार के मनगढ़ंत आरोप लगाकर सामाजिक और आर्थिक तनाव पैदा करना आज के विपक्ष की कार्यशैली बन चुकी है। विरोध के नाम पर सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाना, देश की अर्थव्यवस्था को आघात पहुंचाने वाले प्रदर्शन करना और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर देश की छवि को धूमिल करने वाले प्रसंग गढ़ना यह दशार्ता है कि सत्ता पाने की भूख में राष्ट्रहित को ताक पर रख दिया गया है।

चक्रवातों के साये में तटीय भारत का भविष्य

चक्रवातों से निपटने में सबसे बड़ी चुनौती उनके बदलते स्वरूप और तीव्रता का अनुमान लगाना है। आधुनिक तकनीक और मौसम पूवार्नुमान में सुधार के बावजूद कई बार चक्रवात कम समय में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन के पास लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री जुटाने के लिए बहुत कम समय बचता है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें और नदियों में बाढ़ एक साथ तबाही मचा सकती हैं। जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है।

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

समुद्र जितना जीवनदायी है, उसका रौद्र रूप उतना ही विनाशकारी हो सकता है। भारत की करीब 7,500 किलोमीटर लंबी तटरेखा देश की अर्थव्यवस्था, व्यापार, मत्स्य पालन और पर्यटन के लिए बेहद अहम है। लेकिन यही तटीय क्षेत्र हर साल चक्रवातों, समुद्री तूफानों, बाढ़ और तटीय कटाव का खतरा भी झेलते हैं। चक्रवात अर्नब ने एक बार फिर तटीय भारत की संवेदनशीलता और आपदा प्रबंधन की तैयारियों पर सवाल खड़े किए हैं। सवाल केवल यह नहीं है कि चक्रवात कब और कहां आएगा, बल्कि यह भी है कि उससे निपटने के लिए हमारी तैयारी कितनी मजबूत है। बदलते मौसम के दौर में अब आपदा आने के बाद राहत पहुंचाने के बजाय पहले से नुकसान कम करने की रणनीति बनानी होगी।

चक्रवातों से निपटने में सबसे बड़ी चुनौती उनके बदलते स्वरूप और तीव्रता का अनुमान लगाना है। आधुनिक तकनीक और मौसम पूवार्नुमान में सुधार के बावजूद कई बार चक्रवात कम समय में अधिक शक्तिशाली हो जाते हैं। ऐसे में प्रशासन के पास लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत सामग्री जुटाने के लिए बहुत कम समय बचता है। तेज हवाओं के साथ भारी बारिश, समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरें और नदियों में बाढ़ एक साथ तबाही मचा सकती हैं। जलवायु परिवर्तन और समुद्र के बढ़ते तापमान ने इस चुनौती को और गंभीर बना दिया है।

तटीय क्षेत्रों में कमजोर बुनियादी ढांचा भी बड़ी समस्या है। चक्रवात के दौरान बिजली के खंभे गिर जाते हैं, सड़कें जलमग्न हो जाती हैं और संचार सेवाएं ठप पड़ जाती हैं। इससे राहत और बचाव कार्य प्रभावित होते हैं। कई तटीय शहरों में अनियोजित निर्माण, जल निकासी की खराब व्यवस्था और निचले इलाकों में बस्तियों का विस्तार खतरे को बढ़ा रहा है। ऐसे में आपदा के समय लोगों को



बचाने के साथ-साथ बिजली, पानी, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी जरूरी सेवाओं को जल्द बहाल करना भी बड़ी चुनौती बन जाता है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की पूर्व चेतावनी प्रणाली पहले से बेहतर हुई है, लेकिन चुनौती अब भी यह है कि चेतावनी समय पर हर व्यक्ति तक पहुंचे। समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरों, दूरदराज के गांवों और छोटे द्वीपों में रहने वाले लोगों तक सूचना पहुंचाना आसान नहीं है। कई बार लोग चेतावनी को गंभीरता से नहीं लेते या घर और आजीविका छोड़ने के डर से सुरक्षित स्थानों पर जाने में देरी करते हैं। इसलिए केवल चेतावनी जारी करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि लोगों को उसके खतरे और उससे बचने के उपायों के बारे में समझाना भी जरूरी है।

चक्रवात का असर सभी पर समान नहीं पड़ता। गरीब परिवार, महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। जिन परिवारों की आजीविका खेती, मछली पकड़ने या दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है, उनके लिए घर छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना भी आसान नहीं होता। उन्हें अपनी संपत्ति, पशुओं और रोजगार की चिंता सताती है। चक्रवात के बाद मछली पकड़ने का काम बंद हो जाता है, खेतों में खारा पानी भर जाता है और छोटे कारोबार ठप पड़ जाते हैं। इससे प्रभावित परिवारों के सामने लंबे समय तक आर्थिक संकट बना रहता है।

प्राकृतिक सुरक्षा कवच का कमजोर होना भी चिंता का विषय है। मैंग्रोव वनों की कटाई, आर्द्रभूमियों का विनाश और समुद्र तटों पर बढ़ता निर्माण चक्रवातों के खतरे को बढ़ाते हैं। मैंग्रोव वन समुद्री लहरों की ताकत कम करने और तटीय इलाकों को बचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद विकास के नाम पर प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। तटीय क्षेत्रों में विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर होने वाला विकास भविष्य के लिए बड़ा संकट बन सकता है।

इन चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे पहले पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना होगा। मौसम विभाग की तकनीकी क्षमता बढ़ाने के साथ उपग्रहों, डॉप्लर रडार और समुद्री निगरानी तंत्र का विस्तार जरूरी है। चेतावनी केवल मोबाइल संदेशों तक सीमित न रहे। सायरन, सामुदायिक रेडियो, स्थानीय प्रशासन और पंचायतों के माध्यम से भी सूचना लोगों तक पहुंचाई जाए। चेतावनी स्थानीय भाषा में हो और उसमें यह साफ बताया जाए कि लोगों को क्या करना है और कहां जाना है।

इसके साथ ही तटीय इलाकों में मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। चक्रवात आश्रयस्थलों की संख्या बढ़ाने, सुरक्षित निकासी मार्ग बनाने और अस्पतालों, बिजलीघरों तथा पेयजल व्यवस्था को आपदा के लिहाज से मजबूत करने की जरूरत है। आश्रयस्थलों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगों की जरूरतों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। नियमित मॉक ड्रिल से लोगों को आपदा के समय सही कदम उठाने का अभ्यास कराया जा सकता है।

आपदा प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी भी जरूरी है। पंचायतों, स्वयंसेवी संगठनों, मछुआरा समितियों और युवाओं को आपदा प्रबंधन योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए। स्कूलों में आपदा संबंधी जागरूकता और प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाए। स्थानीय लोगों को अपने क्षेत्र के जोखिम की बेहतर जानकारी होती है। इसलिए उनकी भागीदारी से राहत और बचाव कार्य अधिक प्रभावी बनाए जा सकते हैं।

प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर भी नुकसान कम किया जा सकता है। मैंग्रोव वनों, आर्द्रभूमियों और तटीय वनस्पतियों का संरक्षण किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में अनियंत्रित निर्माण पर रोक लगे और तटीय विनियमन के नियमों का सख्ती से पालन हो। इसके अलावा मछुआरों, किसानों और छोटे कारोबारियों के लिए बीमा, आर्थिक सहायता और आजीविका पुनर्वास की व्यवस्था जरूरी है, ताकि आपदा के बाद वे दोबारा अपने पैरों पर खड़े हो सकें।

चक्रवात अर्नब ने यह समझने का अवसर दिया है कि प्राकृतिक आपदाओं से पूरी तरह बचना संभव नहीं, लेकिन बेहतर तैयारी से उनके नुकसान को जरूर कम किया जा सकता है। भारत ने मौसम पूवार्नुमान और लोगों की निकासी के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन तटीय क्षेत्रों में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। अब जरूरत राहत और बचाव तक सीमित रहने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाने की है जो आपदा से पहले ही नुकसान को कम कर सके।

किसानों को ग्रीन अमोनिया से सस्ती खाद की उम्मीद

-सौरभ वार्ष्णेय-

भारतीय कृषि लंबे समय से बढ़ती लागत और घटती आमदनी की चुनौती व पुरानी रुढ़िवादी तकनीक से जूझ रही है। डीजल, बिजली, बीज, कीटनाशक और उर्वरकों की कीमतों में वृद्धि ने किसानों के सामने आर्थिक संकट को और गहरा किया है। खेती की लागत में उर्वरकों की हिस्सेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से यूरिया की उपलब्धता और उसकी कीमत किसानों के लिए हमेशा एक बड़ा मुद्दा रही है। ऐसे में सरकार द्वारा ग्रीन अमोनिया के इस्तेमाल की संभावनाएं तलाशना एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा सकती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो आने वाले समय में किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा बदलाव संभव है। हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता केवल तकनीकी प्रयोग तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका लाभ खेतों में काम करने वाले किसानों तक पहुंचना भी जरूरी है।

किसानों के लिए खुश खबरी आई है कि सरकार छह राज्यों में लगभग 10 हजार एकड़ भूमि पर ग्रीन अमोनिया के उपयोग का परीक्षण कर रही है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि पारंपरिक नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के विकल्प के रूप में इसका इस्तेमाल कितना प्रभावी और किफायती हो सकता है। ग्रीन अमोनिया का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से तैयार हाइड्रोजन के माध्यम से किया जाता है। इसके विपरीत परंपरागत अमोनिया उत्पादन में मुख्य रूप से प्राकृतिक गैस से प्राप्त हाइड्रोजन का उपयोग होता है। इस प्रक्रिया में ऊर्जा की अधिक खपत के साथ कार्बन उत्सर्जन भी होता है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को न केवल कृषि की लागत कम करने, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक संभावनाशील विकल्प माना जा रहा है।

नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव संतोष सारंगी के अनुसार, अमोनिया को सीधे मिट्टी में डालने से उर्वरक की लागत मौजूदा स्तर से लगभग एक-तिहाई तक घट सकती है। यदि यह अनुमान व्यावहारिक रूप से सही साबित होता है तो खाद उत्पादन और कृषि अर्थव्यवस्था के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल भी है कि उत्पादन लागत में संभावित कमी का लाभ किसानों को किस रूप में मिलेगा? क्या इससे यूरिया की खुदरा कीमत घटेगी, या सरकार की सब्सिडी का बोझ कम होगा? इन सवालों का जवाब परीक्षण के परिणाम और सरकार की नीतिगत व्यवस्था से ही मिलेगा।

दरअसल, भारत में यूरिया केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि कृषि उत्पादन व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। देश में बड़ी संख्या में किसान नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए यूरिया पर निर्भर हैं। सरकार किसानों को सस्ती दरों पर यूरिया उपलब्ध कराने के लिए भारी सब्सिडी देती है। इसके बावजूद अंतरराष्ट्रीय बाजार में गैस और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर उर्वरक क्षेत्र पर पड़ता है। भारत को उर्वरकों के उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चे माल और गैस की उपलब्धता के मामले में भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्वच्छ ऊर्जा आधारित अमोनिया का विकल्प देश की आयात निर्भरता कम करने में भी सहायक हो सकता है। हालांकि, ग्रीन अमोनिया को यूरिया का सीधा और तत्काल विकल्प मान लेना जल्दबाजी होगी। अमोनिया एक प्रभावी नाइट्रोजन स्रोत है, लेकिन इसका सुरक्षित भंडारण, परिवहन और खेतों में उपयोग विशेष तकनीकी सावधानी की मांग करता है। यह एक विषाक्त रसायन है और इसके रिसाव से मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए किसानों को इसके इस्तेमाल की उचित जानकारी, सुरक्षा उपकरण और आधुनिक कृषि तकनीक उपलब्ध कराना आवश्यक होगा। इसके अतिरिक्त मिट्टी की प्रकृति, फसल की जरूरत, मौसम और सिंचाई की परिस्थितियों के अनुसार इसके प्रभाव का वैज्ञानिक मूल्यांकन भी जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण चुनौती ग्रीन अमोनिया की उत्पादन लागत है। नवीकरणीय ऊर्जा से हाइड्रोजन तैयार करने और उसके माध्यम से अमोनिया बनाने के लिए बड़े निवेश, आधुनिक तकनीक और पर्याप्त ऊर्जा की जरूरत होती है। जब तक इसका उत्पादन बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धी कीमतों पर नहीं होगा, तब तक किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने का लक्ष्य पूरी तरह हासिल करना आसान नहीं होगा। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक के विकास का आर्थिक बोझ अंततः किसानों पर न पड़े।

भारत में कृषि सुधारों की चर्चा अक्सर नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रणालियों तक सीमित रह जाती है, जबकि किसान की सबसे बड़ी चिंता उसकी लागत और उपज का उचित मूल्य है। ग्रीन अमोनिया की पहल को भी इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि इससे उर्वरकों की कीमत कम होती है, मिट्टी की सेहत बेहतर रहती है और पर्यावरण को नुकसान घटता है तो यह कृषि क्षेत्र के लिए दूरगामी परिवर्तन साबित हो सकता है। लेकिन केवल उत्पादन लागत में कमी का दावा पर्याप्त नहीं है। इसके लिए पारदर्शी मूल्य निर्धारण, वितरण व्यवस्था और किसानों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसके साथ ही रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान देना जरूरी है। अत्यधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी के पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ता है और कृषि भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए ग्रीन अमोनिया को केवल सस्ती खाद के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि व्यवस्था के व्यापक हिस्से के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। जैविक खाद, नैनो उर्वरक, प्राकृतिक खेती और मिट्टी परीक्षण जैसी व्यवस्थाओं के साथ इसका संतुलित समन्वय जरूरी है।

इसराइल:ध्वस्त हुआ नेतन्याहू के अपराजित' होने का मिथक

-तनवीर जाफरी-

इजराइल के 2026 के संसदीय आम चुनावों के नतीजों के आने बाद देश में एक बार फिर राजनीतिक गतिरोध की स्थिति बन गई है और किसी भी गुट को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। गौरतलब है कि इस्राईल की 120 सदस्यों वाली 'नेसेट' अर्थात संसद में सरकार बनाने और पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए 61 सीटों की आवश्यकता होती है। परन्तु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिकुड पार्टी व अन्य सहयोगी दक्षिणपंथी दलों के गठबंधन को कुल 53 सीटें मिली हैं। जबकि इसमें उनकी स्वयं की 'लिकुड' पार्टी को 27 सीटें मिली हैं। 27 सीटें जीतकर 'लिकुड' पार्टी संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर तो जरूर उभरी है परन्तु इसके बावजूद नेतन्याहू का दक्षिणपंथी गठबंधन बहुमत के जादुई आंकड़े यानी 61 सीटों तक नहीं पहुँच सका और बहुमत से 8 सीटें कम रह गया। बेंजामिन नेतन्याहू का कहना था कि उनका उद्देश्य एक मजबूत दक्षिणपंथी राष्ट्रीय सरकार बनाना है। इस चुनाव का एक और आकर्षण अरब नेतृत्व वाली पार्टियां का 19 सीटों पर जीत दर्ज करना भी है । अरब लोग इस्राईल की कुल जनसंख्या का करीब 21 प्रतिशत हैं। इस्राईल के इतिहास में यह अरब पार्टियों का अब तक का ऐतिहासिक व सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। जबकि गादी आइजनकोट का मुख्य विपक्षी गठबंधन 48 सीटें जीत पाया है। माना जा रहा है कि किसी भी बड़े गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण अब इस्राईल में सरकार बनाने के गठबंधन की जोड़-तोड़ और बातचीत का लंबा दौर चल सकता है । निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों ने इस्राइली समाज के गहरे मतभेद उजागर किए हैं।

इस्राईल में हुआ यह चुनाव कितना महत्वपूर्ण था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें यहूदी और अरब दोनों ही मतदाओं की ओर से रिकॉर्ड संख्या में मतदान में हिस्सा लिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक मतदाताओं ने हजारों डॉलर खर्च कर विदेशों से आकर मतदान में हिस्सा लिया। नेतन्याहू की पार्टी व उनके नेतृत्व वाले दक्षिणपंथी गठबंधन को पूर्ण बहुमत हासिल न होने के पीछे जो मुख्य कारण माने जा रहे हैं उनमें एक तो यह कि यह चुनाव एक ऐसे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुये जिन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अतिरिक्त नेतन्याहू पर 7 अक्तूबर से पहले इस्राईल की रक्षा करने में नाकाम रहने का भी आरोप है। विपक्षी नेताओं व समाज के एक बड़े वर्ग द्वारा इसकी जांच की मांग भी होती रही है, लेकिन नेतन्याहू इस जांच के लिए कभी तैयार नहीं हुये। इसलिये इस्राईली समाज का एक बड़ा वर्ग 7 अक्तूबर की घटना को एक सुनियोजित व सत्ता प्रायोजित साजिश के संदेह से भी इनकार नहीं करता।

अब इस्राईल में नई सरकार बनाने को लेकर भी तरह तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। इतने अलग-अलग विचारों और राजनीतिक हितों को एक सरकार के रूप में साथ लाना अब इस्राईल की राजनीति के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सरकार बनाने के लिये क्या नेतन्याहू अपने धार्मिक सहयोगियों को छोड़कर विपक्षी गुट के दक्षिणपंथी नेताओं के साथ गठबंधन बनाने के लिए तैयार होंगे? और क्या वे नेता, जो लंबे समय से नेतन्याहू के विरोधी रहे हैं, उनके साथ सरकार में शामिल होने के लिए तैयार होंगे? क्या विपक्षी गठबंधन अपने चुनावी वादों का बड़ा हिस्सा छोड़कर नेतन्याहू को सत्ता से बाहर करने के लिए अरब पार्टियों के साथ सहयोग करने को तैयार है? और क्या अरब पार्टियां ऐसी सरकार में शामिल होने का जोखिम उठाएंगी, जो कुछ ही महीनों में गिर सकती हो ? यह सवाल इस्राईल के राजनैतिक भविष्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं।

इस बीच इस्राइल के वरिष्ठ वामपंथी डेमोक्रेट नेता यायर गोलान ने विपक्षी गुट से अरब पार्टियों के साथ साझेदारी करने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि "हमें अब नेतन्याहू द्वारा यहूदी और अरब वोटों के बीच किए जा रहे नस्लवादी विभाजन को स्वीकार नहीं करना चाहिए। "चुनाव परिणामों और विश्लेषकों के रुख को देखें तो यह स्पष्ट है कि नेतन्याहू की कट्टर, ध्रुवीकरण करने वाली और अत्यधिक आक्रामक छवि ने उन्हें गंभीर राजनीतिक नुक़्सान पहुँचाया है। अक्टूबर 2023 के हमास हमलों के बाद से इस्राइल लगातार युद्ध की स्थिति में है। नेतन्याहू ने ईरान, गजा और लेबनान में 'सैन्य सफलताओं' को भुनाने की कोशिश भी की। लेकिन देश की जनता का एक बड़ा हिस्सा लगातार जारी युद्ध की अनिश्चितता, बंधकों की घर वापसी में विफलता और देश के आर्थिक नुक़्सान से थक चुका था। इसी ने नेतन्याहू की 'अजेय सुरक्षा प्रदाता' वाली छवि को चोट पहुंचाई।

नेतन्याहू के मौजूदा गठबंधन में धुर-दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी वे यहूदी नेता भी शामिल थे, जिन्होंने वेस्ट बैंक में आक्रामक नीतियों को बढ़ावा दिया। इसके चलते इस्राइल के उदारवादी, धर्मनिरपेक्ष और यूरोपीय मूल के यहूदी नागरिकों में यह डर बढ़ गया था कि यह कट्टरता इस्राइल के लोकतांत्रिक ढांचे को खत्म कर रही है, जिससे तेल अवीव की सड़कों पर उनके खिलाफ भारी विरोध प्रदर्शन हुए। इसके अलावा चुनाव प्रचार के दौरान नेतन्याहू ने यहूदी राष्ट्रवादियों को एकजुट करने के लिए सोशल मीडिया पर आक्रामक बयानबाजी की और अरब नागरिकों पर 'चुनाव चुराने' का आरोप लगाया।

हाईवे के किनारे सजी देशी उत्पादों की दुकानें

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

राजस्थान के ग्रामीण अंचलों में प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता सदियों पुराना है। यहाँ की मिट्टी, जलवायु, वनस्पति और पारंपरिक जीवनशैली ने खान-पान की ऐसी समृद्ध संस्कृति विकसित की है, जिसकी पहचान आज भी देश के कोने-कोने में है। इसी संस्कृति का एक जीवंत दृश्य हमें तब दिखाई देता है, जब हम राजस्थान के किसी हाईवे से गुजरते हैं और सड़क किनारे बोरी बिछाकर बैठे ग्रामीण महिला-पुरुषों को देखते हैं। उनके सामने कैर, बेर, काचरी, सांगरी और अनेक देशी उत्पाद सजे होते हैं। पहली नजर में यह एक सामान्य-सी ग्रामीण बाजार व्यवस्था लग सकती है, लेकिन इसके पीछे मेहनत, संघर्ष, आत्मनिर्भरता और परिवार के प्रति जिम्मेदारी की एक बड़ी कहानी छिपी होती है।

ये लोग दो-तीन दिन तक मेहनत करके जंगलों, खेतों और आसपास के प्राकृतिक क्षेत्रों से मौसमी उत्पाद इकट्ठा करते हैं। इसके बाद उन्हें साफ-सुथरा करके बेचने के लिए हाईवे किनारे पहुँचते हैं। इनके पास कोई बड़ी दुकान नहीं होती, न ही कोई आकर्षक बोर्ड या आधुनिक व्यापारिक व्यवस्था। एक बोरी ही इनकी दुकान बन जाती है और सड़क किनारे की थोड़ी-सी जगह इनका बाजार। इनकी दुकान पर केवल कैर ही नहीं मिलता, बल्कि राजस्थान की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का पूरा खजाना दिखाई देता है। बेर, काचरी, मतीरे के बीज, तुम्बे के बीज, हरी और सूखी ग्वारफली, सूखे काचर, सूखे कैर, सांगरी और कई अन्य मौसमी उत्पाद इनके पास उपलब्ध होते हैं। ये वे चीजें हैं, जिनका राजस्थान के पारंपरिक खान-पान में विशेष महत्व रहा है। विशेषकर कैर-सांगरी जैसी सब्जियाँ आज राजस्थान की पहचान बन चुकी हैं और देश-विदेश तक अपनी लोकप्रियता रखती हैं।

इन ग्रामीण विक्रेताओं की कार्यशैली भी अपने आप में दिलचस्प है। वे सड़क किनारे बोरी बिछाकर सामान फैला देते हैं। राहगीर रुकते हैं, उत्पादों को देखते हैं, गुणवत्ता के बारे में पूछते हैं और फिर मोलभाव शुरू होता है। विक्रेता अपनी मेहनत का मूल्य बताते हैं और ग्राहक अपनी सुविधा के अनुसार भाव तय करने का प्रयास करता है। कई बार थोड़ी-सी बातचीत के बाद सौदा तय हो जाता है। सामान बिकने पर विक्रेता के चेहरे पर जो संतोष दिखाई देता है, वह किसी बड़े व्यापारिक लाभ से कम महत्वपूर्ण नहीं है। दिनभर सड़क किनारे बैठकर ग्राहक का इंतजार करना आसान काम नहीं है। गर्मी, धूल, तेज धूप, सर्दी और बदलते मौसम के बीच ये लोग अपने उत्पाद बेचते हैं। कभी अच्छी बिक्री होती है तो कभी दिनभर इंतजार करने के बावजूद बहुत कम सामान बिक पाता है। फिर भी वे अगले दिन नई उम्मीद के साथ अपनी छोटी-सी दुकान सजाने पहुँच जाते हैं।

बताया जाता है कि इनमें से कई लोग दिनभर की मेहनत के बाद लगभग 500 से 700 रुपये तक कमा पाते हैं। किसी बड़े शहर के बाजार में यह रकम शायद बहुत छोटी लगे, लेकिन इन परिवारों के लिए यही कमाई घर का राशन, बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतों का आधार बनती है। इस छोटी-सी आय के पीछे कई दिनों की मेहनत, प्राकृतिक संसाधनों की जानकारी और बाजार तक पहुँचने का संघर्ष शामिल होता है।

यहाँ एक महत्वपूर्ण बात समझने की जरूरत है कि ये लोग केवल सामान बेचने वाले छोटे विक्रेता नहीं हैं, बल्कि हमारी पारंपरिक खाद्य संस्कृति के संवाहक भी हैं। आज जब बाजार में पैकेटबंद और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का चलन तेजी से बढ़ रहा है, तब ये ग्रामीण विक्रेता हमें प्रकृति से जुड़े पारंपरिक उत्पादों की याद दिलाते हैं। उनके पास मिलने वाली काचरी, कैर, सांगरी और अन्य मौसमी चीजें हमारी पुरानी रसोई और ग्रामीण जीवनशैली का हिस्सा रही हैं। राजस्थान के ग्रामीण परिवारों ने सीमित संसाधनों और कठिन जलवायु के बीच खान-पान की ऐसी परंपराएँ विकसित की हैं, जिनमें स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपलब्ध खाद्य पदार्थों का उपयोग किया जाता रहा है। कैर-सांगरी, काचरी की सब्जी और सूखे देशी उत्पाद इसी अनुभव और परंपरा की देन हैं। इनका स्वाद केवल भोजन का स्वाद नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि हम अक्सर बड़े शोरूम, मॉल और ऑनलाइन बाजारों से खरीदारी करने में तो रुचि दिखाते हैं, लेकिन सड़क किनारे बैठे इन छोटे विक्रेताओं की ओर हमारा ध्यान नहीं जाता। कई बार हम उनके सामान की कीमत पर बहुत अधिक मोलभाव करते हैं, जबकि यह भूल जाते हैं कि उनके लिए कुछ रुपये का अंतर भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार

प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोया, अब 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना हमारा दायित्व : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी



चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए जो संकल्प लिया था, वह आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। सरदार पटेल ने भारत को जोड़ा था और अब हमारा दायित्व है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करें।

मुख्यमंत्री शनिवार को हरियाणा सिविल सचिवालय परिसर में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने सरदार पटेल को पुष्प अर्पित कर नमन किया और प्रदेशवासियों को उनकी जयंती की शुभकामनाएं दीं और उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 1947 में देश आजाद तो हुआ, लेकिन उस समय भारत सैकड़ों रियासतों में बंटा हुआ था। अलग-अलग रियासतों के अपने झंडे और व्यवस्थाएं थीं। दुनिया में चर्चा थी कि भारत एकजुट नहीं रह पाएगा, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता से रियासतों का भारत में विलय करवाकर देश को एकता के सूत्र में बांधा। जूनागढ़ और हैदराबाद जैसी रियासतों के मामले में भी उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि भारत की एकता के साथ कोई समझौता नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल की उपाधि उन्हें अंग्रेजों ने नहीं दी थी। सरदार पटेल को किसानों ने उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने पर 'सरदार' की उपाधि दी थी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि राष्ट्र की एकता के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और जनसेवा का भाव कितना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने अखिल भारतीय सेवाओं की नींव रखी, जिन्हें देश का स्टील फ्रेम कहा जाता है। उन्होंने 21 अप्रैल, 1947 को अधिकारियों को संबोधित करते हुए सेवा, निष्पक्षता और ईमानदारी को प्रशासन की आत्मा बताया था। उनका मानना था कि अखिल भारतीय सेवाओं के बिना अखंड भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। एकता केवल नक्शे पर खींची गई लकीरों से नहीं बनती, बल्कि फाइलों पर लिए गए निष्पक्ष निर्णयों और जनता के विश्वास से मजबूत होती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक को यह महसूस होना चाहिए कि सरकार उसकी अपनी सरकार है। हरियाणा सरकार भी इसी भावना के साथ सुशासन और जनसेवा के संकल्प को धरातल पर उतार रही है। प्रदेश में पिछले समय में दो लाख से अधिक युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची के सरकारी नौकरियां दी गई हैं और सिफारिश की संस्कृति को समाप्त किया गया है। यही सरदार पटेल के सुशासन के सपने की भावना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2014 से सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू की। साथ ही, विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' का निर्माण करवाकर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की। आज यह प्रतिमा पूरी दुनिया को भारत की एकता और अखंडता का संदेश दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एकता को तोड़ने वाली ताकतें कभी क्षेत्रवाद, कभी भाषावाद और कभी अफवाहों के माध्यम से समाज को बांटने का प्रयास करती हैं। इनका जवाब हमारी एकता है। हमारा संकल्प 'हरियाणा एक-हरियाणवी एक' का है। हमें मिलकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाना है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर हम सभी राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लें। सरदार पटेल ने देश को एकजुट किया था और अब वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में हरियाणा को भी प्रमुख भूमिका निभानी है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान से सभी परिचित हैं। आजादी के समय देश अनेक रियासतों में बंटा हुआ था और ऐसे में देश को एकजुट रखना तथा उसका प्रशासन चलाना बड़ी चुनौती थी। सरदार पटेल की दृढ़ता, क्षमता और कुशलता का ही परिणाम था कि उन्होंने देश को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल, डॉ सुमिता मिश्रा सहित अधिकारीगण और कर्मचारी उपस्थित थे।

हरियाणा प्रदेश की 'विकसित भारत-2047' के निर्माण में रहेगी महत्वपूर्ण भूमिका- खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम



चंडीगढ़। हरियाणा के खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने हरियाणा दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होना हम सभी के लिए गर्व और गौरव का विषय है। इस उपलक्ष में हरियाणा सरकार हरियाणा गठन का हीरक जयंती समारोह मना रही है। इन छह दशकों में हरियाणा ने विकास, कृषि, उद्योग, शिक्षा, खेल और सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करते हुए देश-दुनिया में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती वीरों, किसानों, मेहनतकशों और खिलाड़ियों की धरती है। यहां के जवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा में अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया है, वहीं किसानों ने अपनी मेहनत से देश के खाद्यान्न भंडार को समृद्ध किया है। हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर तिरंगे का मान बढ़ाकर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। खेलों के क्षेत्र में हरियाणा का योगदान पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है।

खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार युवाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने, खेल सुविधाओं का विस्तार करने, खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों, महिलाओं और समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास और हरियाणा एक-हरियाणवी एक के सिद्धांत पर चल रही है। इसी सोच के साथ सरकार द्वारा हरियाणा और हरियाणवी के विकास और भलाई के लिए लगातार काम किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि "हरियाणा सद्भाव और समान विकास के साथ आगे बढ़ा है, जिससे लोगों का जीवन आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ है। आमजन और सरकार का सीधा संपर्क है और आईटी के माध्यम से सिस्टम को सरल व पारदर्शी बनाया है. नतीजतन शगुन राशि, विभिन्न सामाजिक सुरक्षा पेंशन, विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं और किसानों की फसल का पैसा एक क्लिक से सीधे पात्र लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है।

स्वच्छता केवल प्रशासन की नहीं, प्रत्येक नागरिक की सामाजिक जिम्मेदारी : डॉ. अर्चना गुप्ता

- राष्ट्रीय अध्यक्ष की पदयात्रा से पहले भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मेडिकल मोड़ पर चलाया विशेष स्वच्छता अभियान



रोहतक। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन की 1 नवंबर को रोहतक में प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा की तैयारियों के तहत शनिवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने मेडिकल मोड़ पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ स्वयं श्रमदान कर सफाई अभियान में भाग लिया। साथ ही, पदयात्रा मार्ग के आसपास स्वच्छता एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक विभाग या प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से स्वच्छता को देशव्यापी जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। इस अभियान की सार्थकता तभी सुनिश्चित होगी, जब प्रत्येक व्यक्ति स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सेवा और जनभागीदारी के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता है। सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना हम सभी का सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ. गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पदयात्रा की तैयारियों के साथ-साथ स्वच्छता एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े अभियानों में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि रोहतक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन की प्रस्तावित पदयात्रा को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरे समर्पण और सुनियोजित ढंग से की जा रही हैं।

इस अवसर पर नगर निगम के मेयर राम अवतार वाल्मीकि, पूर्व प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया, युवा आयोग के पूर्व चेयरमैन मुकेश गौड़ तथा प्रदेश मीडिया प्रभारी भूपेश्वर दयाल भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला में 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर मुख्यमंत्री ने दिया एकता और अखंडता का संदेश

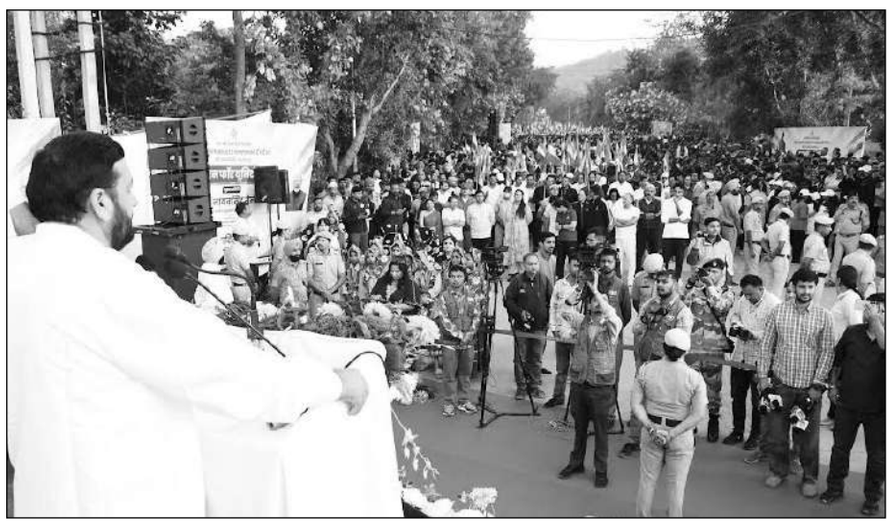

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए प्रदेशवासियों से विकसित हरियाणा के साथ-साथ सशक्त और एकजुट भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी संदेश को आगे साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच अवश्य करें तथा अफवाहों और भेदभाव को बढ़ावा देने वाली बातों से बचें। उन्होंने कहा कि युवाओं के छोटे-छोटे जिम्मेदार कदम समाज में विश्वास और सद्भाव को बढ़ावा दे सकते हैं।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में एचएसवीपी शिवालिक कंट्री क्लब, एमडीसी, सेक्टर-1, पंचकूला में आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने हरी झंडी दिखाकर दौड़ को रवाना किया। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन पर पुष्प वर्षा की और स्वयं भी 'रन फॉर यूनिटी' में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देशभक्ति के उत्साह और भारत की एकता के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ आयोजित इस दौड़ का संदेश पूरे देश में जाएगा कि हम सब एक हैं और भारत की एकता एवं अखंडता को सदैव अक्षुण्ण रखेंगे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आजादी के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियां थीं। देश विभाजन की पीड़ा से गुजर रहा था और सैकड़ों रियासतों को एक राष्ट्र के सूत्र में पिरोने का कठिन दायित्व सामने था। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने अपनी दूरदृष्टि, संवाद कौशल और दृढ़ इच्छाशक्ति से 560 से अधिक रियासतों के एकीकरण में निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने आधुनिक भारत की एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखी। उनका जीवन हमें सिखाता है कि यदि संकल्प दृढ़ हो, नीयत साफ हो और राष्ट्रहित सर्वोपरि हो, तो असंभव दिखने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जनसेवा, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की विरासत को अपने आचरण में उतारने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी भाषाएं, पहनावे और परंपराएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन हमारा संविधान, हमारा तिरंगा और हमारी राष्ट्रीय पहचान हमें एक सूत्र में बांधते हैं। प्रत्येक भाषा और संस्कृति का सम्मान करके तथा एक-दूसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनकर हम राष्ट्रीय एकता को अपने दैनिक जीवन में और मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों से प्रेरित 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प को आगे बढ़ाया है। विभिन्न राज्यों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के बीच संवाद एवं आत्मीयता बढ़ाने का यह प्रयास देशवासियों को एक-दूसरे के और निकट लाता है। गुजरात में स्थापित सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची ह्यस्टैच्यू ऑफ यूनिटीह्व उनके विराट योगदान का स्मारक है। यह हमें याद दिलाती है कि एकजुट राष्ट्र अपने परिश्रम और संकल्प से कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के लिए राष्ट्रसेवा गौरवशाली परंपरा रही है। हमारे जवान सीमाओं पर देश की रक्षा करते हैं, किसान खेतों में परिश्रम करते हैं और खिलाड़ी विश्व के खेल मैदानों में तिरंगे का मान बढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल, एक नवंबर को हरियाणा अपने गठन के 60 वर्ष पूरे करेगा। इस अवसर की पूर्व संध्या पर हम सभी संकल्प लें कि प्रदेश की प्रगति के साथ-साथ देश की एकता को भी और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों एवं उपस्थितजनों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई।

'रन फॉर यूनिटी' में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। देशभक्ति के गीतों और 'भारत माता की जय' के नारों के बीच युवाओं एवं बच्चों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संदेश देते हुए दौड़ लगाई। यह दौड़ एचएसवीपी शिवालिक कंट्री क्लब, एमडीसी, सेक्टर-1, पंचकूला से शुरू होकर माता मनसा देवी मंदिर परिसर में संपन्न हुई।

प्रदेश में 6230 ग्राम पंचायतों के विकास के लिए एसएफसी ने जारी किए 579 करोड़ : कृष्ण लाल पंवार

- ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों पर बनी सहमति, बकाया पत्र भी जारी
- पंचायत मंत्री ने यूनियन पदाधिकारियों के साथ की बैठक
- ग्रामीण सफाई कर्मचारियों में मांगें पूरी होने पर खुशी की लहर

चण्डीगढ। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन, हरियाणा के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर उनकी मांगों पर विस्तार से चर्चा की। पानीपत में आयोजित बैठक शांतिपूर्ण एवं सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। बैठक में ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को लेकर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया और सभी 17 मांगों पर सहमति बन गई जिसमें से 12 मांगो आवश्यक पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। मांगों के समाधान से प्रदेशभर के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों में खुशी की लहर है।

कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने और उनकी जायज मांगों का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्रामीण सफाई कर्मचारी गांवों को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका कार्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ ग्रामीण वातावरण तैयार करने में भी अहम योगदान है। सरकार उनके परिश्रम और सेवाओं का सम्मान करती है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए सहमति के अनुसार आवश्यक आदेश जारी कर दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य है कि कर्मचारियों को अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े। संबंधित अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि जारी आदेशों की प्रभावी अनुपालना सुनिश्चित करें, ताकि कर्मचारियों को इनका लाभ समय पर मिल सके। श्री पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास और ग्रामीण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में प्रदेश की 6230 ग्राम पंचायतों के विकास के लिए राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) के माध्यम से 579 करोड़ रुपए पंचायतों के खातों में जारी किए गए हैं। इस राशि से गांवों में विकास कार्यों को गति मिलेगी तथा मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाया जा सकेगा। सरकार की प्राथमिकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए धन की कमी आड़े न आए और प्रत्येक गांव तक विकास का लाभ पहुंचे। विकास एवं पंचायत विभाग के निदेशक सुशील सारवान ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की मांगों को लेकर सरकार और यूनियन के बीच हुई सहमति के अनुरूप विभाग ने आवश्यक कार्रवाई की है। 10 सितंबर 2026 को जारी पत्र के माध्यम से कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें मानदेय के बकाया एरियर का भुगतान, अक्टूबर 2023 की हड़ताल अवधि का पात्र कर्मचारियों को बकाया मानदेय, गांव से बाहर ड्यूटी लगाने पर प्रतिदिन 200 रुपए भत्ता, वार्षिक वर्दी भत्ता 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रूपए तथा धुलाई भत्ता 1 हजार से बढ़ाकर 1500 रुपए करना शामिल है।

युवाओं को लक्ष्य छोटा नहीं, बल्कि उसकी रोज तैयारी करनी चाहिए : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

- मुख्यमंत्री ने बागोवाल पंजाब में युवा रैली को किया सम्बोधित
- रवि इन्द्र सिंह बलाचौर ने कई साथियों के साथ की भाजपा ज्वाईन

चण्डीगढ। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं को अपना लक्ष्य कभी छोटा नहीं करना चाहिए बल्कि उसकी हर रोज तैयारी करनी चाहिए। अपने तन और मन, दोनों का ध्यान रखते हुए नशे और निराशा से दूर रहकर मित्रों के साथ अपने गांव और समाज के सामूहिक काम में भाग लेना चाहिए।

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंजाब के बलाचौर हलके के गाँव बागोवाल में युवा रैली को सम्बोधित कर रहे थे। रैली में रवि इन्द्र बलाचौर ने अपने साथियों के साथ भाजपा ज्वाइन की। मुख्यमंत्री ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी में उन्हें पूरा मान सम्मान मिलेगा। इस अवसर पर डेरा भौरी के महाराज दयाल दास, सरदार राज बागोवाल, सरंपच नरेश कुमार, जिला अध्यक्ष राजविन्द्र लाखी, चेयरमैन ओम प्रकाश देवी नगर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रहा है। सरदार पटेल ने लगभग 560 रियासतों को तोड़कर पूरे भारत को एकता के सूत्र में पिरोने का काम किया। इसलिए उनकी जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। मुख्यमंत्री ने एकता दिवस की हार्दिक बधाई दी और सरदार पटेल को नमन भी किया।

उन्होंने कहा कि युवाओं को राजनीतिक पार्टी से जुड़ना बड़ा सराहनीय निर्णय है। उसके पीछे अपने क्षेत्र की चिंता और लोगों की उम्मीदें होती हैं। भविष्य के प्रति एक विश्वास और भरोसा होता है। यह निर्णय पंजाब में भाजपा के प्रति बढ़ती आशा को बल देगा। अब हम सबको मिलकर, इस आशा को सेवा में और सेवा को जन-विश्वास में बदलना है।

पंजाब में 2027 में पीएम श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बनेगी सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि बागोवाल की भूमि से यह संदेश गया कि पंजाब का युवा अपनी शक्ति पहचान गया है। वह मेहनत से पीछे नहीं हटता, चुनौतियों से नहीं डरता और अपने परिवार तथा गांव के भविष्य के लिए तत्पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि हम मिलकर ऐसा रंगला पंजाब बनाने का संकल्प लें, जहाँ हर बच्चे को खेलने का मैदान, हर युवा को आगे बढ़ने का अवसर, हर परिवार को नशे के विरुद्ध सहयोग और हर मेहनतकश को सम्मान मिले।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय भारतीय जनता पार्टी का है। पंजाब के लोगों को अब स्पष्ट लगने लगा है कि फरवरी 2027 में पंजाब में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। डबल इंजन की सरकार पंजाब में दोगुनी गति से विकास कार्य करेगी और हर व्यक्ति को पूरा मान सम्मान देगी। भाजपा ने पंजाब में नशे के विरूद्ध यात्रा निकाली जिसका प्रदेश के लोगों से भरपूर सहयोग मिला।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को खेलों से जोड़ने और ग्रामीण खेल स्टेडियमों को बेहतर बनाने की जो मुहिम शुरू की हुई है, वह समाज को आगे ले जाने वाली पहल है। इससे हर गांव में युवाओं को खेल के मैदान मिलेंगे। खेलों की ओर अग्रसर होने से युवाओं में राष्ट्रीयता एवं नेतृत्व की भावना पनपती है। खेलों से जुड़े युवा नशे से दूर रहते है। राष्ट्रीय एकता दिवस पर युवाओं को नशे से दूर रहने का सकंल्प लेना है।

नशे के बुरे दौर से गुजर रहा है प्रदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप व कांग्रेस पार्टी ने पंजाब में नशा और भ्रष्टाचार बढाने का काम किया है। आज प्रदेश नशे के बुरे दौर से गुजर रहा है। नशे से परिवार और विकास दोनों बाधित होते हैं और परिवार अंधेरे में चला जाता है और विकास की गति रुक जाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नशे को खत्म करने का वादा किया। कुछ नहीं हुआ तो जनता ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने नशे को खत्म करने के अलावा 25 लाख युवाओं को रोजगार देने का वादा किया, लेकिन जनता को कुछ नहीं मिला। केवल झूठे वादों और भ्रम से लगातार 5 साल तक सरकार चलाई।

ईरान खुलेआम वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बना रहा है, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा : रुबियो

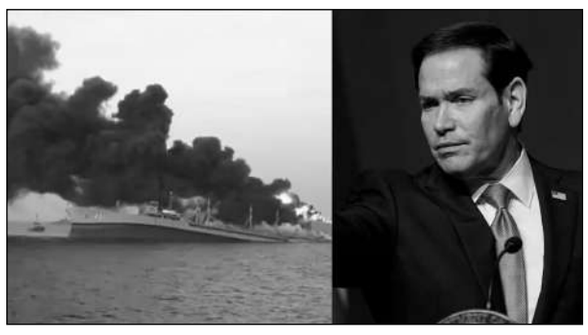

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ईरान पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बना रहा है और पड़ोसी देशों के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को खतरे में डाल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाएं क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं।

श्री रुबियो ने कहा कि ईरान ने असैन्य वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों को अपनी राजकीय नीति का हिस्सा बना लिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री परिवहन और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि निशाना बनाए जा रहे जहाजों पर तेल और प्राकृतिक गैस सहित वाणिज्यिक माल लदा होता है, न कि सैन्य या नौसैनिक सामग्री। अटलांटा में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में श्री रुबियो ने कहा, अब हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जहां ईरानी शासन सक्रिय रूप से और खुलेआम वाणिज्यिक जहाजों को हमलों का निशाना बना रहा है। हम ऐसे जहाजों की बात कर रहे हैं जिन पर तेल, प्राकृतिक गैस और अन्य माल लदा है और ईरान कह रहा है कि वह उन्हें डुबोने की कोशिश करेगा।

उन्होंने कहा, वे खुलेआम जहाजों पर हमले को राजनयिक और रणनीतिक दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। हम ऐसी दुनिया में रह रहे हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिकी सेना लगभग हर रात ईरानी ड्रोन और मिसाइलों से वाणिज्यिक जहाजों की रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा कि अब हमले केवल होर्मुज जलडमरूमध्य तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बाब अल-मंदेब में भी देखे जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले ईंधन की मात्रा अब संघर्ष से पहले के स्तर के करीब पहुंच गई है लेकिन इस प्रवाह को बनाए रखने के लिए अमेरिका को लगातार सैन्य सुरक्षा देनी पड़ रही है।

श्री रुबियो ने चेतावनी दी कि महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में व्यवधान का असर ऊर्जा बाजारों से कहीं ज्यादा पड़ रहा है। इससे ईंधन, उर्वरक और कृषि उत्पादों की आवाजाही बाधित हो रही है, जो खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा है।

उन्होंने कहा, जब ऊर्जा, उर्वरक और कृषि उत्पाद अपने गंतव्य तक नहीं पहुंच पाते, तो इससे हमारे प्रत्येक देश की सबसे बुनियादी जरूरत खतरे में पड़ जाती है।

ईरान पर अमेरिका के नए सैन्य हमलों की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्री रुबियो ने किसी योजना का खुलासा करने से इनकार किया लेकिन स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्णय लेने पर अमेरिका के पास कार्रवाई करने की सैन्य क्षमता मौजूद है।

उन्होंने कहा, दुनिया में किसी भी चुनौती से निपटने के मामले में राष्ट्रपति की प्राथमिकता, यदि संभव हो, तो कूटनीतिक और शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकालने की होती है। उन्होंने कहा कि श्री ट्रंप ने नए सैन्य अभियान को लेकर अभी कोई निर्णय नहीं लिया है।

श्री रुबियो ने चेतावनी दी कि किसी भी कूटनीतिक समझौते में अमेरिका की प्रमुख सुरक्षा चिंताओं का समाधान होना चाहिए, विशेषकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम और मध्य पूर्व को अस्थिर करने में उसकी कथित भूमिका का। उन्होंने कहा, समझौता ऐसा नहीं हो सकता जो हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाले या हमारी प्रमुख चिंताओं का समाधान न करे।

श्री रुबियो ने कहा कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को साकार नहीं होने दिया जा सकता। उन्होंने ईरान को क्षेत्र में अस्थिरता का प्रमुख केंद्र बताया। उन्होंने ईरान पर लेबनान, यमन और इराक में सशस्त्र समूहों तथा उग्रवादी संगठनों को समर्थन देने का भी आरोप लगाया। उनके अनुसार, ईरान के समर्थन से हूती विद्रोहियों की सैन्य क्षमता बढ़ी है और वे सऊदी अरब के लिए खतरा बन गए हैं।

ईरान के सामूहिक विनाश के हथियार हासिल करने की आशंका पर श्री रुबियो ने गंभीर परिणामों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, कल्पना कीजिए कि अगर ईरान के पास परमाणु हथियार हो। कल्पना कीजिए कि उसके पास किसी भी तरह के सामूहिक विनाशक हथियार हों, चाहे वे रासायनिक, जैविक या परमाणु हों।

उन्होंने कहा, तब वह अपने पड़ोसियों को किस तरह की धमकी देगा? तब वह पाइपलाइन उड़ाने की धमकी नहीं देगा, बल्कि हजारों नहीं, बल्कि लाखों लोगों की जान लेने की धमकी देगा।

सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात सहित खाड़ी देशों को सुरक्षा गारंटी देने के सवाल पर श्री रुबियो ने कहा कि अमेरिका पहले से ही जहाजों को सैन्य सुरक्षा प्रदान कर रहा है और क्षेत्रीय वायु रक्षा प्रणालियों को समर्थन दे रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका खाड़ी देशों के सामने मौजूदा जोखिमों को समझता है। इन देशों की अर्थव्यवस्थाएं काफी हद तक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले ऊर्जा निर्यात पर निर्भर हैं।

श्री रुबियो ने कहा, अमेरिका अभी वहां उनकी सुरक्षा कर रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना क्षेत्रीय ऊर्जा आपूर्ति ले जा रहे जहाजों की ओर दागे गए ड्रोन और मिसाइलों को नियमित रूप से रोक रही है।

सऊदी अरब के लिए हूती खतरे के बारे में श्री रुबियो ने कहा कि अमेरिका यूएई के साथ किए गए रक्षा सहयोग संबंधी वादों को पूरा करेगा। हालांकि, आक्रामक सैन्य अभियानों में भाग लेने का कोई भी निर्णय अमेरिकी राष्ट्रपति के अधिकार क्षेत्र में होगा। उन्होंने कहा, हमारा सऊदी अरब के साथ रक्षा सहयोग समझौता है और रक्षा संबंधी सहमतियां हैं।

एक नजर

चक्रवात अर्नब पड़ा कमजोर, नेपाल में मौसम धीरे-धीरे हो रहा सामान्य

काठमांडू, एजेंसी। पश्चिमी नेपाल के आसपास स्थित कम दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। यह क्षेत्र चक्रवात अर्नब का अवशेष है। इसके प्रभाव में कमी आने के साथ ही मौसम में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के अनुसार, फिलहाल लुम्बिनी प्रदेश सहित देश के पहाड़ी और हिमालयी क्षेत्रों में आमतौर पर बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के बाकी हिस्सों में आंशिक रूप से बादल लगे हैं। बागमती, गंडकी, लुम्बिनी और कणार्ली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो रही है। महाशाखा के मुताबिक, आज दोपहर देशभर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आज रात भी देशभर में मौसम आंशिक रूप से बादलयुक्त रहेगा। गंडकी, कणार्ली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है।

नेपाल में भारी बर्फबारी के बीच छह भारतीय पर्यटक फंसे, बचाव कार्य जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के शे-फोक्सुंडो राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में शनिवार दोपहर से हो रही भारी बर्फबारी के कारण दो महिलाओं समेत छह भारतीय पर्यटक फंस गए हैं, जिन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

डोल्पा के मुख्य जिला अधिकारी जुनु ढकाल के अनुसार, पर्यटक शे-फोक्सुंडो ग्रामीण नगरपालिका के वार्ड नंबर 8 के धो इलाके में गए थे। यह पूरा इलाका भारी बर्फबारी के कारण बर्फ से ढक गया है। ग्रामीण नगरपालिका में स्थित शे-फोक्सुंडो झील नेपाल की सबसे गहरी झील है। यह समुद्र तल से 3,600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और इसकी गहराई लगभग 145 मीटर है। ढकाल ने बताया, हमने उस इलाके का पता लगा लिया है, जहां पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्हें बचाने के लिए सेना का एक हेलीकॉप्टर पहुंच रहा है। हमें उम्मीद है कि जल्द ही उन्हें सुरक्षित बचा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कर्मियों और उनके साथ मौजूद नेपाली गाइड की चेतावनी के बावजूद भारतीय पर्यटक उस इलाके में चले गए थे। ढकाल के मुताबिक, भारी बर्फबारी के बावजूद पर्यटक अपने गाइड को छोड़कर झील की ओर आगे बढ़ गए। शनिवार रात उनसे संपर्क टूट गया था। गाइड ने शनिवार शाम डोल्पा जिला प्रशासन कार्यालय को फोन कर बताया था कि भारी बर्फबारी के कारण पर्यटक फंस गए होंगे। हालांकि, रविवार सुबह उनसे संपर्क पूरी तरह टूट गया।

रेड क्रॉस कोष में धोखाधड़ी: ओडिशा सतर्कता विभाग ने पूर्व राजस्व सहायक को किया गिरफ्तार

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा सतर्कता विभाग ने रविवार को छत्रपुर स्थित उप-कलेक्टर कार्यालय के एक पूर्व वरिष्ठ राजस्व सहायक (एसआए) को गिरफ्तार किया। उन पर रेड क्रॉस कोष के लिए जमा की गई 8.63 लाख रुपये की राशि को निर्धारित बैंक खाते में जमा करने के बजाय कहीं और इस्तेमाल करके हड़पने का आरोप है। आरोपी सदाशिब प्रधान (जो दिसंबर 2023 से अगस्त 2025 के बीच कार्यालय के ह्यनिजारत सेक्शनह्ल के प्रभारी थे) पर आरोप है कि उन्होंने आधिकारिक रसीद बुक जारी करके 8,63,200 रुपये जमा किए, लेकिन इस रकम को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की छत्रपुर शाखा में स्थित रेड क्रॉस कोष खाते में जमा नहीं किया। सतर्कता विभाग के अनुसार, उन्होंने अपने निजी फायदे के लिए पूरी रकम हड़प ली। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब ह्यनिजारत सेक्शनह्ल में सरकारी राशि जमा न करने जैसी वित्तीय अनियमितताओं की जांच की गई। वर्तमान में वह गंजाम जिले के सुराडा तहसील कार्यालय में तैनात हैं। प्रधान के खिलाफ ह्यभ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018ह्ल और ह्यभारतीय न्याय संहिताह्ल (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्हें बेरहामपुर स्थित सतर्कता के विशेष न्यायाधीश की अदालत में पेश किया जा रहा है।

वैष्णव आज बेंगलूरु में दिखायेंगे वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव आज यहाँ के सर एम विश्वश्वरैया टर्मिनल से बेंगलुरु- मुंबई वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह ट्रेन देश की तीसरी और कर्नाटक की पहली वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस होगी। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित बंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस (27652) बेंगलुरु से शाम सात बजकर 45 मिनट पर रवाना होगी और अगले दिन पूर्वाह्न 11बजकर 55 मिनट पर मुंबई पहुंचेगी। वहीं यह ट्रेन संख्या 27651 के रूप में रात में आठ बजकर 10 मिनट पर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) से रवाना होगी और अगले दिन मध्याह्न 12:00 बजे बेंगलुरु के एसएमवीटी)पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों शहरों के बीच 1118 किलोमीटर की दूरी करीब 16 घंटे में तय करेगी। अभी तक इन दोनों शहरों के बीच ट्रेन से सफल करने पर 22 से 24 घंटे लगते हैं। इस तरह से इस ट्रेन के जरिये यात्री करीब आठ घंटे कम समय में सफर कर पाएंगे। अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित इस ट्रेन में 16 कोच होंगे और एक साथ 823 यात्री सफर कर सकेंगे। इनमें 11 कोच थर्ड एसी (3 टियर), चार कोच सेकंड एसी (2 टियर) और एक कोच फर्स्ट एसी का होगा।

जर्मनी में जेन-जी के प्रदर्शनों के बाद हिंसा, 200 से अधिक लोग गिरफ्तार

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के कई शहरों में शिक्षा के लिए अधिक खर्च, बेहतर सामाजिक नीतियों और बढ़ती महंगाई से राहत की मांग को लेकर जेनरेशन जेड (जेन-जी) के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के बाद हिंसा भड़कने पर 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि हैम्बर्ग, फ्रैंकफर्ट और बर्लिन में कट्टरपंथी समूहों ने अलग-अलग प्रदर्शन किए, अवरोधक खड़े किए और सुरक्षा बलों के साथ झड़प की, जिसके बाद हिंसा भड़क उठी। जेन-जी रेगेल्ट पहल के तहत 30 से अधिक शहरों में आयोजित मुख्य प्रदर्शनों में हजारों युवाओं ने हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने अनिवार्य सैन्य सेवा फिर से शुरू करने की सरकार की योजना का भी विरोध किया। मुख्य प्रदर्शन समाप्त होने के बाद छोटे समूहों के हिंसा पर उतरने से स्थिति बिगड़ गई। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर पत्थर, बोतलें और पटाखे फेंके, जिसके बाद अधिकारियों को पानी की बौछार करने वाली गाड़ियां और विशेष पुलिस इकाइयां तैनात करनी पड़ीं। फ्रैंकफर्ट में नकाबपोश समूहों ने कथित तौर पर दुकानों में तोड़फोड़ की और कई प्रतिष्ठानों में लूटपाट की। इनमें हथियारों की एक दुकान भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि दुकान की खिड़कियां तोड़कर कम से कम दो आग्नेयास्त्र चोरी किए गए। बाद में दोनों हथियार बरामद कर लिए गए और एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। फ्रैंकफर्ट में 30 से अधिक लोगों को अस्थायी रूप से गिरफ्तार किया गया। इस दौरान पुलिस के एक वाहन को भी नुकसान पहुंचाया गया। हैम्बर्ग में मुख्य प्रदर्शन के बाद काले कपड़े पहने और आंशिक रूप से चेहरा ढके प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय बस अड्डे के पास जलते हुए अवरोधक खड़े कर दिए। इसके बाद पुलिस ने 120 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारियों द्वारा कथित तौर पर पत्थर, बोतलें और पटाखे फेंके जाने से कम से कम 11 पुलिसकर्मी घायल हो गए।

बांग्लादेश में रिटायर्ड मेजर खंडाकर अब्दुल हाफिज गिरफ्तार

ढाका (बांग्लादेश), एजेंसी। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) की जासूसी शाखा (डीबी) ने कथित राज्य विरोधी साजिश, हिंसक उकसावे, अवैध फंडिंग और सोशल मीडिया में प्रचार पर दर्ज मामले में मेजर (सेवानिवृत्त) खंडाकर अब्दुल हाफिज को गिरफ्तार किया है। जासूसी शाखा के अतिरिक्त आयुक्त एमडी शफीकुल इस्लाम ने कहा कि टीम ने गुरुवार देररात उसे राजधानी के बनानी इलाके से उठाया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार जासूसी शाखा के अतिरिक्त आयुक्त इस्लाम आज बताया कि हाफिज को उस मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है, जिसमें सेना के दो अन्य पूर्व अधिकारियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। शफीकुल ने आरोप लगाया कि हाफिज, लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) देबाशीष कुमार बरुआ और लेफ्टिनेंट (सेवानिवृत्त) काजी गुलशन आरा राज्य विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

देबाशीष और गुलशन आरा आतंकवाद विरोधी कानून और साइबर सुरक्षा अध्यादेश की कई धाराओं के तहत पल्लबी पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले के सिलसिले में फिलहाल जेल में हैं। इससे पहले डीबी ने 11 अक्टूबर की रात ढाका से दो सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। पहले दावा किया गया था कि खंडाकर अब्दुल हाफिज को देश में अस्थिरता पैदा करने की कथित साजिश के तहत अवामी लीग की गतिविधियों से उनके कथित संबंधों के बारे में जानकारी थी, जिनकी गतिविधियों पर वर्तमान में प्रतिबंध लगा हुआ है। डीबी ने कहा कि दोनों अधिकारियों को सोशल मीडिया पर राज्य विरोधी प्रचार में उनकी कथित संलिप्तता और साइबर अपराधों के माध्यम से सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर करने के प्रयासों के बारे में विशेष जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया था।

कन्नड़ भावना, इतिहास और संस्कृति का मिश्रण है : प्रियांक खड़गे



कलबुर्गी, एजेंसी। कर्नाटक के गृह, आईटी-बीटी, ई-गवर्नेंस और कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविवार को कहा कि कन्नड़ सिर्फ एक भाषा नहीं है बल्कि यह इमोशन, हिस्ट्री, सोच और कल्चर का मिक्सचर है। उन्होंने राज्य की रिच लिटरेरी और कल्चरल हेरिटेज को बचाने और इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की कोशिश करने की अपील की।

71वें कर्नाटक राज्योत्सव के मौके पर कलबुर्गी के गंज इलाके में नागरीश्वर स्कूल कैंपस में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद उन्होंने कहा कि कन्नड़ की एक लिटरेरी ट्रेडिशन है, जिसमें फोक लिटरेचर, साहित्य, जैन लिटरेचर, नवोदय, नव्या और बंदया मूवमेंट शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि इतनी रिच और अलग-अलग तरह की लिटरेरी हेरिटेज दूसरी भाषाओं में बहुत कम मिलती है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में दशहरा सेलिब्रेशन में 40 से ज्यादा विदेशी एम्बेसडर को इनवाइट किया था, जिससे उन्हें उनसे बातचीत करने का मौका मिला। विदेशी डेलीगेट्स ने कर्नाटक की आर्ट, लिटरेचर, खाने और कल्चर की तारीफ की। उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि कन्नड़ भाषा का इतिहास लगभग 2,000 साल पुराना है, और उन्होंने इसकी समृद्ध साहित्यिक विरासत, राज्य के इतिहास और सांस्कृतिक विविधता के बारे में जानकर खुशी जताई।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग पहचान और परंपराएं दिखती हैं। मलनाड अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है, कल्याण कर्नाटक तूर दाल और सूफी संतों से जुड़ा है और मांड्या क्षेत्र रेशम और दूध से जुड़ा है। तटीय क्षेत्र की अपनी अलग संस्कृति है जबकि कर्नाटक कला, समानता, ज्ञान और युवाओं के लिए अवसरों की भूमि भी है।

प्रियांक खड़गे ने कहा कि कलबुर्गी के व्यापक विकास के लिए एक नया मास्टर प्लान तैयार किया गया है, जिसमें विदेशी निवेश आकर्षित करने, रोजगार पैदा करने और बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान दिया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि विकास की पहल के नतीजे अगले दो वर्षों में दिखाई देंगे।

सरकार ने युवाओं को कॉम्पिटिटिव परीक्षाओं की तैयारी में मदद करने के लिए प्रबुद्ध अकादमी की स्थापना की है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से प्रोजेक्ट्स सहित नए विकास की पहलों का पता लगाने के लिए कलबुर्गी नेक्स्ट फाउंडेशन भी स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि यह डेवलपमेंट के कामों में गवर्नमेंट-प्राइवेट पार्टनरशिप का एक उदाहरण है। कल्याण कर्नाटक की आर्थिक क्षमता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 17 सितंबर को रीजनल ग्रोथ को तेज करने के लिए कल्याण कर्नाटक इकोनॉमिक मिशन की घोषणा की थी। जहां बेंगलुरु राज्य की जीडीपी में लगभग 40 प्रतिशत का योगदान देता है, वहीं कलबुर्गी जिले का योगदान 1.9 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि रोजगार पैदा करके और प्रति व्यक्ति ज्यादा इनकम देकर इस हिस्से को बढ़ाना सरकार के लक्ष्यों में से एक है।

पश्चिम बंगाल: एसटीएफ ने ड्रग्स के साथ 4 तस्करों को किया गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल पुलिस की पुलिस ने नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नशीला पदार्थ जब्त किया और 4 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए ड्रग तस्करों को चेतावनी दी है।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट में कहा, नशीले पदार्थों के सिंडिकेट के खिलाफ हमारी चल रही कार्रवाई में एक बड़ी सफलता मिली है। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की एक सतर्क टीम ने मालदा जिले के कालियाचक में मधुघाट के पास एनएच-12 पर एक वाहन को रोका। इस दौरान लगभग 2.688 किलोग्राम मॉर्फिन (नशीला पदार्थ) जब्त किया गया और एक अंतर-राज्यीय ड्रग नेटवर्क के चार मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इस पूरे रैकेट को जड़ से खत्म करने के लिए एक विशेष मामला दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं पश्चिम बंगाल पुलिस और एसटीएफ के अधिकारियों और कर्मियों की उनके त्वरित, समन्वित प्रयासों और अपने कर्तव्य के प्रति अटूट समर्पण के लिए सराहना करता हूं। मैं ड्रग तस्करों, रैकेट चलाने वालों और सिंडिकेट संचालकों को चेतावनी देना चाहता हूं कि उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। हमारी सरकार नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाती है, ताकि हमारे युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखा जा सके और नशामुक्त भारत अभियान के तहत हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत किया जा सके।

इसके पहले 9 अक्टूबर को मुख्यमंत्री अधिकारी ने एक्स पोस्ट में बताया था, 'जंगीपुर पुलिस जिले के अंतर्गत शमशेरगंज पुलिस ने 1.014 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। यह त्वरित कार्रवाई एनएच-12 के पास, स्थानीय ब्लॉक विकास अधिकारी की मौजूदगी में और पूरी तरह से कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए की गई। इस दौरान मालदा जिले के कालियाचक स्थित मोहब्बतपुर गांव के रहने वाले अरमान शेख को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा, 'पश्चिम बंगाल सरकार नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ 'जीरो-टॉलरेंस' (सख्त) नीति अपनाती है। हमारा प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियां नशीले पदार्थों के खतरे को खत्म करने और 'नशा मुक्त भारत' के विजन को साकार करने की दिशा में लगातार सतर्कता से काम कर रही हैं। हम अपने युवाओं के भविष्य को इस अवैध कारोबार की भेंट नहीं चढ़ने देंगे। हमारे राज्य में नशीले पदार्थों को फैलाने की कोशिश करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

बंगाल की खाड़ी में फिर चक्रवात का खतरा, तमिलनाडु में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी में एक बार फिर चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह क्षेत्र में बना कम दबाव का सिस्टम अगले 24 घंटों में चक्रवाती तूफान में बदल सकता है। इसके असर से तमिलनाडु के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों तक बारिश का पूर्वानुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को उत्तरी तटीय इलाकों, पश्चिमी घाट वाले जिलों और कई अंदरूनी जिलों में मध्यम बारिश हो सकती है।

अगले दो दिनों में नीलगिरी, तिरुवल्लूर, कुड्डालोर और विल्लुपुरम के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। रविवार को तमिलनाडु के उत्तरी तटीय जिलों और पश्चिमी घाट के जिलों में मध्यम बारिश का अनुमान है। इसी तरह मदुरै, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, सलेम, इरोड और करूर में भी ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है। राज्य के अन्य जगहों पर एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 2 नवंबर के लिए विभाग ने नीलगिरी और तिरुवल्लूर जिलों में भारी बारिश का अनुमान लगाया है। तमिलनाडु में अन्य जगहों पर दिन के दौरान हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

आंध्र प्रदेश स्थापना दिवस पर नेताओं ने दी बधाई, जानें राज्य के गठन का इतिहास



अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश स्थापना दिवस हर साल 1 नवंबर को मनाया जाता है। इस मौके पर देशभर के नेताओं ने प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। आंध्र प्रदेश के गठन की कहानी दो चरणों में पूरी हुई। सबसे पहले 1 अक्टूबर 1953 को मद्रास राज्य के तेलुगु भाषी क्षेत्रों को अलग करके 'आंध्र राज्य' का गठन हुआ था। इसकी राजधानी कुरनूल थी। यह राज्य पोट्टी श्रीरामुलु के ऐतिहासिक आमरण अनशन और बलिदान के बाद बना था।

इसके बाद 1 नवंबर 1956 को तत्कालीन 'आंध्र राज्य' और हैदराबाद राज्य के तेलुगु भाषी क्षेत्रों को मिलाकर भाषाई आधार पर आंध्र प्रदेश का पुनर्गठन हुआ। तब हैदराबाद को इसकी राजधानी बनाया गया था।

कई सालों बाद 2 जून 2014 को आंध्र प्रदेश का विभाजन हुआ, जिसके बाद तेलंगाना एक अलग राज्य बन गया।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट मंभ लिखा, 'समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और गौरवशाली ऐतिहासिक परंपराओं की धरोहर आंध्र प्रदेश, प्राचीन स्थापत्य कला, समृद्ध इतिहास और प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण कर्नाटक, अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान एवं अनुपम प्राकृतिक संपदा के लिए प्रसिद्ध केरल, अदम्य साहस, वीरता और बलिदान की गौरवशाली भूमि पंजाब, ऐतिहासिक धरोहरों और विविध सांस्कृतिक विरासत से समृद्ध मध्य प्रदेश तथा जनजातीय संस्कृति, समृद्ध वन संपदा और प्रचुर खनिज संसाधनों से संपन्न छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और विकास यात्रा में इन सभी राज्यों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। कामना है कि ये सभी राज्य विकास, प्रगति और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करें तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आंध्र प्रदेश के लोगों को बधाई दी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'सनातन आस्था के पावन स्पंदन, प्राचीन सभ्यता के गौरव और सजीव लोक-संस्कृति की अनुपम छटा से अभिसिंचित आंध्र प्रदेश के स्थापना दिवस की आंध्र प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व में यह राज्य विकास, समृद्धि एवं उन्नति के नित नए शिखर स्पर्श करे तथा जन-जन का जीवन खुशहाली से परिपूर्ण हो, भगवान श्री मल्लिकार्जुन जी से यही प्रार्थना है। आज के दिन तमिलनाडु में भी स्थापना दिवस मनाया जाता है। तमिलनाडु में दो दिन तमिलनाडु दिवस के रूप में मनाए जाते हैं- 1 नवंबर और 18 जुलाई। 1 नवंबर 1956 को भाषाई आधार पर 'मद्रास राज्य' का गठन हुआ था, इसी की याद में 1 नवंबर को यह दिवस मनाया जाता है। वहीं, 18 जुलाई 1967 को मद्रास विधानसभा में मद्रास राज्य का नाम बदलकर 'तमिलनाडु' करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ था, इसलिए उस दिन को भी तमिलनाडु दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों को दूसरी तिमाही में 30,106 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की तीन सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों... इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल 30,106 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 68.3 प्रतिशत अधिक है।

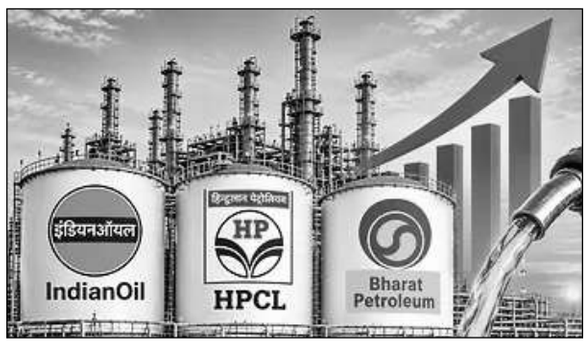

कंपनियों के बेहतर प्रदर्शन में मजबूत रिफाइनिंग मार्जिन और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भंडारण लाभ की अहम भूमिका रही। हालांकि, पेट्रोल-डीजल की बिक्री पर हो रहे नुकसान और एलपीजी सब्सिडी की बढ़ती बकाया राशि ने कंपनियों की चिंता बढ़ा रखी है।

तीनों कंपनियों का सितंबर तिमाही का संयुक्त मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले काफी अधिक रहा। वहीं, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनियों को संयुक्त रूप से लगभग 18,150 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस तरह दूसरी तिमाही में कंपनियों ने जोरदार वापसी की है। खास बात यह है कि सितंबर तिमाही का मुनाफा वित्त वर्ष 2025-26 में तीनों कंपनियों के कुल 77,281 करोड़ रुपये के लाभ का करीब 39 प्रतिशत है।

तीनों कंपनियों के प्रदर्शन में इंडियन ऑयल सबसे आगे रही। कंपनी ने सितंबर तिमाही में 21,630 करोड़ रुपये का अबतक का सर्वाधिक एकल शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की समान अवधि के 7,610 करोड़ रुपये का करीब तीन गुना है। यह कंपनी के पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के 36,802 करोड़ रुपये के मुनाफे का लगभग 59 प्रतिशत है। दूसरी ओर, बीपीसीएल का एकल शुद्ध लाभ 22.5 प्रतिशत घटकर 4,993 करोड़ रुपये और एचपीसीएल का मुनाफा नौ प्रतिशत कम होकर 3,483 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले की समान तिमाही में इन दोनों कंपनियों का मुनाफा काफी ऊंचा रहा था।

कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार रहा। एचपीसीएल को सितंबर तिमाही में प्रत्येक बैरल कच्चे तेल को पेट्रोल और डीजल में बदलने पर 32.15 डॉलर प्रति बैरल की कमाई हुई, जो पिछले साल की समान अवधि में 8.80 डॉलर थी। इसी तरह बीपीसीएल का रिफाइनिंग मार्जिन 10.78 डॉलर से बढ़कर 32.53 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। आईओसी को उसके रिफाइनिंग कारोबार के साथ पेट्रोरसायन और गैस कारोबार से भी अच्छा योगदान मिला। इसके अलावा, जून के मध्य से अगस्त के मध्य के बीच कच्चे तेल की कीमतों में अस्थायी गिरावट से कंपनी को करीब 7,000 करोड़ रुपये का भंडारण लाभ हुआ।

हालांकि, कंपनियों की वित्तीय स्थिति का दूसरा पहलू भी है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मई से स्थिर बनी हुई हैं, जबकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम मार्च से नहीं बदले हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा कीमतों में बदलाव नहीं होने से कंपनियों को बिक्री पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। उद्योग सूत्रों के मुताबिक, पिछले महीने तक कंपनियों को पेट्रोल की बिक्री पर चार से पांच रुपये और डीजल पर 18 से 20 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा था।

एलपीजी के मोर्चे पर भी कंपनियों का घाटा लगातार बढ़ रहा है। आईओसी के निदेशक (वित्त) अनुज जैन ने निवेशकों के साथ बातचीत में कहा कि एलपीजी पर प्रति सिलेंडर नुकसान सितंबर में 184 रुपये था, जो अक्टूबर में बढ़कर 229 रुपये हो गया। नवंबर में इसके 309 रुपये और दिसंबर में 370 रुपये प्रति सिलेंडर तक पहुंचने का अनुमान है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें बाजार के अनुरूप तय करने की व्यवस्था है, इसलिए इनकी बिक्री पर होने वाला नुकसान कंपनियों को खुद उठाना पड़ता है। वहीं, घरेलू एलपीजी की कीमतें नियंत्रित होने के कारण खुदरा बिक्री मूल्य और वास्तविक लागत के बीच के अंतर की भरपाई सरकार से अपेक्षित होती है। लेकिन सरकारी सब्सिडी समय पर नहीं मिलने से कंपनियों पर बकाया राशि का बोझ बढ़ रहा है।

कंपनियों की ओर से दाखिल वित्तीय नतीजों के अनुसार, सितंबर के अंत तक तीनों पेट्रोलियम कंपनियों को लागत से कम मूल्य पर बिक्री से 67,900 करोड़ रुपये तक का नुकसान हुआ है। इसमें आईओसी का हिस्सा 32,505.69 करोड़ रुपये, बीपीसीएल का 17,334.40 करोड़ रुपये और एचपीसीएल का 18,048.82 करोड़ रुपये रहा।

एक नजर

हुंदै की बिक्री अक्टूबर में 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अक्टूबर में अबतक की सर्वाधिक मासिक बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने बीते माह घरेलू बाजार और निर्यात मिलाकर कुल 82,299 वाहनों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.7 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने रविवार को जारी बयान में बताया कि अक्टूबर में उसकी घरेलू बिक्री 16.7 प्रतिशत बढ़कर 62,799 इकाई रही। वहीं निर्यात में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह बढ़कर 19,500 इकाई पर पहुंच गया। हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा कि त्योहारी मांग में मजबूती और घरेलू एवं निर्यात बाजारों में बेहतर प्रदर्शन के चलते कंपनी ने बिक्री का नया रिकॉर्ड हासिल किया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की बिक्री अक्टूबर में 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर, 2026 में थोक बिक्री सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर 8,013 वाहन पर पहुंच गई। कंपनी के अनुसार, हाल ही में पेश किए गए मॉडल एमजी हेक्टर टॉमहॉक ईवी और विंडसर इंडल्ज एडिशन को ग्राहकों की जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है। देशभर में इन मॉडल की डिलिवरी में भी तेजी देखने को मिल रही है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का संयुक्त उद्यम है।

चीनी एक सप्ताह में 62 रुपये महंगी, चावल, गेहूं समेत सभी जिंसों के भाव चढ़े

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चीनी औसतन 62 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी के साथ चावल, गेहूं, अधिकतर दालों और खाद्य तेलों के दाम भी बढ़ गए। चीनी में लगातार चौथे सप्ताह तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 62 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,506 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। वहीं, गुड़ तीन रुपये सस्ता हुआ। खुदरा बाजार में भी चीनी में 58 पैसे प्रति किलोग्राम की औसत बढ़त रही और यह 59.18 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 70 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 4,377 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं की कीमत 29 रुपये बढ़कर 2,939 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। आटा भी 18 रुपये महंगा हुआ और 3,395 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 162 रुपये और चना दाल की 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 34 रुपये और उड़द दाल 31 रुपये महंगी हुई। वहीं, मसूर दाल 33 रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। बीते सप्ताह सरसों तेल औसतन 233 रुपये और पाम ऑयल 51 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल में 39 रुपये और सोया तेल में 12 रुपये की तेजी रही। मूगफली तेल 11 रुपये चढ़ गया। वहीं, वनस्पति में 52 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 23 प्रतिशत बढ़कर 75,426 इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने रविवार को बताया कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अक्टूबर में उसकी कुल बिक्री 23 प्रतिशत बढ़कर 75,426 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने पिछले साल के इसी महीने में कुल 61,295 वाहन बेचे थे। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड (टीएमपीवीएल) ने बयान में कहा कि पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की उसकी बिक्री 21 प्रतिशत बढ़कर 73,894 इकाई हो गई, जो अक्टूबर, 2025 में 61,134 इकाई थी। इसमें कहा गया कि अंतरराष्ट्रीय कारोबार में यात्री वाहनों की बिक्री पिछले साल की 161 इकाइयों के मुकाबले बढ़कर अक्टूबर में 1,532 इकाई पर पहुंच गई।

सारदा एनर्जी का दूसरी तिमाही का मुनाफा 2.2 प्रतिशत घटकर 320 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत घटकर 320 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शनिवार को जारी बयान में इसकी जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 328 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2026 तिमाही में उसकी कुल आय 5.7 प्रतिशत घटकर 1,505 करोड़ रुपये रह गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 1,596 करोड़ रुपये थी। इस दौरान कंपनी की कर-पूर्व-आय (ईबीआईटीडीए) भी 2.7 प्रतिशत घटकर 564 करोड़ रुपये रही। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 580 करोड़ रुपये थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस अवधि में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4.5 प्रतिशत बढ़कर 799 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 764 करोड़ रुपये था। गौरतलब है कि सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड एक एकीकृत ऊर्जा एवं खनिज कंपनी है। कंपनी का कारोबार बिजली उत्पादन, खनन, इस्पात और फेरो अलॉय के क्षेत्रों में फैला हुआ है।

एचएमएसआई की अक्टूबर में कुल बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 7.34 लाख इकाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने रविवार को कहा कि घरेलू बाजार और निर्यात को मिलाकर अक्टूबर में उसकी कुल थोक बिक्री सालाना आधार पर 13 प्रतिशत बढ़कर 7.34 लाख इकाई हो गई। वाहन विनिमार्ता कंपनी ने अक्टूबर, 2025 में 6.50 लाख इकाइयां बेची थीं। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी की घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 5.98 लाख इकाई से 6.64 लाख इकाई हो गई, जबकि निर्यात 35 प्रतिशत बढ़कर 51,644 इकाई से 69,735 इकाई पर पहुंच गया। इस जापानी वाहन विनिमार्ता की कुल बिक्री इस साल अप्रैल-अक्टूबर में सालाना आधार पर 36.44 लाख इकाई से 15 प्रतिशत बढ़कर 41.74 लाख इकाई हो गई। इस दौरान घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 37.08 लाख इकाई हो गई, और निर्यात 28 प्रतिशत बढ़कर 4.65 लाख इकाई पर पहुंच गया।

महिंद्रा की अक्टूबर में बिक्री नौ प्रतिशत बढ़कर 1,31,109 इकाई के रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड की कुल वाहन बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 1,31,109 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। कंपनी के मुताबिक, अक्टूबर में निर्यात सहित कुल बिक्री में वृद्धि दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 77 प्रतिशत बढ़कर 7,102 इकाई रहा। घरेलू यात्री वाहन बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई हो गई, जबकि वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत की वृद्धि के साथ 33,037 इकाई रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा के वाहन कारोबार के अध्यक्ष वेलुसामी आर ने कहा कि अक्टूबर में कंपनी की एसयूवी बिक्री 73,338 इकाई और कुल वाहन बिक्री 1,31,109 इकाई रही, जो किसी भी महीने में अबतक का सर्वोच्च स्तर है।

स्कैब रोग से कश्मीरी सेब की आपूर्ति प्रभावित, दिवाली पर मांग बढ़ी

श्रीनगर, एजेंसी। देशभर की प्रमुख फल मंडियों में दिवाली से पहले कश्मीरी सेब की मांग बनी हुई है, लेकिन इस साल फसल के बड़े हिस्से में स्कैब रोग फैलने से आपूर्ति प्रभावित हुई है। सेब उत्पादकों और कारोबारियों ने यह जानकारी दी। कश्मीर फल उत्पादक एवं कारोबारी संघ के महासचिव जहूर अहमद तांत्रे ने कहा कि दिवाली के मौके पर कश्मीरी सेब की मांग अच्छी है। खासकर बड़े आकार के ग्रेड-ए सेब और उपहार पैक की मांग अधिक है। हालांकि, उन्होंने कहा कि स्कैब रोग के कारण फल मंडियों में सेब की आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं है।

तांत्रे ने कहा, "इस साल मंडियों में ग्रेड-बी और ग्रेड-सी के सेब अधिक आ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि प्राथमिक और द्वितीयक दोनों तरह का स्कैब रोग इस साल बड़े पैमाने पर फैला, जिससे सेब की गुणवत्ता काफी खराब हुई है। उन्होंने कहा कि मंडियों में आने वाले करीब 50 से 55 प्रतिशत और कुछ मामलों में 60 प्रतिशत तक सेब ग्रेड-बी और ग्रेड-सी के हैं। मौजूदा बाजार में इनकी मांग बहुत कम है।

तांत्रे ने कहा कि उत्पादन लागत समान रहने के बावजूद गुणवत्ता खराब होने से किसानों को नुकसान उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, ग्रेड-ए, बी या सी, किसी भी श्रेणी के सेब की उत्पादन लागत समान होती है। लेकिन बाजार में अच्छी कीमत केवल ग्रेड-ए के सेब को मिलती है। इस साल गुणवत्ता खराब होने से किसान, कारोबारी और खरीदार सभी चिंतित हैं। बिहार के सेब कारोबारी मोहम्मद सोहेल तनवीर ने कहा कि वह मौजूदा कीमतों से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा, फिलहाल कीमतें उचित हैं। लकड़ी का एक बॉक्स करीब 1,300 रुपये में बिक रहा है, जबकि गत्ते का एक डिब्बा 600 रुपये तक में मिल रहा है। तनवीर ने कहा कि दिवाली के कारण कीमतें अच्छी हैं और अच्छी गुणवत्ता वाले सेब भी मंडियों में पहुंच रहे हैं।

वाहनों की बिक्री में अक्टूबर में जबरदस्त तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में वाहनों की बिक्री में पिछले एक साल से अधिक समय से जारी तेजी अक्टूबर में भी बरकरार रही और मारुति सुजुकी इंडिया ने मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड कायम किया। देश की सबसे बड़ी यात्री वाहन निमार्ता मारुति सुजुकी की 2,16,789 इकाई दर्ज की गई। साथ ही निर्यात समेत कुल बिक्री 2,76,120 इकाई रही। दोनों ही नया मासिक रिकॉर्ड है। पिछले साल अक्टूबर के मुकाबले इनमें क्रमशः 20 प्रतिशत और 25 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई है।



देश की दूसरी सबसे बड़ी यात्री वाहन कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की घरेलू बिक्री 21 प्रतिशत और निर्यात 852 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 73,894 इकाई और 1,532 इकाई पर पहुंच गया। इस प्रकार यात्री वाहनों की उसकी कुल बिक्री 75,426 इकाई रही जो एक साल पहले की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। साथ ही निर्यात समेत इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री 75 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,244 इकाई रही। रेनो इंडिया की बिक्री साल-दर-साल 35 प्रतिशत बढ़कर अक्टूबर में 4,577 इकाई हो गई। इस साल जनवरी से अक्टूबर तक कंपनी ने 39,955 वाहन बेचे हैं जो पिछले साल की इसी अवधि से 31 प्रतिशत और साल 2025 के पूरे 12 महीने से करीब पांच प्रतिशत अधिक है।

हुंडई मोटर इंडिया ने भी मासिक बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाते हुए घरेलू बाजार में 62,799 और विदेशों में 19,500 यात्री वाहन बेचे। इनमें क्रमशः 16.7 फीसदी और 21.1 फीसदी की सालाना वृद्धि देखी गई। कुल बिक्री 17.7 प्रतिशत बढ़कर 82,299 इकाई रही जो अब तक उसका सबसे अच्छा मासिक प्रदर्शन है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 73,338 इकाई पर और निर्यात समेत कुल बिक्री 74,904 इकाई पर रही। अक्टूबर में उसने 33,037 इकाई वाणिज्यिक वाहन भी बेचे। इसमें चार फीसदी की वृद्धि रही।

वाणिज्यिक वाहनों के खंड में टाटा मोटर्स की बिक्री सालाना 27 प्रतिशत बढ़कर 47,652 इकाई रही। यह एक साल पहले अक्टूबर में 37,530 इकाई थी। इसमें घरेलू बाजार में उसने 39,784 वाणिज्यिक वाहन और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 7,868 वाणिज्यिक वाहन बेचे। इनमें क्रमशः 13 फीसदी और 225 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

आयशर मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 34.9 फीसदी बढ़कर 10,861 इकाई रही। इसमें घरेलू बिक्री में 36.9 प्रतिशत और निर्यात में 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। इनका आंकड़ा क्रमशः 9,676 इकाई और 911 इकाई रहा।

महिंद्रा के ट्रैक्टरों की घरेलू बिक्री 13 फीसदी घटकर 62,626 इकाई और निर्यात 40 प्रतिशत बढ़कर 2,220 इकाई पर रहा। कंपनी का कहना है कि इस साल दिवाली अक्टूबर की बजाय नवंबर में होने से अक्टूबर में बिक्री में गिरावट देखी गई है।

अक्टूबर में जीएसटी कलेक्शन 23 प्रतिशत उछलकर 2.31 लाख करोड़ रुपए पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की आर्थिक गतिविधियों में मजबूती के बीच अक्टूबर 2026 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। सरकार द्वारा रविवार को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में सकल जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 22.9 प्रतिशत बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले वर्ष अक्टूबर 2025 में 1.88 लाख करोड़ रुपए था।

रिफंड को समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी राजस्व 25.6 प्रतिशत बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 1.61 लाख करोड़ रुपए था। यह वृद्धि घरेलू आर्थिक गतिविधियों में तेजी और आयात से मिलने वाले कर राजस्व में उल्लेखनीय उछाल का संकेत देती है।

आंकड़ों के अनुसार, घरेलू जीएसटी संग्रह अक्टूबर में 15.8 प्रतिशत बढ़कर 1.59 लाख करोड़ रुपए हो गया। वहीं आयात से प्राप्त राजस्व में और भी तेज वृद्धि दर्ज की गई, जो 42.2 प्रतिशत बढ़कर 72,246 करोड़ रुपए पहुंच गया।

घरेलू जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) का योगदान 42,935 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) का 51,340 करोड़ रुपए और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) का 64,769 करोड़ रुपए रहा। दूसरी ओर आयात से प्राप्त आईजीएसटी संग्रह अक्टूबर 2025 के 50,796 करोड़ रुपए से बढ़कर इस वर्ष 72,246 करोड़ रुपए हो गया।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) के दौरान सकल जीएसटी संग्रह 13.2 प्रतिशत बढ़कर 14.77 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 13.05 लाख करोड़ रुपए था। इसी अवधि में शुद्ध जीएसटी राजस्व 12.6 प्रतिशत बढ़कर 12.69 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले 11.27 लाख करोड़ रुपए था।

सरकार ने यह भी बताया कि अक्टूबर में जीएसटी रिफंड में वृद्धि दर्ज की गई। कुल रिफंड 6.5 प्रतिशत बढ़कर 27,934 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह 26,225 करोड़ रुपए था। घरेलू रिफंड 9.8 प्रतिशत बढ़कर 14,007 करोड़ रुपए हुआ, जबकि आईसीईजीएटीई के माध्यम से संसाधित निर्यात रिफंड 3.4 प्रतिशत बढ़कर 13,927 करोड़ रुपए पहुंच गया।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर फिर महंगा, दिल्ली में 10 रुपये बढ़ी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों से पहले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं, हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने रविवार से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी।

इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है। अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है। इस साल अगस्त के बाद यह लगातार तीसरी बार है जब वाणिज्यिक रसोई गैस महंगी हुई है। तीन बार में दिल्ली में इसकी कीमत 82 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी है।

गत 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संकट की शुरूआत के बाद से ही वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम ऊपर बने हुए हैं। पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर से दिल्ली में अभी इसकी कीमत 1,079.50 रुपये ऊपर है। वहीं, घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के मूल्य में गत 07 जून के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में 942 रुपये और कोलकाता में 968 रुपये है। मुंबई में यह 941.50 रुपये का और चेन्नई में

डॉ. मांडविया ने ईपीएफओ की व्हाट्सएप सेवाओं का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने रविवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में अपना 74वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ईपीएफओ की दो नई सेवाओं की घोषणा की। पहली, सदस्य अब ईपीएफओ की सत्यापित व्हाट्सएप सेवा के माध्यम से अपने पीएफ बैलेंस, हाल की लेनदेन जानकारी और पासबुक संबंधी विवरण प्राप्त कर सकेंगे। दूसरी, आधार सत्यापित और 1,000 रुपए तक की राशि वाले निष्क्रिय ईपीएफ खातों का स्वतः निपटारा किया जाएगा, जिससे लगभग 1 लाख खाताधारकों को लाभ मिलने और करीब 5 करोड़ रुपए उनके खातों में पहुंचने की उम्मीद है।



एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि समारोह के दौरान ईपीएफओ ने सात महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन भी किया, जिनमें सामाजिक सुरक्षा, प्रशासनिक सुधार, न्यायिक निर्णयों, हिंदी साहित्य और संवेदनशील प्रशासन से जुड़े विषय शामिल हैं। इसके अलावा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रीय कार्यालयों, अधिकारियों और कर्मचारियों को भविष्य निधि पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया।

इस दौरान, डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि ईपीएफओ पिछले 74 वर्षों में एक साधारण भविष्य निधि संस्था से विकसित होकर देश की सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा संस्थाओं में शामिल हो चुका है। उन्होंने कहा कि संगठन पर करोड़ों श्रमिकों और पेंशनभोगियों का भरोसा इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

डॉ. मांडविया ने कहा कि ईपीएफओ आज 8 करोड़ से अधिक अंशधारक सदस्यों और 85 लाख पेंशनभोगियों से जुड़ा हुआ है तथा लगभग 32 लाख करोड़ रुपए के रिटायरमेंट फंड का प्रबंधन कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि संगठन के कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और वर्षों की मेहनत का परिणाम है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि सामाजिक सुरक्षा केवल प्रक्रियाओं से नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं से संचालित होनी चाहिए। हर श्रमिक की समस्या को सहानुभूति और सम्मान के साथ हल करना जरूरी है क्योंकि श्रमिक ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं।

मांडविया ने आगे कहा कि ईपीएफओ को अगले वर्ष अपने 75वें स्थापना दिवस की ओर बढ़ते हुए श्रमिक-केंद्रित नवाचारों पर अधिक ध्यान देना होगा। उन्होंने अधिकारियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'पंच प्रण' से प्रेरणा लेने और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी बदलावों के बावजूद अंतिम लक्ष्य श्रमिकों और पेंशनभोगियों को बेहतर सेवाएं देना होना चाहिए।

वहीं, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र भूषण कुमार ने कहा कि ईपीएफओ ने सात दशकों से अधिक समय में भारत की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा और श्रम सुधारों का लाभ केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों तक भी पहुंचना चाहिए। उनके अनुसार, डिजिटल युग में सुधार एक निरंतर प्रक्रिया है और संस्थाओं को समय के साथ खुद को लगातार बदलते रहना होगा।

स्थापना दिवस समारोह के दौरान ईपीएफओ की तकनीकी पहल सीटीज 2.01 की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया। संगठन ने बताया कि अक्टूबर 2026 में दावों के निपटारे का औसत समय घटकर 2.57 दिन रह गया है। इससे सदस्यों को अपने भविष्य निधि खाते से जुड़ी सेवाएं पहले की तुलना में अधिक तेज और सुविधाजनक ढंग से मिल रही हैं।

केंद्रीय भविष्य निधि आयुक्त ने कहा कि ईपीएफओ की सफलता केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि हर उस दावे, पेंशन और सहायता से मापी जानी चाहिए जो सही समय पर लाभार्थियों तक पहुंचती है। उन्होंने कहा कि संगठन का अंतिम लक्ष्य प्रत्येक सदस्य और पेंशनभोगी को सुरक्षा, सम्मान और विश्वास की भावना प्रदान करना है।

भारत VS न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

पाकिस्तान ने जीती त्रिकोणीय सीरीज... श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में चेज किए 326 रन



लाहौर। पाकिस्तान ने लाहौर में खेले गए त्रिकोणीय वनडे सीरीज के फाइनल में श्रीलंका को तीन विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान ने 326 रन के मुश्किल लक्ष्य को 48.3 ओवर में सात विकेट खोकर हासिल किया। इसके साथ ही टीम ने वनडे फाइनल में सबसे बड़े लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले भारत ने 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ नेटवेस्ट ट्रॉफी के फाइनल में 326 रन का लक्ष्य हासिल किया था। टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने आठ विकेट पर 325 रन बनाए। उसके लिए कामिंदु मेंडिस ने शानदार शतकीय पारी खेली। उन्होंने 128 गेंदों में 131 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और दो छक्के शामिल थे।

हार्दिक पांड्या का बड़ा दिल... बेसबॉल चैलेंज में जीते लाखों रुपये, जरूरतमंदों को दे दिए दान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या इन दिनों क्रिकेट के मैदान से दूर हैं, लेकिन लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इस बार हार्दिक अपने क्रिकेट बैट नहीं, बल्कि बेसबॉल बैट से कमाल दिखाने को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने मशहूर कंटेंट क्रिएटर मिस्टर बीस्ट के साथ बेसबॉल चैलेंज में हिस्सा लिया और करीब 94.9 लाख रुपये की इनामी राशि अपने नाम की। खास बात यह है कि हार्दिक ने जीती हुई पूरी रकम चैरिटी के लिए दान कर दी। दरअसल, मिस्टर बीस्ट ने अपने एक वीडियो के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को शामिल किया था। इसमें क्रिकेट जगत से हार्दिक पांड्या को मौका दिया गया। इस चैलेंज में प्रतिभागियों को बेसबॉल बैट से गेंद को मैदान के बाहर पहुंचाना था। मुकाबले में ज्यादा होम रन लगाने वाले खिलाड़ी को विजेता बनना था।



हायलो ओपन

सिंधू और लक्ष्य सेन फाइनल में पहुंचे

लगातार दूसरे सप्ताह खिताब जीतने का मौका



नई दिल्ली। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने हायलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया। जर्मनी के सारब्रूकेन में शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने सीधे गेम में जीत दर्ज की। इसके साथ ही भारत के पास महिला और पुरुष एकल दोनों वर्गों में खिताब जीतने का मौका है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने हमवतन अनमोल खरब को 21-13, 21-16 से हराया। वहीं, लक्ष्य सेन ने फ्रांस के विश्व नंबर-13 टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से शिकस्त दी।

दूसरे सप्ताह फाइनल में पहुंचीं सिंधू

पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने अपनी शानदार लय जारी रखी। उन्होंने महिला एकल के सेमीफाइनल में 19 वर्षीय अनमोल खरब को कोई मौका नहीं दिया। पहले गेम में अनमोल ने शुरुआती बढ़त जरूर बनाई, लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव और आक्रामक खेल के दम पर वापसी की। उन्होंने पहला गेम 21-13 से जीता।दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच शुरुआत में कड़ी टक्कर देखने को मिली। एक समय अनमोल 15-13 से आगे थीं, लेकिन सिंधू ने लगातार अंक हासिल करते हुए स्कोर 15-15 कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी बढ़त बनाई और 21-16 से गेम जीतकर फाइनल में जगह पक्की कर ली। जीत के बाद सिंधू ने कहा, 'मैं काफी लंबे समय बाद उनके खिलाफ खेल रही थी। यह देखकर अच्छा लगा कि सेमीफाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी पहुंची थीं। हालांकि, मेरे लिए प्रतिद्वंद्वी कौन है या उसकी रैंकिंग क्या है, इससे फर्क नहीं पड़ता। मैं सिर्फ अपना खेल खेल रही थी और अपना शत-प्रतिशत दे रही थी। मुझे खुशी है कि मैंने फाइनल में जगह बनाई।' फाइनल में सिंधू का सामना डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त लाइन होजमार्क कजर्सफेल्ट से होगा।

लक्ष्य सेन ने पोपोव को दी शिकस्त

पुरुष एकल के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन ने फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव को 21-17, 21-13 से हराया। इस साल ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के बाद से लक्ष्य खराब दौर से गुजर रहे थे। चोट और फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण भी उनका प्रदर्शन प्रभावित हुआ था। हालांकि, जर्मनी में उन्होंने शानदार वापसी की। पहले गेम में पोपोव ने लक्ष्य को चुनौती दी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी रक्षात्मक क्षमता और सटीक स्मैश के दम पर 21-17 से गेम जीत लिया। दूसरे गेम में लक्ष्य ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा। उन्होंने ब्रेक तक चार अंकों की बढ़त बना ली और बाद में इसे सात अंकों तक पहुंचा दिया। अंत में शानदार स्मैश के साथ उन्होंने मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लड़ने का जज्बा नहीं दिखा...हार बर्दाश्त नहीं कर पाए वॉर्नर

केपटाउन / नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में है। टीम के निराशाजनक प्रदर्शन से नाराज पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने खिलाड़ियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केपटाउन टेस्ट में मिली हार को शर्मनाक बताते हुए कहा कि टीम में संघर्ष करने का जज्बा नजर नहीं आया। वॉर्नर ने इस प्रदर्शन को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मूल्यों के भी खिलाफ बताया।

केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर खेले गए सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 288 रनों का लक्ष्य मिला था। हालांकि, पांचवें दिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पहले ही ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद टीम दबाव से उबर नहीं सकी। महज 18 ओवर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 42 रन पर छह विकेट हो गया। इसके बाद पूरी टीम 111 रनों पर सिमट गई। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।वॉर्नर ने 'फॉक्स स्पोर्ट्स' से बातचीत में टीम के प्रदर्शन पर निराशा जताते हुए कहा, 'मैं बहुत निराश हूं। यह बहुत बुरा है। यह ऑस्ट्रेलियाई मूल्यों के खिलाफ है। टीम में लड़ने का कोई जज्बा ही नहीं दिखा। यह शर्मनाक है। 288 रन का लक्ष्य था। आप टेस्ट मैच जीत सकते थे और सीरीज भी अपने नाम कर सकते थे। सब कुछ दांव पर लगा था। क्या वह इसी तरह खेलते हैं?' उन्होंने आगे कहा कि पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने गेंदबाजों को निराश किया। पहले टेस्ट में मैट रेनशॉ को छोड़कर बाकी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। वॉर्नर ने कहा कि बल्लेबाजों को कगिसो रबाडा जैसे तेज गेंदबाज की चुनौती का अंदाजा होना चाहिए था, लेकिन वे उसका सामना करने में नाकाम रहे।



तीनों टेस्ट में देखने को मिली शानदार वापसी

इस टेस्ट सीरीज की खास बात यह रही कि तीनों मुकाबलों में मुश्किल परिस्थितियों में पिछड़ने वाली टीम ने शानदार वापसी की। डरबन में खेले गए पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने एक समय 124 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे। हालांकि, इसके बाद टीम ने वापसी करते हुए पहली पारी में 390 रन बनाए। इस प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने मुकाबला 214 रनों से जीत लिया।दूसरे टेस्ट में गेबेरहा में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 110 रन पर छह विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बावजूद मेजबान टीम ने 425 रन पर नौ विकेट के स्कोर पर पारी घोषित कर दी और ऑस्ट्रेलिया को एक पारी और 31 रनों से शिकस्त दी।

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती

हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।



एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।

सर्दियों में आपकी सेहत



इन सर्दियों में यदि आप अपनी सेहत बनाने की सोच रहे हैं तो सबसे पहले पेट साफ करने की जरूरत है। पेट में कब्ज रहेगा तो कितने ही पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें, लाभ नहीं होगा। भोजन समय पर तथा चबा-चबाकर खाना चाहिए, ताकि पाचन शक्ति ठीक बनी रहे, फिर पौष्टिक आहार या औषधि का सेवन करना चाहिए। आचार्य चरक ने कहा है कि पुरुष के शरीर में वीर्य तथा स्त्री के शरीर में ओज होना चाहिए, तभी चेहरे पर चमक व कांति नजर आती है और शरीर पुष्ट दिखता है। हम यहाँ कुछ ऐसे पौष्टिक पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं, जिन्हें किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक के लोग सेवन कर लाभ उठा सकते हैं और बलवान बन सकते हैं-

- सोते समय एक गिलास मीठे गुनगुने गर्म दूध में एक चम्मच शुद्ध घी डालकर पीना चाहिए।
- दूध की मलाई तथा पिसी मिश्री जरूरत के अनुसार मिलाकर खाना चाहिए, यह अत्यंत शक्तिवर्द्धक है।
- एक बादाम को पत्थर पर घिसकर दूध में मिलाकर पीना चाहिए, इससे अपार बल मिलता है। बादाम को घिसकर ही उपयोग में लें।
- छाछ से निकाला गया ताजा माखन तथा मिश्री मिलाकर खाना चाहिए, ऊपर से पानी बिलकुल न पिएँ।
- 50 ग्राम उड़द की दाल आधा लीटर दूध में पकाकर खीर बनाकर खाने से अपार बल प्राप्त होता है। य ह खीर पूरे शरीर को पुष्ट करती है।
- प्रातः एक पाव दूध तथा दो-तीन केले साथ में खाने से बल मिलता है, कांति बढ़ती है।



- एक चम्मच असगंध चूर्ण तथा एक चम्मच मिश्री मिलाकर गुनगुने एक पाव दूर के साथ प्रातः व रात को सेवन करें, रात को सेवन के बाद कुल्ला कर सो जाएँ। 40 दिन में परिवर्तन नजर आने लगेगा।
- सफेद मूसली या धोली मूसली का पावडर, जो स्वयं कूटकर बनाया हो, एक चम्मच तथा पिसी मिश्री एक चम्मच लेकर सुबह व रात को सोने से पहले गुनगुने एक पाव दूध के साथ लें। यह अत्यंत शक्तिवर्धक है।
- सुबह-शाम भोजन के बाद सेवफल, अनार, केले या जो भी मौसमी फल हों, खाएँ।
- सुबह एक पाव ठंडे दूध में एक बड़ा चम्मच शहद मिलाकर पीने से खून साफ होता है, शरीर में खून की वृद्धि होती है।
- प्याज का रस 2 चम्मच, शहद 1 चम्मच, घी चौथाई चम्मच मिलाकर सेवन करें और स्वयं शक्ति का चमत्कार देखें। यह नुस्खा यौन शक्ति बढ़ाने में अचूक है। ऊपर वर्णित नुस्खे स्त्री-पुरुष दोनों के लिए समान हैं। इन्हें अनुकूल मात्रा में उचित विधि से सुबह-रात को सेवन करना चाहिए।
- भोजन में घी, दूध, चावल, उड़द, नारियल, मलाई, मक्खन, शहद, मौसमी फल, हलवा, हरी साग-भाजी, टमाटर, गाजर, आँवला आदि का सेवन करना चाहिए।
- सर्दियों में बादाम का हलवा, दूध में पकाया हुआ छुहारा, मीठा अनार, प्याज का रस, नारियल की गिरी और दूध की खीर, उड़द दाल का लड्डू, गन्ना रस, सौंठ और काली मिर्च तथा मैथी का लड्डू बहुत फायदेमंद है। योग्य वैद्य की सलाह अवश्य लेनी चाहिए, ताकि अपने शरीर के अनुकूल पथ्य-अपथ्य का चयन किया जा सके।
- चिकनाईयुक्त, मधुर, लवण और अम्ल रस वाले पदार्थ का सेवन करके अपना स्वास्थ्य बनाए रखें। बासी, दुर्गंधयुक्त, अधिक चटपटे मसालेदार खानपान से बचना ही श्रेयस्कर है।
- ठीक समय पर, चबा-चबाकर प्रसन्नतापूर्वक भोजन करना चाहिए। भोजन के पूर्व नीबू पानी और भोजन के पश्चात छाछ पीना लाभदायक होता है।
- इस ऋतु में रूखे, कटु-तिक्त-कषाय, अति शीतल और वात प्रधान भोज्य पदार्थ न खाएँ । अन्यथा जोड़ों के दर्द, गठिया और सायटिका से पीड़ित हो सकते हैं। इसी प्रकार अधिक खटाई से भी बचें, ताकि खाँसी-सर्दी, जुकाम, नजला आदि से बचाव हो सके। नीबू और ताजा दही वर्जित नहीं है।
- शीतऋतु में अधिक देर तक भूखे न रहें, क्योंकि जठराग्नि की प्रबलता के कारण यथासमय भोजन नहीं करने से यह अग्नि शरीर की धातुओं को जला डालती है, जिससे जीवन-शक्ति का क्षय होता है।
- सेहत बनाने के लिए प्रतिदिन स्नान भी जरूरी है। कुछ लोग ठंड के डर से कई दिन तक नहाते नहीं, यह उचित नहीं। पानी कुनकुना कर लेना चाहिए। अत्यधिक ठंडा और अधिक गर्म पानी नुकसान पहुँचाता है।
- मल-मूत्र विसर्जन में आलस्य नहीं करना चाहिए। रात को सिर ढँककर सोना भी उचित नहीं होता।

स्वस्थ रहने के आसान उपाय



सुबह जल्दी उठो और 4- 6 किलोमीटर रोज टहलो। संभव हो तो शाम को भी थोड़ा टहलो। टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से 2. टहलते समय नाक से लम्बी- लम्बी सांसें लो तथा यह भावना करो कि टहलने से आप अपने स्वास्थ्य को संवार रहे हैं।

टहलने के अलावा, दौडना़, साइकिल चलाना, घुड़सवारी, तैरना या कोई भी खेलकूद, व्यायाम के अच्छे उपाय हैं। स्त्रियां चक्की पीसना,,रस्सीकूदना, पानी भरना, झाड़ू- पोछा लगाना आदि घर के कामों में भी अच्छा व्यायाम कर सकती हैं। रोज थोड़े समय छोटे बच्चों के साथ खेलना, 10- 15 मिनट खुलकर हंसना भी अच्छे व्यायाम के अंग हैं।

प्रातः टहलने के बाद भूख अच्छी लगती है। इस समय पौष्टिक पदार्थों का सेवन करें। अंकुरित अन्न, भीगी मूंगफली, आंवला या इससे बना कोई पदार्थ, संतरा या मौसम्मी का रस अच्छे नाश्ता का अंग होते हैं। भोजन सादा करो एवं उसे प्रसाद रूप में ग्रहण करो, शांत, प्रसन्न और निश्चिन्तता पूर्वक करो और उसे अच्छी तरह चबाचबा कर खाओ। खाते समय न बात करो और न हंसो। एकाग्र चित्त होकर भोजन करना चाहिए। भूख से कम खाओ अथवा आधा पेट खाओ, चौथाई पानी के लिए एवं चौथाई पेट हवा के लिए खाली छोड़ो।

भोजन में रोज अंकुरित अन्न अवश्य शामिल करो। अंकुरित अन्न में पौष्टिकता एवं खनिज लवण गुणात्मक मात्रा में बढ़ जाते हैं। इनमें मूंग सर्वोत्तम है। चना, अंकुरित या भीगी मूंगफली इसमें थोड़ी मेथी दाना एवं चुटकी भर- अजवायन मिला लें तो यह कई रोगों का प्रतिरोधक एवं प्रभावी ईलाज है।

मौसम की ताजा हरी सब्जी और ताजे फल खूब खाओ। जितना हो सके कच्चे खाओ अन्यथा आधी उबली/ उबली तथा कम मिर्च- मसाले, खटाई की सब्जियां खाओ। एक ग्रास रोटी के साथ चार ग्रास सब्जी के अनुपात का प्रयास रखो।

आटा चोकर समेत खाओ, सम्भव हो तो हाथ का पिसा हुआ खाओ। जौ, गेहूं, चना, सोयाबीन का मिस्सी रोटी का आटा सुपाच्य एवं पौष्टिक होता है। पौष्टिकता की दृष्टि से रोटी में हरी सब्जी, पालक, मेथी, बथुआ आदि पत्तीदार सब्जी मिलाकर बनायें / खायें। दलिया / खिचड़ी में भी पत्तीदार एवं हरी सब्जियाँ मिलाकर पौष्टिकता बढ़ाई जा सकती है। सब्जियों के सूप का नित्य सेवन पौष्टिक एवं हलके भोजन का अच्छा अंग हो सकता है। भोजन के साथ पानी कम से कम पियो। दोपहर के भोजन के घंटे भर बाद पानी पियें । भोजन यदि कड़ा और रूखा हो तो 2- 4 घूंट पानी अवश्य पियें।

प्रातः उठते ही खूब पानी पियो। दोपहर भोजन के थोड़ी देर बाद छाछ और रात को सोने के पहले उष्ण दूध अमृत समान है। दिन में कम से कम दो-तीन लीटर पानी अवश्य पियो। धूम्रपान, मादक पेय- पदार्थ (जरदा, गुटखा, सॉफ्ट ड्रिंक जैसे कोकाकोला, पेप्सी इत्यादि एवं शराब आदि) सर्वथा छोड़ दो। चाय- कॉफी आदि के स्थान पर सादा ठंडा या गुनगुना पानी, नींबू पानी, छाछ, गाजर, पालक चुकन्दर, लौकी, टमाटर इत्यादि सब्जियों का एव मौसम्मी या संतरा, पपीता इत्यादि फलों के रस का उपयोग लाभकारी होता है। डाइबीटीज (शक्कर) के रोगी को शक्कर या उससे बने पदार्थों से पूर्ण परहेज करना चाहिए। फलों में अधिक मीठे फल का सेवन कम करें। फल के रस के बजाय फल खायें। मेथी दाना और करेला मधुमेह रोग की राम बाण दवा है। मैथी दाना रोज 18/24 घंटे पानी में, जहां तक संभव हो सके मिट्टी के बर्तन में भिगोयें। दूसरे दिन सुबह नाश्ते के पहले या बाद में दानामेथी का पानी पी लें। दानामेथी अंकुरित कर सलाद में या नमक, नींबू लगाकर भी खा सकते हैं।

लाभदायक है सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन



सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सिंघाड़े आसानी से प्राप्त हो जाते है और यह खाने में बहुत स्वादिष्ट होते है। सिंघाड़ा हमारी सेहत के लिए बहुत लाभदायक होता है इसमें पाएं जानें वाले पौष्टिक तत्व हमारी शरीर को तंदरूस्त रखने में मदद करते है। सिंघाड़े में वैसे तो विटामिन बी,फाइबर और भी कई पौष्टिक तत्त्व पाएं जाते है पर विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते है जो हमारी त्वचा को सुंदर बनाने में मदद करते है। हमारे शरीर को भी शक्ति प्रदान करता है।

- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा में चमक तो आती ही है और त्वचा निखारने में भी मदद करता है।
- कच्चे सिंघाड़े का सेवन करने से शरीर में खून की मात्रा बढ़ जाती है।
- सर्दियों में सिंघाड़े का सेवन करना काफी लाभदायक होता है ,सिंघाड़े खाने से त्वचा तो निखरती ही है और साथ ही खुश्की की समस्या भी दूर हो जाती है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से त्वचा संबंधी सभी रोगों से छुटकारा मिलता है जैसे धूप की अल्ट्रावायलेट किरणों से भी त्वचा की रक्षा करता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से गले में होने वाली खराश से राहत मिलती है और खांसी से भी छुटकारा मिलता है।
- सिंघाड़े का सेवन करने से हमें कई रोगों से राहत मिलती है जैसे पीलिया के रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।
- सिंघाड़े खाने से त्वचा पर पड़ने वाली झुर्रियों से भी राहत मिलती है।

औषधीय गुणों से भरपूर अजवायन



- अजीर्ण की शिकायत होने पर अजवायन का तेल तथा अर्क शीघ्र लाभ देते हैं।
- उदर शूल होने पर भी अजवायन का अर्क या तेल दें।
- दांत दर्द करते हों तो अजवायन को धीरे-धीरे चबाएं। चबाते समय दबाव कम डालें। रस निगल जाएं।
- मुंह से दुर्गंध आती हो तो भी अजवायन चबाया करें।
- सर्दी का बुखार परेशान करता हो तो अजवायन को गुड़ के साथ खाया करें। 5-6 दिनों में पूर्ण ठीक हो जाएंगे।
- जिन्हें सूतिका बुखार हो जाए, वह अजवायन का सेवन करें।
- प्रसूता नारियों को अजवायन खिलाने पर उनकी भूख खुल जाती है। उनकी पाचन शक्ति में वृद्धि होने लगती है।
- वायु गोला की शिकायत होने पर अजवायन एक चम्मच, काला नमक चौथाई चम्मच, पीस-छानकर ताजा पानी से लें।
- बार-बार पेशाब की शिकायत होने पर अजवायन तथा तिल मिलाकर रोगी को खिलाएं।
- गुर्दे का दर्द हो तो गुड़, पिसी कच्ची अजवायन, दोनों एक समान मात्रा में लें। मात्रा एक चम्मच, दिन में 4 बार।
- शरीर में शक्ति संचार करने के लिए यह चूर्ण, दिन में 2 बार, आधा चम्मच एक समय, ताजा पानी से दें।
- फोड़ा-फुंसी की सूजन होने पर नींबू के रस में अजवायन पीसकर दिन में 2 बार लेप करें।

एरोबिक्स यानी डांस, फन, रिदम और हेल्थ



स्वस्थ और सुंदर दिखने के नुस्खे दादी मां के पिटारे से लेकर आधुनिक साजो-सामान में बिखरे पड़े हैं। प्रत्येक समय, काल में सुंदरता का पैमाना भी परि?वर्तित हुआ है। जहाँ प्राचीन समय में गहनों से लकदक, लहराती केश राशि से सुसज्जित, सजीली-लजीली सुंदरियों का वर्चस्व था तो आज टाईट जींसधारी, लंबी, दुबली, छरहरी काया सुंदरता के मानदंड में शामिल है। प्रत्येक स्त्री अपनी सुंदरता के प्रति सजग है। अधिक चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए डाइटिंग, योग, व्यायाम या एरोबिक्स का सहारा लेती है। बढ़ते हुए वजन या थुलथुल शरीर से चिंताग्रस्त, सदैव उदास और थका हुआ महसूस करने वाली स्त्रियां तथा जो अपनी व्यस्तता के कारण व्यायाम नहीं कर पाती या बेडौल काया के कारण योग क्लास, हेल्थ क्लब जाने में संकोच करने वाली स्त्रियों के लिए एरोबिक्स वरदान साबित हुआ है। एरोबिक्स यानी संगीत की धुन पर किए जाने वाले व्यायाम। एरोबिक्स करने के लिए कोई विशेष साजो-सामान की जरूरत नहीं होती। बस पर्याप्त स्थान हो, इस हेतु आप कमरे से फर्नीचर हटाकर स्थान बना सकती है। पॉप, रॉक, जाज संगीत का कोई कैसेट या कर्णप्रिय धुन तथा तेज लय वाला कोई भी कैसेट लेकर उसी आधार पर नृत्य करें। कैसेट लेते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि व्यायाम के समय जिन अंगों को रिद्?म पर थिरकन देना है उसके लिए सही रिद्?म और संगीत उस कैसेट में अवश्य हो। इन धुनों पर जॉगिंग, रनिंग, साइकिलिंग, तैराकी, जैसी गति में थिरकन की जाती है। इस हेतु जेनफौंडा द्वारा तैयार किए गए लयात्मक योग व्यायाम की कैसेट बाजार में उपलब्ध है। भारतीय सिने अभिनेत्री रेखा ने भी एरोबिक्स पर एक ऑडियो कैसेट माइंड एंड बॉडी तैयार किया है। इसमें योग और व्यायाम को लेकर एरोबिक्स के लिए धुन तैयार की है। अनीता राज, शिल्पा शेट्टी ने भी वीडियो कैसेट तैयार किए हैं। एरोबिक्स व्यायाम अकेले भी किए जा सकते हैं और समूह के साथ भी। समूह के साथ करने का अलग ही मजा है। सप्ताह में तीन-चार बार या समय उपलब्ध होने पर प्रतिदिन भी व्यायाम किया जा सकता है। वैसे भी अपेक्षाकृत इसमें बहुत ही कम समय लगता है। लगभग दस से बीस मिनट लगते हैं।

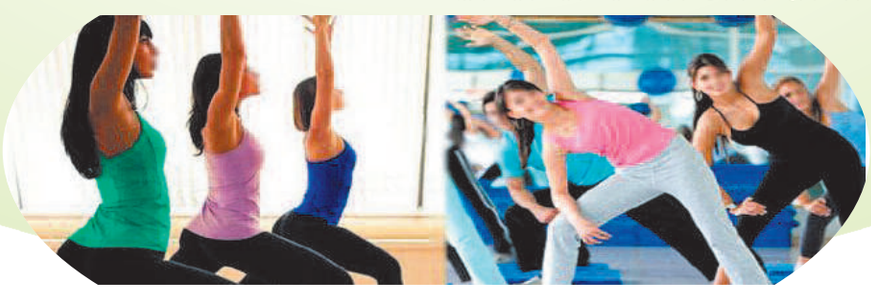

एरोबिक्स करने वाले लोगों का कहना है कि वे इस अनूठे नृत्य व्यायाम से तन-मन की प्रसन्नता महसूस करते हैं और शरीर पर जमी अनावश्यक चर्बी गायब हो जाती है। इन्हें करने के लिए कोई शिक्षक हो यह आवश्यक नहीं। एरोबिक्स के बारे में संगीत के रसिक तथा उद्योगपति का मानना है कि इस व्यायाम से उनमें अधिक चुस्ती-फुर्ती आती है और वे अधिक हल्का महसूस करते हैं। संगीत की सुमधुर आवाज तनाव, चिंता दूर करने में सहायक है। एरोबिक्स निश्चय ही जीवन में अनोखा बदलाव लाता है। होटलों, हेल्थ क्लबों, ब्यूटी पार्लर्स, यहां तक की कई लोगों ने निजी कक्षाएँ भी खोल ली हैं, जहां 100 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक फीस वसूली जाती है। आप अपने स्टैंडर्ड के अनुसार इन कक्षाओं में शामिल हो सकते हैं या घर में ही मुफ्त में इसका आनंद उठा सकते हैं।

घर के कामकाज से कम होता है तनाव

अगर आप तनाव के दौर से गुजर रहे हैं तो घरेलू कामकाज कीजिए। महज 20 मिनट का घरेलू काम आपको राहत देगा। आपका तनाव भागेगा और मानसिक रूप से आप स्वस्थ महसूस करेंगे। ब्रिटेन के अनुसंधानकर्ताओं का मानना है कि सप्ताह में कम से कम एक बार घरेलू कामकाज जैसी शारीरिक गतिविधियों के जरिये तनाव को कम किया जा सकता है। इसमें साफ-सफाई, बाग-बगीचे की देखभाल, मकान का रखरखाव आदि भी शामिल हैं। इस निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए लंदन के यूनिवर्सिटी कॉलेज के मार्क हेमर के नेतृत्व में एक अध्ययन किया गया। उन्होंने अपने अध्ययन में 20000 लोगों को शामिल किया और उनकी दिमागी हालत को जानने का प्रयास किया।

यूं तो नियमित कसरत को मानसिक स्वास्थ्य के लिए बढ़िया माना जाता है, लेकिन विशेषज्ञ कभी इस बात पर राजी नहीं हो सके कि किस तरह की और कितनी कसरत करना चाहिए।





फिल्म ओम में दमदार पुलिस अफसर के किरदार में नजर आएंगी अभिनेत्री साई पल्लवी

भारतीय सिनेमा के जाने-माने निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म ओम को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्सुकता बनी हुई है। इस फिल्म में तमिल सिनेमा के सुपरस्टार धनुष और मलयालम सिनेमा के महानायक ममूटी मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म की प्रमुख अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार से पर्दा हटाकर प्रशंसकों के उत्साह को कई गुना बढ़ा दिया है। साई पल्लवी इस फिल्म में नित्या रेड्डी नाम की एक जांबाज और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस घोषणा के बाद से ही साई पल्लवी के नए और सख्त अवतार को देखने के लिए दर्शकों की बेताबी साफ नजर आ रही है। दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की मौजूदगी भी इस प्रोजेक्ट को और अधिक भव्य और प्रासंगिक बनाती है। फिल्म के शीर्षक के साथ चैप्टर 1 जोड़ा गया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत देता है कि यह एक बहुस्तरीय कहानी है और भविष्य में इसका सीक्वल भी दर्शकों के सामने आ सकता है। कुछ समय पहले जारी किए गए झलक वीडियो (टीजर) से यह साफ हुआ था कि फिल्म की मुख्य कहानी जंगलों में अवैध रूप से लाल चंदन की कटाई करने वाले मजदूरों और उनके संघर्षपूर्ण जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में धनुष एक लकड़हारे की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी में मुख्य मोड़ तब आता है जब पुलिस अधिकारी अवैध कटाई में शामिल मजदूरों को हथियार के बल पर बंदी बना लेते हैं और धनुष उनके रक्षक बनकर सामने आते हैं। फिल्म की रिलीज डेट को लेकर भी मेकर्स ने काफी सूझबूझ से निर्णय लिया है। पहले इस फिल्म को अक्टूबर महीने में प्रदर्शित करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अभिनेता धनुष ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए अपनी फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही, दिवाली के अवसर पर अन्य बड़ी फिल्मों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए किसी भी तरह के व्यावसायिक टकराव से बचने के लिए निर्माताओं ने 20 नवंबर की तिथि को अंतिम रूप दिया है। धनुष और ममूटी जैसे दो विशाल अभिनेताओं का पहली बार एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम करना इस फिल्म को इस साल की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची में शामिल करता है।

लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में रसिका

अभिनेत्री रसिका दुग्गल इन दिनों अपनी नई फिल्म लिटिल थॉमस को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म के संदर्भ में बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक दौर में भले ही तकनीक के सहारे बड़े बजट और भव्य सेट वाली फिल्में बन रही हों, लेकिन आम जिंदगी से जुड़ी सीधी और सरल कहानियों की अपनी एक अलग अहमियत होती है। फिल्म की कहानी एक छोटे बच्चे थॉमस की बाल सुलभ जिज्ञासा और उसकी मासूमियत के इर्द-गिर्द घूमती है। वह जानना चाहता है कि बच्चे कहां से आते हैं और अपने लिए एक भाई या बहन की चाहत रखता है। रसिका दुग्गल के अनुसार, बच्चों के सवालों और उनकी उत्सुकता को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। दुनिया को बच्चों के नजरिए से देखना एक बेहद खूबसूरत अनुभव है। इस फिल्म में बचपन, पारिवारिक रिश्तों और वैवाहिक जीवन के उतार-चढ़ाव को सहज ढंग से दर्शाया गया है।



फिल्म सेट पर महिलाओं के मतभेद की धारणा को राधिका आप्टे ने बताया गलत

डिजिटल क्रिएटर से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड की बहुमुखी अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही आगामी डिजिटल वेब सीरीज अक्का में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज में उनके साथ दक्षिण भारतीय सिनेमा की प्रसिद्ध अभिनेत्री कीर्ति सुरेश भी मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में इस सीरीज के प्रचार के सिलसिले में बात करते हुए राधिका आप्टे ने फिल्म सेट पर महिला कलाकारों के आपसी संबंधों को लेकर वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी धारणाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने उस प्रचलित सोच को पूरी तरह से खारिज कर दिया, जिसमें यह दावा किया जाता है कि जब दो महिला कलाकार किसी प्रोजेक्ट में एक साथ काम करती हैं, तो उनके बीच अक्सर अनबन, मनमुटाव या झगड़े होते हैं। राधिका आप्टे का मानना है कि किसी भी कार्यस्थल का माहौल किसी व्यक्ति के लिंग से तय नहीं होता, बल्कि यह लोगों के आपसी तालमेल और व्यवहार पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि यह एक बेहद पुरानी और आधारहीन सोच है कि महिलाएं आपस में तालमेल नहीं बैठा पातीं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि कई बार पुरुषों में महिलाओं की तुलना में अधिक असुरक्षा की भावना देखी जाती है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह मुद्दा पुरुष या महिला होने का नहीं है, बल्कि यह विशुद्ध रूप से व्यक्तिगत संबंधों और आपसी समझ का विषय है। किसी भी क्षेत्र में आप कुछ लोगों के साथ बहुत सहज महसूस करते हैं और आसानी से घुल-मिल जाते हैं, जबकि कुछ लोगों के साथ आपका मानसिक तालमेल नहीं बैठ पाता। वेब सीरीज अक्का के शूटिंग सेट का अनुभव साझा करते हुए अभिनेत्री ने बताया कि वहां का माहौल अत्यंत सकारात्मक और उत्साहवर्धक था। सेट पर कैमरे के सामने काम करने वाली स्टारकास्ट और कैमरे के पीछे काम करने वाली तकनीकी टीम में महिलाओं और पुरुषों की लगभग समान भागीदारी थी। उन्होंने कहा कि सेट पर एक बहुत ही खूबसूरत सिस्टरहुड यानी बहनों जैसा माहौल था, जिसने पूरी शूटिंग प्रक्रिया को बहुत सहज और आनंददायक बना दिया। इसके साथ ही राधिका आप्टे ने यह भी रेखांकित किया कि काम के सिलसिले में किसी के साथ अच्छा तालमेल होने का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि आप उनके बहुत गहरे मित्र बन जाएं। बिना करीबी दोस्त बने भी एक पेशेवर और गरिमापूर्ण माहौल में बेहतरीन काम किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वेब सीरीज अक्का एक थ्रिलर गैंगस्टर ड्रामा है, जिसमें महिलाओं को मुख्यधारा में दिखाया गया है। इस सीरीज का निर्देशन धर्मराज शेट्टी ने किया है, जो इस शो के लेखक भी हैं। यह कहानी 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित एक काल्पनिक दुनिया को दर्शाती है, जिसे पीढ़ियों से महिलाओं ने ही बनाया, चलाया और संरक्षित रखा है। यह बहुप्रतीक्षित सीरीज 30 अक्टूबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है।

अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने एक महत्वपूर्ण संदेश किया साझा

विभिन्न लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने देश में सामाजिक सौहार्द, शांति और धार्मिक एकता बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने धर्म से सच्चा प्रेम करें, लेकिन साथ ही दूसरों के धार्मिक अकीदों और आस्थाओं का भी पूरा सम्मान करें। अपने बयान में अभिनेत्री ने हाल ही में देश के विभिन्न हिस्सों में हुए विरोध-प्रदर्शनों और आंदोलनों के कारण अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रतिकूल प्रभावों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने आंकड़े साझा करते हुए बताया कि त्योहारों के व्यस्त सीजन के दौरान ऐसे प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है, जो एक विकासशील देश के लिए काफी चिंताजनक है। पवित्रा पुनिया ने इस बात पर दुख व्यक्त किया कि कई लोग बुनियादी तथ्यों को समझे बिना ऐसी आर्थिक समस्याओं और आंकड़ों का सोशल मीडिया पर मजाक उड़ाते हैं। उन्होंने देश की जमीनी हकीकत पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जब कोई आम नागरिक दो वक्त की रोटी के लिए कड़ा संघर्ष कर रहा हो, तब इस तरह के गतिरोध देश के हित में नहीं हो सकते। उन्होंने युवा पीढ़ी (जेन जी) का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर सक्रिय कुछ प्रभावकारियों (इन्फ्लुएंसर्स) द्वारा फैलाई जा रही मनगढ़ंत बातों और भ्रामक जानकारियों से युवाओं को बचना चाहिए। युवाओं में अपार क्षमता और ज्ञान है, इसलिए उन्हें किसी के बहकावे में आकर अपनी सोच को दूषित नहीं करना चाहिए। एक सनातनी हिंदू होने पर गर्व व्यक्त करते हुए पवित्रा ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी अन्य समुदाय या धर्म के लोगों से कोई शिकायत नहीं है। उन्होंने भारत के सामाजिक ताने-बाने को याद दिलाते हुए कहा कि बांटो और राज करो की विभाजनकारी सोच कुछ स्वार्थी तत्वों की देन है, जो देश की मूल भावना के विपरीत है। अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि उनके आसपास कई मुस्लिम परिवार रहते हैं और सभी लोग आपस में प्रेम, भाईचारे और शांति के साथ मिलकर रहते हैं। भारत की असली ताकत उसकी सांस्कृतिक विविधता और एकता का अनूठा बंधन है, जिसे हर कीमत पर सुरक्षित और अक्षुण्ण रखा जाना चाहिए।



इंडो-रशियन फिल्म से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कदम रखेंगी सैयामी खेर, भाषा की सीमाओं से परे जा किया काम

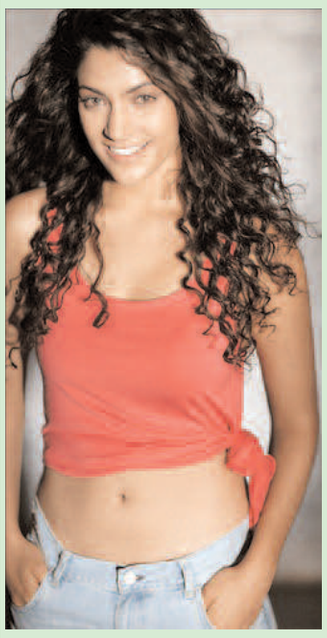

अभिनेत्री सैयामी खेर जल्द ही एक इंडो-रशियन ड्रामा फिल्म के जरिए अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में अपना पदार्पण करने जा रही हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अपने अनुभवों को साझा करते हुए सैयामी ने बताया कि एक विदेशी क्रू के साथ मॉस्को में शूटिंग करना उनके लिए बेहद नया और रोमांचक अनुभव था। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देशों और संस्कृतियों के लोगों के साथ काम करने से कहानी को देखने और समझने का एक नया वैश्विक नजरिया मिलता है। सैयामी खेर के अनुसार भाषा और देश की सीमाओं से परे जाकर काम करना किसी भी कलाकार के लिए सीखने का बहुत बड़ा अवसर होता है। हालांकि उन्होंने फिल्म की विस्तृत कहानी का खुलासा नहीं किया, लेकिन बताया कि यह एक मजबूत महिला चरित्र पर आधारित गहन ड्रामा फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन रूसी निर्देशक मैक्सिम कुजनेत्सोव कर रहे हैं। सैयामी इससे पहले निर्देशक प्रियदर्शन की बहुचर्चित क्राइम थ्रिलर फिल्म हैवान में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य भूमिकाओं में थे।



मां बनने के बाद शरीर में आए बदलावों और मानसिक संघर्ष पर करिश्मा तन्ना का छलका दर्द

हाल ही में मातृपद प्राप्त करने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद महिलाओं के शरीर में होने वाले प्राकृतिक बदलावों और उससे जुड़ी मानसिक चुनौतियों पर बेहद संवेदनशीलता के साथ अपनी बात रखी है। उन्होंने स्वीकार किया है कि एक नन्हें शिशु को जन्म देने के बाद अपने बदले हुए शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ सामंजस्य बिठाना कभी-कभी काफी कठिन और थकाऊ साबित होता है। अभिनेत्री ने अपने दिल के उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि कई बार उन्हें गर्भावस्था से पहले वाले अपने सुगठित शरीर की बेहद याद आती है। जब भी वह आईने के सामने खड़ी होती हैं, तो पेट का ढीलापन, त्वचा में आई शिथिलता और शारीरिक आकार में आए बदलाव उन्हें स्पष्ट नजर आते हैं। कपड़े खरीदने या तैयार होने की इच्छा भी ऐसे समय में अक्सर खत्म हो जाती है, जो किसी भी नई मां के लिए मानसिक रूप से काफी भारी पड़ सकता है। हालांकि, करिश्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऐसी स्थितियों में खुद के प्रति कठोर होने के बजाय दयालुता का भाव रखना बेहद आवश्यक है। उन्होंने खुद को यह याद दिलाया कि उनके शरीर ने एक नए जीवन को जन्म दिया है और उसके विकास के लिए नौ महीनों तक सुरक्षित माहौल प्रदान किया है। शिशु के जन्म को अभी केवल ढाई महीने का समय ही बीता है, ऐसे में इतनी जल्दी पुरानी शारीरिक संरचना को वापस पाने की उम्मीद लगाना बेमानी है। करिश्मा का मानना है कि एक महिला एक ही समय में मां बनने के सुखद अनुभव के प्रति आभारी भी हो सकती है और साथ ही अपने पुराने स्वरूप को खोने का दर्द भी महसूस कर सकती है। यह दोनों भावनाएं बिल्कुल स्वाभाविक हैं और इन्हें स्वीकार किया जाना चाहिए। अभिनेत्री ने जोर देकर कहा कि जिस कोमलता और प्रेम की हकदार मांएं अपने बच्चों को मानती हैं, वही कोमलता उन्हें खुद अपने प्रति भी दिखानी चाहिए। वे अब अपनी शारीरिक बनावट की आलोचना करने के बजाय अपने शरीर को ठीक होने, मजबूत बनने और पुन: सहज महसूस करने का पूरा समय दे रही हैं। उन्होंने अन्य सभी माताओं को सांत्वना देते हुए कहा कि वे इस मानसिक और शारीरिक सफर में बिल्कुल अकेली नहीं हैं। गौरतलब है कि करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा ने इस वर्ष अप्रैल में अपने पहले बच्चे के आगमन की खुशखबरी साझा की थी, जिसके बाद जुलाई में उनके घर एक सुंदर बेटे का जन्म हुआ।

परिणीति के समर्थन में उतरीं जेनिफर

वेब सीरीज शक : ट्रस्ट नो वन की सफलता के उपलक्ष्य में आयोजित एक पार्टी के दौरान का वीडियो इंटरनेट पर वायरल होने के बाद अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। वायरल वीडियो में ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे परिणीति ने अपनी सह-कलाकार जेनिफर विंगेट को फोटो क्लिक कराने के दौरान नजरअंदाज किया। अब इस विवाद पर खुद जेनिफर विंगेट ने चुप्पी तोड़ी है और परिणीति चोपड़ा का समर्थन करते हुए सभी तरह की अफवाहों और ट्रोलिंग को खारिज कर दिया है। जेनिफर विंगेट ने स्पष्ट किया कि उनके और परिणीति के बीच किसी भी प्रकार की अनबन नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी के दौरान मंच पर जगह की कमी थी, जिसके कारण वे स्वयं पीछे हट गई थीं। परिणीति हमेशा उनके प्रति बहुत ही दयालु और सम्मानजनक रही हैं। जेनिफर ने लोगों से अपील की कि वे इस साधारण सी बात को गलत रूप देकर नकारात्मकता न फैलाएं।

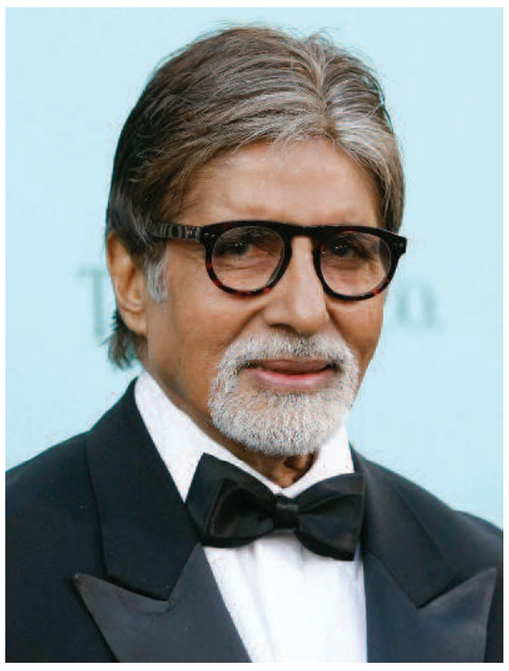

अमिताभ बच्चन ने पारंपरिक अंधविश्वासों पर उठाए सवाल कहा- आधुनिक पीढ़ी मानती है केवल वैज्ञानिक तर्क

भारतीय सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन अक्सर अपने विचारों और अनुभवों को अपने व्यक्तिगत ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों के साथ साझा करते रहते हैं। अपने एक हालिया ब्लॉग पोस्ट में अमिताभ बच्चन ने समाज में गहराई से रची-बसी पुरानी परंपराओं, मान्यताओं और अंधविश्वासों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकांश लोग बिना किसी तर्क या अर्थ को समझे केवल पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही प्रथाओं का पालन करते आ रहे हैं। अपने इस लेखन में उन्होंने इस बात पर गहराई से प्रकाश डाला कि किस प्रकार समय बीतने के साथ इंसान की व्यक्तिगत इच्छाएं, सोच और जीवन को देखने का नजरिया पूरी तरह से बदल जाता है।

ब्लॉग में अमिताभ बच्चन ने लिखा कि इंसान के जीवन में एक ऐसा पड़ाव भी आता है जब वह उन सभी चीजों को दोबारा करना चाहता है, जिनसे उसे अतीत में रोका गया था। उन्होंने जीवन के बदलते चक्र का वर्णन करते हुए कहा कि एक समय में इंसान पूरी तरह से बेफिक्र होता है और फिर जीवन के उत्तरार्ध में वह दोबारा उसी बेफिक्री को पाना चाहता है। इंसान का दिमाग कई बार अजीब तरह से निर्णय लेता है, लेकिन यह प्रक्रिया इंसान को एक अलग प्रकार का मानसिक सुकून भी प्रदान करती है। परंपराओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने शनिवार को नाखून न काटने जैसी मान्यताओं का उदाहरण दिया। उन्होंने लिखा कि शनिवार को नाखून न काटने को अशुभ माना जाता है और यह प्रथा केवल अज्ञात डर के कारण आज भी समाज में अपनी जगह बनाए हुए है।

इसके साथ ही उन्होंने रत्नों से जुड़े अंधविश्वासों पर भी टिप्पणी की। उन्होंने लिखा कि लोग कहते हैं कि हरा पत्थर मत पहनो, बल्कि उसकी जगह एक हरे रंग की शॉल अपने पास रख लो। इस पर सवाल उठाते हुए अमिताभ बच्चन ने पूछा कि उस निर्दोष पत्थर ने किसी का क्या बिगाड़ा है और पास में रखी हरी शॉल किसी व्यक्ति के लिए किस प्रकार लाभदायक साबित हो सकती है। इन खोखले तर्कों पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि डर के कारण लोग आज्ञाकारी बनकर इन प्रथाओं को स्वीकार करते रहते हैं। हालांकि, महानायक ने यह भी स्वीकार किया कि आज की आधुनिक पीढ़ी अंधविश्वासों को आंख मूंदकर स्वीकार नहीं करती है। वर्तमान पीढ़ी किसी भी प्रथा को अपनाने से पहले उसके पीछे के वैज्ञानिक, शारीरिक और मानसिक कारणों को समझती है। आज के युवा केवल उन्हीं परंपराओं और जीवनशैली को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं, जिनसे उनके स्वास्थ्य, मानसिक शांति और जीवन की गुणवत्ता में वास्तविक सुधार हो सके।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009